RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 November, 2017

अंक - 5 (मासिक) वर्ष - 13 नवम्बर 2017 मूल्य 30/-

अपनों के लिए-अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

पेपर व्यवसाय के आईकॉन
रमेश गांधी

विश्व कल्याण के निमित्त 108 वाँ
श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

जगद्गुरु रामानुजाचार्य
श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज

5 से 11 नवम्बर, 2017 : इंदौर

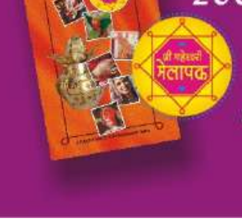

200 से अधिक
जुड़े रिश्ते
श्री माहेश्वरी
मेलापक-17

काल गणना नगरी उज्जयिनी का
सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला

सम्प्रदायिक एकता की मिसाल
सत्यनारायण मूंदड़ा

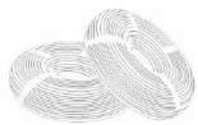

Wires & Cables

Appliances

Switches

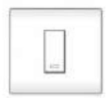

Lighting

Parking Systems

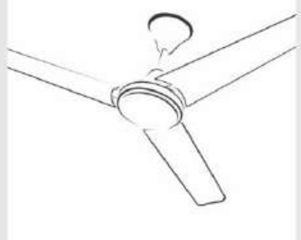

Fans

Winding Wires

Copper Products

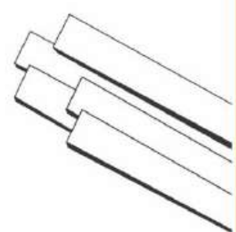

RR GLOBAL
RAM RATNA GROUP

Putting the best technology at work, Ram Ratna Group, a 3000+ crore conglomerate, leverages the market with unwavering passion and dedication. The group offers a multi faceted range offering quality products to its consumers. Thanks to a close knit team with exceptional skills and expertise, we export our products in 73 countries across Asia, Europe and Middle East.

Regd. Office : Ram Ratna House, Oasis Complex, P. B. Marg, Worli, Mumbai - 400 013 • **T:** +91 - 22 - 2494 9009 / 2492 4144 • **F:** +91 - 22 - 2491 2586
Corp. Office : 305/A, Windsor Plaza, R. C. Dutt Road, Alkapuri, Vadodara - 390 007 • **T:** +91 - 265 - 2321 891 / 2 / 3 • **F:** +91 - 265 - 2321 894 • **E:** vadodara@rrglobal.in
Ahmedabad: 079 - 6605 4706, **Bengaluru:** 080 - 4125 0079 / 4090 2221, **Bhubaneswar:** 0674 - 2581 957, **Chennai:** 044 - 2829 2329 / 2429, **Coimbatore:** 0422 - 2910 560, **Guwahati:** 0970 7015 735, **Indore:** 0930 2864 355, **Jaipur:** 0141 - 2363 527, **Jalandhar:** 0935 7325 100, **Ernakulam:** 0484 - 2378 782, **Kolkata:** 033 - 3251 5253 / 2217 8078, **Lucknow:** 0522 - 4113 745 / 46, **Madurai:** 0452 - 3209 460, **Mangalore:** 0824 - 2458 584, **New Delhi:** 011 - 4303 8395 / 2735 5477 / 78, **Pune:** 020 - 2567 7207, **Raipur:** 0771 - 4045 079, **Rajkot:** 0932 7722 501, **Secunderabad:** 040 - 2780 4098, **Silvassa:** 0260 - 2641 333, **Surat:** 0937 5951 000.
www.rrglobal.in

अपनों के लिए अपनी पत्रिका

श्री माहेश्वरी टाईम्स

RNI-MPHIN/2005/14721

▸▸ अंक-5 ▸▸ नवम्बर 2017 ▸▸ वर्ष-13

प्रेरणास्त्रोत
स्व. श्री बंशीलाल बाहेती
स्व. श्री मदनलाल पलौड़

प्रबंध सम्पादक एवं निदेशक
श्रीमती सरिता बाहेती

सम्पादक
पुष्कर बाहेती

संरक्षक
पद्मश्री बंशीलाल राठी (चैन्नई)
श्री नेमीचन्द तोषनीवाल (कोलकाता)
श्री बनवारीलाल जाजू (इन्दौर)

अतिथि सम्पादक
डॉ. प्रकाश माहेश्वरी, इन्दौर

परामर्शदाता
दिनेश माहेश्वरी (भूतड़ा) मुम्बई/इन्दौर
घनश्याम करनानी (कोलकाता)

कला निदेशक
अक्षय आमेरिया

विधि सलाहकार
राजेन्द्र ईनाणी, एडव्होकेट (बागली)

सम्पादकीय सलाहकार
गोविन्द मालू (इन्दौर)
बाबूलाल जाजू (भीलवाड़ा)
बंशीलाल भूतड़ा 'किरण' (इन्दौर)

कार्यालय-
90, विद्या नगर (टेढ़ी खजूर दरगाह के पीछे),
साँवेर रोड, उज्जैन-456010 (म.प्र.)
Phone : 0734-2526561, 2526761
Mobile : 094250-91161
e-mail : smt4news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती सरिता बाहेती द्वारा ऋषि ऑफसेट, श्री माहेश्वरी भवन, गोलामण्डी, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

▸ श्री माहेश्वरी टाईम्स में प्रकाशित सभी लेखों के विचारों पर सम्पादक/प्रकाशक की सहमति हो, यह आवश्यक नहीं है।
▸ सभी प्रसंगों का न्यायक्षेत्र उज्जैन (म.प्र.) होगा।

Sri Maheshwari Times
- PNB A/c. No. : 0459002100043471
  IFSC- PUNB0045900
- ICICI A/c. No. : 030005001198
  IFSC- ICIC0000300

Tariff of Membership
Rs. 800/- for Three years
Rs. 3100/- for Life Time (12 Years)

9-10

40-41

विश्व कल्याणार्थ

108वां श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ

5 से 11 नवम्बर 2017

43

45

संकल्प के शिखर
रमेश गांधी

साम्प्रदायिक सद्भाव की मिसाल
सत्यनारायण मूंदड़ा

प्रेरक कथा

विचार क्रांति

एक बार एक ग्वालन दूध बेच रही थी और सबको दूध नाप नाप कर दे रही थी। उसी समय एक नौजवान दूध लेने आया तो ग्वालन ने बिना नापे ही उस नौजवान का बरतन दूध से भर दिया।

वही थोड़ी दूर पर एक साधु हाथ में माला लेकर मनको को गिन गिन कर माल फेर था। तभी उसकी नजर ग्वालन पर पड़ी और उसने ये सब देखा और पास ही बैठे व्यक्ति से सारी बात बताकर इसका कारण पूछा।

उस व्यक्ति ने बताया कि जिस नौजवान को उस ग्वालन ने बिना नाप के दूध दिया है, वह उस नौजवान से प्रेम करती है, इसलिए उसने उसे बिना नाप के दूध दे दिया। यह बात साधु के दिल को छू गयी और उसने सोचा कि एक दूध बेचने वाली ग्वालन जिससे प्रेम करती है, तो उसका हिसाब नहीं रखती और मैं अपने जिस ईश्वर से प्रेम करता हूं, उसके लिए सुबह से शाम तक मनके गिनगिन कर माला फेरता हूं। मुझसे तो अच्छी यह ग्वालन ही है और उसने माला तोड़कर फेंक दी।

जीवन भी ऐसा ही है। जहाँ प्रेम होता है वहाँ हिसाब किताब नहीं होता है, और जहाँ हिसाब किताब होता है वहाँ प्रेम नहीं होता है, सिर्फ व्यापार होता।

संकल्प के शिखर

इस अंक में स्वामी श्री श्रीकांताचार्य जी महाराज और रमेश गांधी, दो नामों का उल्लेख इस अर्थ में करना चाहता हूँ कि इन्होंने संकल्प को शिखर तक पहुंचाया। देश में संकल्प सिद्धि अभियान चल रहा है, जिसके माध्यम से सरकार सफलता को जन-जन तक पहुंचाना चाहती है, लेकिन जब हम अपने आस-पास देखते हैं तो ऐसे कई व्यक्तित्व नजर आते हैं जिनके जीवन में संकल्प की सिद्धि हुई है। उनमें ही शामिल हैं, पूज्य स्वामीजी और गांधी जी। संकल्पों से किस तरह असंभव को भी सम्भव किया जा सकता हैं, इसी का जीवंत उदाहरण इनका जीवन है और वह भी खुली किताब की तरह।

जगद्‌गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्य जी महाराज ने 108 श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का संकल्प विश्व कल्याण के लिए लिया था। इस संकल्प में अयोध्या में श्री रामजन्म भूमि मंदिर निर्माण भी शामिल था। 34 वें यज्ञ की पूर्णाहुति होते अयोध्या में मंदिर के द्वार खुल गए। मूल उद्देश्य तो आंशिक रूप से पूर्ण हो गया लेकिन 108 यज्ञ का संकल्प अधूरा था। बस स्वामीजी ने अपने यज्ञ के उद्देश्य को देश, धर्म व मानवता के कल्याण पर केंद्रित किया और उनकी श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ की यात्रा सतत जारी रही। देश के कई प्रदेशों व कई शहरों में होकर अभी तक उनके 107 यज्ञ पूर्ण हो चुके हैं। अब 108 वें यज्ञ से इस संकल्प की पूर्ति होगी। उद्देश्य है, देश का कल्याण, धर्म व सीमाओं की सुरक्षा। अब वे 108 वां महायज्ञ इंदौर में 5 से 11 नवंबर तक करने जा रहे हैं। स्वामी जी का संकल्प पूरा हो रहा है, उनके प्रति हम विनम्र नतमस्तक हैं।

रमेश गांधी का जिक्र इसलिए कि उन्होंने अपने व्यावसायिक जीवन में संकल्प को सिद्ध किया है। पेपर व्यवसाय में शून्य से शिखर की यात्रा करने वाले श्री गांधी के बारे में जब मैं पढ़ रहा था तो उनकी यह बात मन में बैठ गई-हम अपने व्यवसाय से प्रेम करेंगे तो वह हम से प्रेम करेगा। ''सुंदर बात है, जो वास्तव में इसे जीवन में उतार चुके हैं, संघर्ष और संकट को मात देकर सफलता वे ही हासिल करते हैं, जिनके मन में संकल्प सिद्ध हो जाए इसके लिए संकल्प के प्रति समर्थन और आग्रह जरुरी है, तभी वह प्रेम की परिधि में बंध पाएगा। दीपावली पर लक्ष्मी पूजन के पहले शक्ति और विजय पर्व की अवधारणा इसी का प्रतीक भी है। शक्ति इसलिए कि विजय मिले, कमजोरियों पर। विजय के बाद ही खुशी के रूप में मन लक्ष्मी की तरह उल्लासित होता है। जाड़े का मौसम दस्तक दे रहा है जो स्वास्थ्य के लिए भी उत्तम है।

यह अंक आपके हाथ में है, इस अपेक्षा के साथ कि आप भी दीपोत्सव से शुरू हुए नए वर्ष में नए संकल्प के साथ आगे बढ़े और अपने मनोरथों को सिद्ध कर बाधा और मुश्किल पर शक्ति के साथ विजय प्राप्त कर जीवन में सिद्धि प्राप्त करें। यह अंक आपकी अपेक्षा के अनुरूप गढ़ने का प्रयत्न किया है। अपनी प्रतिक्रिया से अवगत कराना न भूलें।

पुष्कर बाहेती
सम्पादक

डॉ. प्रकाश माहेश्वरी का जन्म 23 जुलाई 1953 को इंदौर के समीप धार जिले के बदनावर में व्यवसायी श्री शंकरलाल बांगड़ के यहां हुआ। प्रारंभिक शिक्षा बदनावर में हुई। विक्रम वि.वि. उज्जैन से वाणिज्य में स्नातक और मुंबई से चार्टर्ड अकाउंटेंट (सीए) की शिक्षा प्राप्त की। वर्ष 1977 में आपने ग्वालियर रेयान सिल्क मैन्यूफेक्चरिंग कंपनी लिमिटेड (अब ग्रेसिम इंडस्ट्रीज) से अपनी अथक ऐतिहासिक व्यावसायिक यात्रा प्रारंभ की। इसी यात्रा के दौरान आपने अपने शैक्षणिक कॅरियर की एक और उपलब्धि कर्नाटक विवि से प्रबंधन में पी.एचडी उपाधि हासिल कर की। बिड़ला ग्रुप को देश-विदेश की विभिन्न इकाइयों के उच्च पद पर रहकर आपने नए कीर्तिमान स्थापित किए और शिखर पर पहुंचाया। भारत और भारत के बाहर इंडोनेशिया, चीन, टर्की, मिस्त्र, अमेरिका, कनाडा आदि आपके कार्यक्षेत्र रहे। बिड़ला ग्रुप की कई विदेशी कंपनियों में आप निर्देशक (डायरेक्टर) पद पर भी रहे। आदित्य बिड़ला ग्रुप ने डॉ. माहेश्वरी को उनके कुशल नेतृत्व के लिए Outstanding Leadership Award *से सम्मानित किया। 40 वर्ष के सफल और कुशल प्रोफेशनल कॅरियर में शून्य से शिखर की यात्रा पूर्ण कर वर्ष 2015 में डॉ. माहेश्वरी बिड़ला ग्रुप से रिटायर हुए। आप औद्योगिक, धार्मिक और सामाजिक संगठनों में अति सक्रिय रहे। फिलहाल वे इंदौर में निवास कर रहे है, और भरूच (गुजरात) में पुत्र के उद्योग में भी मार्गदर्शन दे रहे हैं।*

"युवा" भविष्य की आशा

प्रख्यात अमेरिकी उपन्यासकार निकोलस स्पार्क्स का कथन है 'युवा हमारे भविष्य की आशा है'। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है। हमारी जनसंख्या में हर तीसरा नागरिक युवा है। लगभग 40 करोड़ युवाओं का हमारा देश, अगले कुछ वर्षों में 29 वर्ष की औसत आयु वाला देश होगा। इस मान से देखा जाए तो वर्ष 2020 तक देश की 64 प्रतिशत आबादी कार्यरत आयु समूह में शामिल होगी। यह स्थिति वास्तव में अत्यंत गर्व पूर्ण है, लेकिन आज सबसे बड़ी चुनौती भी उत्पन्न हुई है और वह है, इस युवा शक्ति और संपदा की देश की प्रगति में सार्थक भागीदारी की। इसके लिए हमें उनकी उपयोगिता व भूमिका तय करनी होगी। युवा शक्ति की राजनीति में सक्रिय भूमिका एवं देश में आर्थिक और सामाजिक असमानता दूर करने में उनका सक्रिय योगदान, आज देश की आवश्यकता भी है और अपेक्षा आकांक्षा भी। वास्तव में हमारी युवा शक्ति यह कर सकती है। हम भारत को एक महान से महानतम देश के रूप में देखना चाहते हैं, तो यह जरूरी भी है। कोई भी देश कब और कैसे महान बनता है? इसका उत्तर होगा देश तब महान बनता है जब उस देश का हर नागरिक जिम्मेदार और महान बनता है। अतः इसी भागीदारी के लिए जरूरी है कि युवा अपनी शक्ति को पहचानें और अपने जीवन में एक लक्ष्य निर्धारित करें कि वह किस रूप में इस महान देश की सेवा करना चाहते हैं? सही दिशा में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य का निर्धारित होना भी आवश्यक है। "मनसा-वाचा-कर्मणा" अपने अंदर सकारात्मकता का संचार करें। जीवन में कुछ मूल्यों को आत्मसात करें। ये मूल्य ही हमारे जीवन में पथ प्रदर्शक और मार्गदर्शक होते हैं।

माहेश्वरी समाज एक परिवर्तनशील-प्रगतिशील समाज है, जिसमें ऐसे मूर्धन्य लोगों का जन्म हुआ, जिन्होंने न केवल समाज और देश की दशा बदली बल्कि देश को दिशा भी प्रदान की। हम वो विशिष्ट वर्ग हैं, जिस पर मां लक्ष्मी एवं मां सरस्वती की समान रूप से कृपा रही है। वर्तमान समय बहुत ही प्रगतिशील और प्रतिस्पर्धी है और हर एक व्यक्ति जो कुछ उल्लेखनीय करना चाहता है, उसे कड़ी मेहनत करनी होगी, तभी सफलता मिलेगी।

माहेश्वरी समाज का युवा भी उद्यमी और ऊर्जावान है। अतः मैं युवा वर्ग से कहना चाहूँगा कि... *"निश्चित्य यः प्रक्रमते नान्तर्वसति कर्मणः' चाणक्य ने भी कहा है - 'गुणाः सर्वत्र पूज्यन्ते न महत्योअपि सम्पदः'* अर्थात गुणों की सर्वत्र पूजा होती है न कि सम्पदा की।

युवा वर्ग सोच-समझकर लक्ष्य निर्धारित करे, निर्णय ले, मूल्यों को आत्मसात करे और कर्म करे जिससे उनकी अपनी उन्नति के साथ-साथ समाज की एवं देश की भी उन्नति और प्रगति हो। हमारे सारे सपने सच हो सकते हैं, अगर हमारे पास उनका पीछा करने का हौसला और साहस है। मैं सभी समाजजनों, युवाओं तथा समाज के कर्णधारों से अपील करता हूँ कि वे समाज व राष्ट्र के हित में अपनी जिम्मेदारी तय करें। याद रखें इस जिम्मेदारी को तय करने में हमारा स्वहित भी हमारे कर्तव्य के रूप में अवश्य ही शामिल हो, लेकिन इतना नहीं कि अपने वृहद कर्तव्य को ही निष्प्रभावी कर दे। आखिर राष्ट्र व समाज की जब बात की जाती है तो हम भी उसमें शामिल होते तो हैं, लेकिन केवल अकेले ही नहीं, सभी साथ-साथ, यह न भूलें।

प्रकाश पर्व दीपावली पर आप सभी को हार्दिक बधाई एवं स्वस्थ, स्वच्छ और सुरक्षित दीपावली की शुभकामनाएं। मैं इस पावन पर्व पर सभी का अभिवादन करते हुए सभी के जीवन में सुख-सम्पदा व शांति के संचार की माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ।

डॉ. प्रकाश माहेश्वरी
अतिथि सम्पादक

उत्तमकृषि के लिए नेचुरल टेक्नालाजी अपनाएँ, भूमि को अधिक उपजाऊ व पौधों को निरोगी तथा वातावरण को प्रदुषण रहित बनाएं

उत्तम गुणवत्तायुक्त स्वस्थ व अधिकतम उपज के लिए

स्वर्णफल पत्रफुहार

सर्वश्रेष्ठ उत्तम गुणयुक्त सुक्ष्मपोषक बल

A Best Multi Micronutrient Power for all Crops

संत्रे व मोसम्बी पर आती डैब्याक व्याधि को प्रभावशाली ढंग से रोकने के लिए

रैडान + जेट्रान

नेचुरल बायो पेस्टिसाइड

नेचुरल बायो फंजीसाइड

विश्वास के लिए पहले कुछ पौधों व पेड़ो पर उपयोग करें और फायदा देखें फिर अपनाएं।

डैब्याक व्याधि के निवारण कि जानकारी के लिए संपर्क करें

रतनलाल मूंदड़ा
09000400363

बृजगोपाल मूंदड़ा
09440295365

Vijayashri Agro Chemicals Pvt. Ltd.

Regd. Office : 14-6-407/A
Begum Bazar, Near Maheshwari Bhawan,
Hyderabad-500 012 (T.S.) Bharat
Tel. No. 040-2465 2441, 2465 2447

श्री नौशल्या माताजी

श्री नौशल्या माताजी माहेश्वरी समाज की खटौड़ खाँप की कुलदेवी हैं। स्थानीय स्तर पर श्री नौशल्या माताजी के प्रति लोगों की अपार श्रद्धा है। अग्रवाल समाज वाले भी कुलदेवी के रूप में पूजते हैं।

श्री नौशल्या माताजी का भव्य मंदिर नागौर जिले के ग्राम जायल में स्थित है। इसकी स्थापना करीबन 200-250 वर्ष पूर्व हुई थी। यहाँ लगे शिलालेख के अनुसार इस मंदिर का जीर्णोद्धार 21 अप्रैल सन् 1947 को हुआ। यह मंदिर अपने आप में अनोखा है क्योंकि यहाँ माताजी की प्रतिमा नहीं है। केवल माताजी का त्रिशूल बना हुआ है जिसकी शक्ति स्वरूप में मांडना मांडकर पूजा होती है। नवरात्रि में विशेष शृंगारित त्रिशूल की रचना होती है। आम श्रद्धालुओं की माताजी के प्रति इतनी श्रद्धा है कि दूर-दूर से श्रद्धालु यहाँ आते हैं। मान्यता के अनुसार यह ऐसा सिद्ध स्थान है जहाँ मांगी गई मन्नतें अवश्य पूरी होती हैं। प्रतिदिन सुबह यहाँ पूजा होती है और मिश्री आदि पंच मेवे का भोग लगाया जाता है।

विशेष आयोजन

चैत्र व शारदीय नवरात्रि में यहाँ भव्य मेला लगता है जिसमें दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु आते हैं तथा चुनर चढ़ाकर मन्नत मांगते हैं व पूरी भी करते हैं। इस दौरान यहाँ विशाल भंडारा भी होता है। स्थानीय ग्रामीण इस आयोजन में विशेष सक्रियता निभाते हैं।

कैसे पहुँचें-कहाँ ठहरें

ग्राम जायल सड़क मार्ग से जुड़ा है। नागौर, डेगाना, जयपुर, सीकर, झुंझुनू, पिलानी, दिल्ली, हिसार, जोधपुर, बाड़मेर, बालोहरा, सूरत, अहमदाबाद, फलौदी आदि से ग्राम जायल की बसें उपलब्ध रहती हैं। मंदिर पुजारी ताराचंदजी मंदिर परिसर में ही निवास करते हैं अतः चाहे जाने पर भोजन व ठहरने की व्यवस्था करवा देते हैं।

हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाओं सहित...

JAMANA TRADING CO.

Post Asop Dist. Jodhpur (Raj)
Mob: 9413062186
(S.N Heda)

M/s MAHESH INDUSTRIES

Manufacture of R.C.C Hume Pipe
A.T Road - Lahowal
Post : Dibrugarh (Assam)
Mob : 94350 33753
(J.P Heda)

M/s MARBLE CENTRE

Dealer in Marble Granite Italian Import
Rajhat P.O. Dibrougarh (Assam)
Mob : 99371 89391
(Raja Heda)

M/s COMMERCIAL MARBLES

NH By Pass Junction
Edappally, Cochin - 24
Mob : 94470 35810
(B.G Heda)

Srinivas

J.P. Heda

B.G. Heda

Raja Heda

विश्व कल्याण के निमित्त

108वें श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का साक्षी बनेगा इन्दौर

जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में 5 से 11 नवंबर तक होगा भव्य आयोजन

इंदौर. देवी अहिल्या की नगरी इंदौर एक लंबे अरसे के बाद एक विशिष्ट आयोजन की साक्षी बनने जा रही है। यह विशिष्ट आयोजन होगा जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में उनके संकल्पानुसार होने वाले 108वाँ लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का। इसमें देशभर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल होंगे और देश व धर्म के कल्याण के लिए अपनी आहुति देंगे। इसके साथ ही इस अवसर पर जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी गोपालाचार्यजी महाराज के मुखारविंद से श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भी होगा।

इसी आयोजन की पूर्व तैयारी के अंतर्गत महायज्ञ कार्यालय के उद्घाटन के लिये दशहरा मैदान तक विशाल रैली निकाली गई। मीडिया प्रभारी रामस्वरूप मूंदड़ा ने बताया कि दशहरा मैदान में 5 से 11 नवंबर तक होने जो रहे 108वें लक्ष्मीनारायण महायज्ञ के प्रणेता स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी को वाहन रैली द्वारा दशहरा मैदान लाया गया। रैली की शुरुआत के पूर्व नरवल स्थित मौनी बाबा आश्रम में स्वामीजी की अगवानी यज्ञ समिति के अध्यक्ष विधायक रमेश मेंदोला, संयोजक सत्यनारायण राठी, महामंत्री गोपाल न्याती, गोपाल मित्तल आदि ने की। उन्हें खुली जीप में विराजित किया गया, जिसमें लक्ष्मणदास जी, रामगोपाल जी भी विराजित थे। रैली की कमान गोलू शुक्ला व आनंद पुरोहित ने संभाली थी। रैली का कई जगह भव्य स्वागत किया गया। गुमाश्तानगर में प्रहलाददास लड्ढा के नेतृत्व में स्वामी का अभिनंदन किया गया। रैली का समापन यज्ञ स्थल दशहरा मैदान पर हुआ।

कार्यालय का हुआ भव्य शुभारंभ

यज्ञ स्थल दशहरा मैदान पर कार्यालय का उद्घाटन यज्ञ प्रणेता जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी ने किया। महायज्ञ एवं भागवत कथा के संयोजक सत्यनारायण राठी, महामंत्री गोपाल न्याती, रामेश्वर असावा व गिरधर सारडा ने बताया कि वर्तमान समय में उत्पन्न हो रही परिस्थितियों एवं हिंदू धर्म की रक्षा के लिए इस तरह के आयोजन महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में सचिव संतोष मानधन्या, ओमप्रकाश बियानी, धनराज कोठारी ने कहा कि ऐसा माना जाता है जहां भागवत कथा और महायज्ञ होते हैं, वहां स्वयं देवता भी पधारते है।। कार्यक्रम में आर.आर. गुप्ता, गोपाल मित्तल शक्करवाला सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे। सुबह 10 बजे स्वामी श्रीकांताचार्यजी ने विधि-विधान के साथ भगवान श्री लक्ष्मीनारायण की तस्वीर पर पुष्प हार चढ़ाकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

36 वर्ष का संकल्प अब पूर्णता की ओर

जगदगुरु श्री श्रीकांताचार्यजी ने अयोध्या में रामजन्म भूमि की मुक्ति की कामना लेकर 1981 में 108 श्री लक्ष्मीनारायण यज्ञ का संकल्प लिया और इसकी शुरुआत काशी से की। 34वें यज्ञ के दौरान रामजन्म भूमि की आंशिक मुक्ति के बाद भी स्वामीजी ने अपने संकल्पित यज्ञों का सिलसिला जारी रखा, इसका लक्ष्य अब जनकल्याण व राष्ट्र कल्याण हो गया। वर्ष 1995 से वे लगातार यज्ञ के इस सिलसिले को जारी रखते हुए हैं। स्वामीजी देश के कई भागों में और कई शहरों में 107 यज्ञ कर चुके हैं। इसके साथ वर्तमान में यह 108वाँ यज्ञ है। इसके साथ इस संकल्प की पूर्णाहुति होगी। इस महायज्ञ में 108 यज्ञ कुंड होंगे और देश-विदेश से आये श्रद्धालु शामिल होंगे। अब उद्देश्य है जनकल्याण, देश की अखंडता व सीमाओं की सुरक्षा। अभी तक हुए यज्ञ इस प्रकार हैं। अमृतसर (7 यज्ञ), उरदा (बिहार), भोकरी (बिहार) (7 यज्ञ), आवाजापुर (यूपी), इलाहाबाद (5 यज्ञ), हरिद्वार (9 यज्ञ), उज्जैन (8 यज्ञ), नेमिषारण्य, कोटेश्वर, धामनोद, सरदारपुर, पुष्कर (2 यज्ञ), अजमेर, मनासा (2 यज्ञ), चित्तौड़गढ़, मंदसौर (2 यज्ञ), बद्रीनाथ, मेड़ता सिटी (2 यज्ञ), मकराना, प्रतापगढ़, हापुड़ (3 यज्ञ), अहमदाबाद (2 यज्ञ), महू (2 यज्ञ), तिरुपति, रायपुर, जलगांव (2 यज्ञ), अलीराजपुर, जावद (2 यज्ञ), नीमच (3 यज्ञ), बनेड़ा, भीलवाड़ा (2 यज्ञ), जयपुर, श्रीरंगम, गाजियाबाद (2 यज्ञ), पिलखुआ (यूपी) (2 यज्ञ), कांकरोली दुबौली (बिहार) (2 यज्ञ), भोपाल, बंगलोर, रायचूर, गुलबर्गा, रामेश्वरम, द्वारका, नासिक, सुकताल, निम्बाहेड़ा, उदयपुर, बलिया (यूपी), दलौदा, बभूया (बिहार 2 यज्ञ), जगन्नाथपुरी, वृंदावन, अयोध्या, बनारस, विदिशा, सिलवासा।

100 से अधिक संत आएंगे

108 कुंडीय श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ अपनी भव्यता व पावन उद्देश्य से एक नया इतिहास रचेगा। पूरे 7 दिन न सिर्फ इंदौर का दशहरा मैदान क्षेत्र बल्कि उज्जैन शहर भी धर्ममय हो जाएगा। इसमें देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु तो शामिल होंगे ही साथ ही रामानुज सम्प्रदाय के 100 से अधिक

आयोजन समिति पदाधिकारी

संत भी शामिल होंगे। इसकी तैयारी लंबे समय से अत्यंत भव्य रूप से चल रही है। इसमें 3-4 करोड़ रुपए के लगभग व्यय होने की संभावना है और आश्चर्य की बात है कि श्रद्धालुओं के तन-मन-धन से लगने वाले कार्य को अत्यंत आसान बना दिया है। बड़ी संख्या में अभी भी श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होने के लिए सम्पर्क कर रहे हैं।

सभी ने लिये ठाकुरजी के आशीर्वाद

इस महायज्ञ के शुभारंभ की पूर्व बेला में उज्जैन स्थित रामानुज सम्प्रदाय के दिव्य देश में 'तिरुपति धाम' ठाकुरजी के आशीर्वाद लेकर आयोजन समिति ने बैठक आयोजित की। इस बैठक में आयोजन समिति अध्यक्ष विधायक रमेश मेंदोला, संयोजक सत्यनारायण राठी, महामंत्री गोपाल न्याती, मंत्री ओमप्रकाश बियानी, सहसंयोजक गोपाल मित्तल सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी, सदस्य व श्रद्धालु उपस्थित थे। श्री मेंदोला, श्री राठी व श्री न्याती सहित समस्त पदाधिकारियों ने श्रद्धालुओं को इस आयोजन में आमंत्रित किया। इस अवसर पर उपस्थित जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज ने उपस्थिती के आग्रह पर आशीर्वचन दिये। अपने आशीवर्चन में महाराजश्री ने इस महायज्ञ के साथ ही यज्ञ की उपयोगिता पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर श्री माहेश्वरी टाईम्स सम्पादक पुष्कर बाहेती सहित बड़ी संख्या में गणमान्यजन उपस्थित थे। स्नेहभोज के साथ बैठक का समापन हुआ।

कल्याण ही लक्ष्य

कलयुग में भगवान वेंकटेश साक्षात प्रभु हैं और यज्ञ कर्मक्षेत्र है जो सामाजिक सोच को बदलकर ब्रह्म को पहचान कराने का एकमात्र साधन है। नई पीढ़ी को आत्मज्ञान के साथ-साथ भगवान में विश्वास की भावना को उदय कराना ही हमारे देश की संस्कृति रही है। इसी संस्कृति की स्थापित करने का लक्ष्य लेकर आत्मचिंतन कर अपनी आत्मा की आवाज को पहचानकर तथा प्राणीमात्र के कल्याण हेतु यह आयोजन हो रहा है।

-जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज

अपने आपको रोक नहीं पाया

आमतौर पर सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में सहभागी होना मेरी आदत रही है। राठीजी व न्यातीजी के कारण महायज्ञ के आयोजन की जब जानकारी मिली तो मन पुलकित हो गया। महाराजश्री के सान्निध्य में 108वें 108 कुंडीय महायज्ञ का आयोजन और वह भी हमारे शहर इंदौर में। बस क्या था, मैं अपने आपको रोक नहीं पाया और इस आयोजन के सहयोगियों में शामिल हो गया। बस यह आयोजन इतना सफल हो कि इतिहास बन जाए, यही लक्ष्य है।

- रमेश मेंदोला, विधायक (अध्यक्ष)

अच्छे कार्य में ईश्वर सहयोगी

ठाकुरजी की कृपा ने मेरे जीवन में बहुत बड़ा परिवर्तन किया है। बस इसी लिये मैंने स्वामजीजी की संकल्पपूर्ति के लिये इस आयोजन के संयोजक की जिम्मेदारी स्वीकारी। पहले तो भय था कि इतना बड़ा दुष्कर सा लगने वाला यह आयोजन कैसे होगा? लेकिन जिस तरह आर्थिक व्यवस्था से लेकर सबकुछ हो रहा है, लगता है सद्कार्य में ईश्वर स्वयं ही सहयोगी बनते हैं।

- सत्यनारायण राठी, संयोजक

इंदौरवासियों के लिये तो सौभाग्य

108 यज्ञों की पूर्णता अपने आप में एक ऐतिहासिक कार्य है। हमें गर्व है कि इसे पूर्ण करने का सौभाग्य इंदौर शहर को मिल रहा है। इंदौरवासी भी आंगतुकों के स्वागत में कोई कसर नहीं रख छोड़ेंगे, ऐसा विश्वास है। इसी के साथ श्रीमद्भागवत रस की गंगा भी पूरे 7 दिन बहेगी।

-गोपाल न्याती, महामंत्री

विजयादशमी पर हुई 'महेश ब्रिगेड' की स्थापना

भीलवाड़ा. समाज, राष्ट्र एवं मानव सेवा के उद्देश्यों को लेकर लगभग 200 सदस्यों द्वारा महेश ब्रिगेड के नाम से एक संगठन की स्थापना गत 30 सितंबर को विजयादशमी के पर्व पर एक बैनर के विमोचन के साथ की गई। महेश ब्रिगेड में हर कार्यक्रम को सुंदर व व्यवस्थित करने के लिए अलग-अलग संयोजक, प्रभारी व उनकी सहयोगी टीम गठित की गई है। भीलवाड़ा में विजयादशमी के दिन निकले पथ संचलन का भव्य स्वागत महेश ब्रिगेड टीम ने सुभाष मार्केट में पुष्पवर्षा कर किया गया। संयोजक विशाल बाहेती व प्रभारी राकेश समदानी ने बताया कि सभी सदस्यों ने एक ड्रेस व एक संदेश देते हुए स्वागत किया गया। इसमें युवक राजस्थानी साफा एवं सफेद पोशाक में व महिलाएं पीली साड़ी पहनी हुई थीं। अर्चित मूंदड़ा ने बताया कि दीपावली पर पूरे शहर में मुख्य चौराहे पर टीम ने 8 से 10 स्थानों पर भव्य व बड़े होर्डिंग्स दीपावली की हार्दिक शुभकामनाओं के लगाए। नवरात्रि में एक ओर जहां युवा संगठन द्वारा अनेक जगहों पर गरबा उत्सव का आयोजन किया गया वहीं महेश ब्रिगेड टीम द्वारा गरबा नृत्य कार्यक्रम नहीं करके कन्याओं को भोजन कराने का निर्णय लिया गया। कार्यक्रम संयोजक सत्यनारायण तोतला व प्रभारी अनिल लाहोटी ने बताया कि खेड़ाखूट माताजी समिति व महेश ब्रिगेड के सहयोग से 600 कन्याओं को हमेशा 11 से 2 बजे तक अलग-अलग व्यंजनों के साथ भोजन कराया गया। पौधारोपण कार्यक्रम के संयोजक राजेंद्र मालू व प्रभारी अर्पित समदानी ने बताया 15 अक्टूबर को रामद्वारा मार्ग पर रामद्वारा के संत समाज व गणमान्य लोगों द्वारा 200 छायादार पौधे रोपे गए। ट्रस्टी गोपाल काबरा, महेश सेवा समिति के अध्यक्ष राधेश्याम चेचाणी, सचिव राजेंद्र कचोलिया पूर्व प्रदेशाध्यक्ष राधेश्याम सोमानी, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, पूर्व जिला मंत्री किशनगोपाल जाखेटिया, पूर्व सभापति ओमप्रकाश नरानीवाल, सांसद सुभाष बहेड़िया, पार्षद राकेश ओझा, विजय लड्ढा व मंजू चेचानी, गणेश उत्सव प्रबंध समिति के उदयलाल समदानी, महावीर समदानी, आनंदीलाल बहेड़िया एवं क्षेत्रीय युवा संगठन के अनेक अध्यक्ष व मंत्री एवं 200 सदस्यों की टीम द्वारा इसे अंजाम दिया गया। कार्यक्रम संयोजक पंकज सोमानी व प्रभारी अनिल चौधरी ने बताया कि टीम द्वारा शहर के बीचोंबीच सूचना केंद्र चौराहे पर 17 अक्टूबर धनतेरस के दिन शाम को 7 बजे रंगोली बनाकर उस पर 201 दीपक जलाए गए व बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश दिया गया।

बेटियों को आगे बढ़ने की दी प्रेरणा

शुजालपुर. गत 10 अक्टूबर को महिला सशक्तीकरण विभाग द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र पर मंगल दिवस के अवसर पर दो बेटियों के जन्म के बाद परिवार नियोजन के राष्ट्रीय कार्यक्रम में सहभागी बनने वाले नागरिकों का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि प्रदेश उपाध्यक्ष बबीता परमार थीं। विशेष अतिथि काउंसलर जया माहेश्वरी, ग्रीष्मा शाह, जयश्री चौरसिया थीं। काउंसलर श्रीमती माहेश्वरी द्वारा स्वच्छता एवं बेटियों को आगे पढ़ाने की प्रेरणा दी गई। इसी तरह गत 12 अक्टूबर को जनपद कार्यालय में 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' की ब्लॉकस्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक एवं शपथ समारोह का आयोजन किया गया। 13 अक्टूबर को महिला सशक्तीकरण विभाग ने शा. उमावि में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ के लिए कार्यशाला का आयोजन किया। श्रीमती माहेश्वरी ने सभी बालिकाओं व शिक्षकों को अधिनियम की जानकारी दी। 15 अक्टूबर को पर्यटन पर्व के अंतर्गत जटाशंकर महादेव मंदिर से राणोगंज तक ट्रैकिंग का आयोजन किया गया।

दीपावली मिलन समारोह

बूंदी. श्री माहेश्वरी पंचायत संस्थान के तत्वावधान अन्नकूट एवं दीपावली स्नेह मिलन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में भीलवाड़ा से आईं भजन गायिका सुमन सोनी ने भजनों की प्रस्तुति दी। महिला मंडल सदस्याओं ने छप्पन भोग की झांकी सजाई। पूर्व पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया, सचिव विजेंद्र माहेश्वरी व आयोजन मंत्री संजय मंडोवरा ने शंकर भगवान की तस्वीर पर दीप प्रज्वलित कर समारोह का शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि कोटा माहेश्वरी समाज अध्यक्ष राजेशकृष्ण बिरला थे। इस अवसर पर रेवतीरमण बिड़ला, जिलाध्यक्ष किरण लखोटिया, विनोद मंत्री, जगदीश लढा, संजय लाठी व प्रचार मंत्री नारायण मंडोवरा सहित कई समाजजन मौजूद थे।

> "बात करने का मजा तो
> उन लोगों के साथ आता है....
> जिनके साथ बोलने से पहले
> कुछ सोचना न पड़े..."

With Best Compliments from

Balkrishan Bang
9461434230

Ramprakash Bang
9388605053

Rameshwarlal Bang
9414496331

DR. Vijay Bang
8129272101

Bharat bang
9495932910

Vinay Bang
7300145696

Bang Krshi Farm
Paladi Ranwata,
Dist. Jodhpur (Raj.)

Bang Property
Kachery Choraya,
Jodhpur (Raj.)

Bang Krshi Farm
Rampuriya
Dist. Bara (Raj.)

MARBLE CENTRE

Wholesale Dealer Of Granite, Tiles ,Marble, Ceramic Tiles

Ramprakash Bang
(Secretary Maheshri Sabha Cochin)

Pramila Bang
(Vice Prasident MMM. Cochin)

32/1476, Palarivattom Bye Pass, Near Asianet, Palarivattom, Cochin - 682025, Kerala.
PH. 0484 2340122, 2340583, E-mail:- vijaybang1989@yahoo.com

खामगाँव में आयोजित होगा परिचय सम्मेलन

खामगाँव. श्री महेश सेवा समिति खामगाँव द्वारा माहेश्वरी विवाह योग्य युवक-युवतियों (उच्च शिक्षित, प्रोफेशनल, शिक्षित) के परिचय सम्मेलन का आयोजन 16 व 17 दिसंबर को श्री हरि लॉॅंस खामगाँव में होगा। समिति का यह तृतीय आयोजन होगा। इसमें प्रथम 150 पंजीयन कराने वाले युवक व युवती ही शामिल हो सकेंगे। पहले दिन सहभागी युवक-युवतियों का मेल मिलाप कार्यक्रम आयोजित होगा। साथ ही विधवा, विधुर, दिव्यांग एवं तलाकशुदा का परिचय सत्र भी रहेगा। समिति द्वारा इस अवसर पर परिचय पुस्तिका का प्रकाशन भी किया जाएगा। इसका विमोचन परिचय सम्मेलन के दिन होगा। पंजीयन करवाने वाले प्रत्याशियों एवं पुस्तिका में प्रकाशन हेतु दिए गए बायोडाटा धारक युवक-युवतियों को परिचय पुस्तिका भी दी जाएगी। बायोडाटा भेजने की अंतिम तिथि 30 नवंबर 2017 रखी गई है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए समिति सदस्य रतन राठी, जगदीश नावंदर, डॉ. विजय टावरी, नीलेश भैया, सतीश भट्टड़, विजय चाँडक, नवलकिशोर लोहिया, जितेंद्र झँवर के साथ माहेश्वरी मंडल, महिला मंडल, युवक मंडल, बहू-बेटी मंडल, श्री महेश परिवार आदि सहयोगी हैं। अधिक जानकारी के लिए परिचय सम्मेलन संयोजक प्रमोद मेहता, सहसंयोजक नंदकिशोर चाँडक व समिति संयोजक कृष्णकांत भट्टड़ से संपर्क किया जा सकता है।

गोल्ड ड्रॉप ऑयल को सीआईटीडी अवॉर्ड

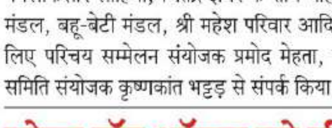

हैदराबाद. लोहिया ग्रुप के चेयरमैन कन्हैयालाल लोहिया ने गुणवत्ता के लिए छठवीं बार सीआईटीडी अवॉर्ड मिलने पर हर्ष जताते हुए कहा कि गुणवत्ता उनके व्यवसाय की पहली प्राथमिकता है। उल्लेखनीय है कि काउंसिल फॉर इंडस्ट्रीयल एंड ट्रेड डेवलपमेंट द्वारा गुणवत्ता के रख-रखाव और टेक्नोलॉजी का उपयोग करने के लिए गोल्ड ड्रॉप को पुरस्कार के लिए चुना गया। निदेशक मितेश लोहिया ने कहा कि कंपनी का वर्तमान उत्पादन 1250 मैट्रिक टन प्रतिदिन है। वर्तमान में तीन फैक्ट्री काम कर रही हैं, शीघ्र ही दो और नई फैक्ट्री को प्रारंभ किया जाएगा। इससे उत्पादन क्षमता 1300 मैट्रिक टन बढ़ जाएगी।

युवा संगठन ने किया डांडिया धमाल का आयोजन

अहमदाबाद. माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा सदस्यों के लिए रास गरबा 2017 का आयोजन किया गया। इस वर्ष समाज के लोगों का उत्साह बढ़ाने के लिए 6 गरबा ग्रुप समाज द्वारा बनाए गए। इस कार्यक्रम में लगभग 500 से ज्यादा सदस्यों ने भाग लिया। इसमें विभिन्न वर्ग में प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। अध्यक्ष विनीत मूंदड़ा और मंत्री ओम मनियार ने कार्यक्रम के स्पॉन्सर जगत फुड्स प्राइवेट लिमिटेड के रमेश कासट व परिवार का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम संयोजक दिनेश भूतड़ा, विष्णु मनियार, सुनील मूंदड़ा, विशाल लोहिया और सुशील समदानी ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया।

चेतना लहर का हुआ आयोजन

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा द्वारा सामाजिक जागरण अभियान के तहत महासभा का चेतना लहर कार्यक्रम औसियाँ व जोधपुर में आयोजित किया गया। औसियाँ में यह कार्यक्रम 1 अक्टूबर को माहेश्वरी भवन में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में परिचर्चा विशेषज्ञ अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की चेतना लहर समिति सदस्य विनीता (दिल्ली) एवं चंद्रा बूब (जोधपुर) मौजूद थीं। इसमें समाज की बच्चियों द्वारा भ्रूणहत्या पर नाटक का मंचन किया गया। भगवानदान राठी (मंत्री पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा), पूनक चाँडक अध्यक्ष माहेश्वरी महिला मंडल औसियाँ, जितेंद्र सोनी अध्यक्ष माहेश्वरी नवयुवक मंडल एवं सेवाराम सोनी अध्यक्ष माहेश्वरी समाज औसियाँ का सहयोग रहा। 2 अक्टूबर को जोधपुर में भी चेतना लहर कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन चंद्रा बूब व विनीता बियानी ने किया। कार्यक्रम में जेएम बूब अध्यक्ष पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा, संतोष गाँधी अध्यक्ष जोधपुर जिला युवा संगठन, प्रभा वैद्य अध्यक्ष जोधपुर जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने सहयोग दिया। संयोजक उमा बिड़ला पूर्व अध्यक्ष जोधपुर जिला महिला संगठन थीं।

महिला परिषद ने मनाया शरदोत्सव

पिपरिया. माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा शरद पूर्णिमा के अवसर पर गरबा डांडिया व हाऊजी का कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान नेशनल स्पर्धा में श्रुति दिनेश-मंजू घुरका को कराते में कांस्य पदक मिलने पर महिला परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। होशंगाबाद हरदा जिला की सचिव आशा मालपानी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थीं। पिपरिया महिला परिषद अध्यक्ष बीना मूंदड़ा ने कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। सचिव अरुणा मूंदड़ा ने स्वागत भाषण दिया। शोभा पलोट, सहसचिव साधना घुरका सहित महिला परिषद की पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित थीं। हाऊजी में मंजू झँवर के नेतृत्व में महिलाओं ने उपस्थिति दर्ज कराई।

> 'इंसान' की 'जिन्दगी' कभी
> किसी के लिये नहीं रुकती है...
> बस-
> केवल 'जीने' की 'वज़ह'
> बदल जाती है...!

महेश नवमी के पावन पर्व की समस्त माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. सरोज बजाज - ब्रजभूषण बजाज
अनुराग, पराग एवं बजाज परिवार
हैदराबाद (भारत) एवं डेट्रायट (अमेरिका)

With Best Compliments from

KWALITY MARBLES

33/2147-A1, Near E.M.C. Hospital, N.H. Bye Pass, Palarivattom, Kochi-28
Ph. 0484-2805127, Fax : 0484-4036903

KRISHNA MARBLES

32/1950, Near Hotel Highway Garden, N.H. Bye Pass, Edappally, Kochi-24
Fax : 0484-4036903

| Manmohan - 93886 02971
| Dhamodar - 90371 67230
| Vithal - 93884 88502

E-mail : krishnamarble2@gmail.com,
Web : www.krishnamarblescochin.com

W/S Dealers of : Marble, Granite, Ceramics, Sanitaryware, Gum & Designing Tiles

माहेश्वरी सभा, कोचीन
दीपावली एवं नववर्ष की सभी माहेश्वरी बन्धुओं को
हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएँ

मोहन लाल सुदा
अध्यक्ष
94470 83836

Mohan
Cash 'N' Carry
Market Road, Ernakulam, Ph: 3043836

DURGA TEXTILES
Gopalaprabhu Road, Ernakulam, Ph: 2364429

Wholesale Dealer: Fancy Churidar Set, Readymade Churidar, Tops, Kurties, Leggings

उत्तरांचल प्रदेशों में महिला संगठन ने किया दुर्गापूजन

मेरठ. उत्तरांचल उपाध्यक्षा कांता गगरानी व सहमंत्री शर्मिला राठी ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्षा व महामंत्री के निर्देशानुसार कन्या पूजन कार्यक्रम उत्तरांचल के प्रदेशों में आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत **पश्चिमी उप्र** में 1995 कन्या पूजन, खाने, खेलने, पहनने की व अन्य सामग्री बांटी गई। अध्यक्ष विनीता राठी (अलीगढ़), सचिव मंजू हरकुट (मेरठ) व कार्यसमिति संगीता भट्टर (गाजियाबाद) का सहयोग रहा। पूर्वी उत्तरप्रदेश में कन्यापूजन की खाने व पढ़ने का सामान बांटा। अध्यक्ष शशि नेवर (बनारस), सचिव उषा झंवर (लखनऊ) व कार्यसमिति सदस्य राधा जाजू (लखनऊ) का सहयोग रहा।

दिल्ली में 1 अक्टूबर को 'अपराजिता' खेल महोत्सव धूमधाम से संपन्न हुआ। 7 क्षेत्रों से 80 सदस्यों ने भाग लिया। अध्यक्ष किरण लढ़ा, सचिव श्यामा भांगडिया व कार्यसमिति सदस्य उमा झंवर का सहयोग रहा।

मध्य उप्र में मंजू बांगड़ (कानपुर) के नेतृत्व में प्रदेश के जरूरतमंद लोगों की सहायता, महिलाओं को रोजगार के लिए हाट लगाना, कन्यापूजन के साथ स्टेशनरी, टिफिन लड़के व लड़कियों में बांटे गये। अध्यक्ष सुजाता राठी (कानपुर), सचिव विनीता खटौड़ (कानपुर) व कार्यसमिति सदस्य संतोष बाहेती (कानपुर) का सहयोग रहा। **पंजाब-हरियाणा** द्वारा कन्या पूजन के साथ खाना, वस्त्र, पढ़ाई की सामग्री सहित अन्य जरूरत का सामान बांटा गया। अध्यक्ष मंजू सोमानी (रेवाड़ी), सचिव सुमन जाजू (बहादुरगढ़) व कार्यसमिति सदस्य पूनम राठी (भटिंडा) का सहयोग रहा।

मरुधरा युवा मंच का गठन

भीलवाड़ा. मरुधरा माहेश्वरी संस्थान के कोषाध्यक्ष महेशकुमार जाजू ने बताया कि मरुधरा युवा मंच की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष अमित बजाज, उपाध्यक्ष कपिल राठी, नीरज तापड़िया व लक्ष्मीकांत राठी, सचिव महादेव बाहेती, सहसचिव मोहित डागा चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चयन किया गया।

माहेश्वरी पंचायत के चुनाव सम्पन्न

अमरावती. श्री माहेश्वरी पंचायत के चुनाव में विनय करवा अध्यक्ष (सरपंच) निर्विरोध चुने गए। कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष सुरेश साबू, सचिव जगदीश कलंत्री, सहसचिव पंचायत जयप्रकाश सारडा, सहसचिव (मंदिर) नंदकिशोर राठी व प्रचार मंत्री संजय राठी चुने गए। कार्यकारिणी में सदस्यों का भी चयन किया गया।

With Best Compliments from

Hari Krishna Textiles
MFD. of Fancy Dress Materials

Ashish Laddha
095108-80048

Manish Laddha
093745-19887

P-778-779, Upper Ground, New Textile Market, Ring Road, Surat-2, ▸▸ Ph. (O) 0261-2339077

B Jagjeewan Chandak Memorial Trust

Chennai

Mo. : 9388606969

महिला संगठन ने किया शिव सान्निध्यम् का आयोजन

वर्धा. विदर्भ प्रादेशिक माहेश्वरी महिला मंडल के अष्टम सत्र की तृतीय कार्यकारिणी सभा शिव सान्निध्यम् का आयोजन सतपुड़ा पर्वत की हरी-भरी वादियों में "सालबर्डी" पर्यटन स्थल पर किया गया। शुचिता समिति एवं सुरम्या समिति के संयुक्त तत्वावधान में राठी परिवार मोर्शी के आतिथ्य व विदर्भ अध्यक्ष उषा करवा की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पूर्व अध्यक्ष डॉ. सुधा राठी, डॉ. तारा माहेश्वरी, आशा लड्ढा, प्रचार मंत्री शशि मूंदड़ा, समिति संयोजिका कल्पना भूतड़ा, कविता सोमानी मोर्शी संगठन अध्यक्ष निर्मला राठी एवं श्याम राठी उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सीताराम राठी एवं पद्मादेवी राठी उपस्थित थीं। प्रदेश अध्यक्ष उषा करवा एवं गणमान्यजनों द्वारा महेश पूजन व दीप प्रज्वलित कर सभा का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर विभिन्न स्पर्धा की विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। सचिव भारती राठी ने आगामी राष्ट्रीय खेल पर्व उर्जिता 2017 कोलकाता के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। कार्यक्रम संयोजिका सुचिता समिति प्रमुख कल्पना भूतड़ा ने अतिथि का स्वागत किया।

रांदड़ हुई सम्मानित

किशनगढ़. मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन की प्रदेशाध्यक्ष व भाजपा महिला मोर्चा नागौर की जिलाध्यक्ष सुनीता रांदड़ धर्मपत्नी विनोद रांदड़ किशनगढ़ को सामाजिक व धार्मिक गतिविधियों में विशेष व सराहनीय योगदान पर श्री दशहरा मेला कमेटी द्वारा किशनगढ़ के प्रतिष्ठित पुरस्कार किशनगढ़ सम्मान से सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान चंपालाल महाराज (राजगढ़ भैरवधाम), कांग्रेस के मुख्य संचेतक डॉ. रघु शर्मा, विधायक भगीरथ चौधरी, कमेटी अध्यक्ष रमेश चांडक, संयोजक प्रदीप अग्रवाल ने 6 अक्टूबर को रवींद्र रंगमंच पर कवि सम्मेलन के दौरान दिया।

नवयुवक मंडल की बैठक सम्पन्न

मांडल (भीलवाड़ा). माहेश्वरी नगर सभा व माहेश्वरी नवयुवक मंडल के संयुक्त तत्वावधान में अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा की बैठक उपसभापति देवकरण गग्गड़ के आतिथ्य में सम्पन्न हुई। गग्गड़ ने समाज के कमजोर वर्ग के लोगों को भी साथ लेकर चलने को कहा। बैठक की अध्यक्षता राजस्थान प्रदेश महासभा दक्षिणांचल के प्रदेशाध्यक्ष कैलाश कोठारी ने की। जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू व जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी ने समाज हित में चलाई जा रही विभिन्न योजनाएं की जानकारी दी। पदासीन व्यक्ति तहसील अध्यक्ष व महासभा के सदस्य ओमप्रकाश बिड़ला ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस दौरान प्रदेश प्रतिनिधि गोपाल लड्ढा, जिला उपाध्यक्ष सत्यनारायण मंडोवरा, केदारगोपाल बिड़ला, संजय बिड़ला, नगर सभा अध्यक्ष कृष्णगोपाल ईनाणी, मंत्री फनीश बिड़ला, नवयुवक मंडल अध्यक्ष शुभम् बिड़ला सहित माहेश्वरी समाज के अनेक गणमान्यजन मौजूद थे।

> "विधाता की अदालत की....
> वक़ालत बडी न्यारी है....
> तू ख़ामोश रह .. कर्म कर....
> तेरा मुकद्दमा ज़ारी है...."

प्रादेशिक सभा की बैठक सम्पन्न

अजमेर. मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा कार्यसमिति की बैठक अजमेर में शिवशंकर हेड़ा (अध्यक्ष नगर विकास प्राधिकरण) के मुख्य आतिथ्य व केसरीचंद तापड़िया (प्रदेशाध्यक्ष) की अध्यक्षता में संपन्न हुई। प्रदेशाध्यक्ष श्री तापड़िया ने सभी उपस्थित सदस्यों से सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के कार्य को करने का आग्रह करते हुए काम शीघ्रता से पूरा कर महासभा को प्रेषित करने हेतु निवेदन किया। अभा माहेश्वरी महासभा के संयुक्त मंत्री श्यामसुंदर मंत्री ने भी सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण कार्य को शीघ्रता से करने हेतु सभी सदस्यों से निवेदन किया। प्रदेश मंत्री ने एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए छह प्रकोष्ठों का गठन किया।

नवरात्रि में करवाया कन्या भोज

सागर. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा नवरात्रि के उपलक्ष्य में कन्या भोज संजीवनी बाल आश्रम में करवाया गया। इस भोज कार्यक्रम में कन्याओं के अलावा आश्रम के बालक भी शामिल थे। भोजन के बाद कई तरह की भेंट मंडल व समाज की महिलाओं द्वारा दी गई। इनमें कपड़े, टॉफी, पेन, पेंसिल आदि शामिल थे। इस अवसर पर अध्यक्ष हेमा जैथल्या, उपाध्यक्ष भावना परवाल, सचिव ममता चांडक, सहसचिव सरिता चांडक, कोषाध्यक्ष जया जैथल्या, सांस्कृतिक सचिव कविता जैथल्या सहित कई सदस्याएँ मौजूद थीं।

With Best Compliments from

TIRUMALA VENKATESHWARA PAPER & BOARD PVT. LTD.

KRAFT PAPER MANUFACTURERS

Manoj Gandhi
99890-24275

Factory :
Sy.No. 50/A, Vill : Andugulpeta, Mdl: Mandamari, Dist: Adilabad-504831 (T.S.) India
Tel: 08736-201200, **Email :** tirumalapaper @gmail.com

Regd. Office :
Devdarshan, Enclave, Banglow No. 14, Near Diamont Point,
Sikh Village, Secunderabad- 500011,
Tel : 40-27750159, **E-mail :** manojgandhi24275@gmail.com

TIN-3207 1773385

With Best Compliments from

Wholesale Dealers in
2x2 Blouse Matching Lining, Cloth, Saree Falls & Fancy Duppatta etc.

Shree Bhagwati Fabrics

B.L. Dhiran 094470 50589 | **Ramesh Dhiran** 093886 07728

29, D.D. Bazar, Ground Floor
Gopala Prabhu Road, Ernakulam-035
Ph. : 0484-2372474

With Best Compliments From

Sunil Sarda **Sumit Sarda**

SRI BALAJI BEARING CORPN.

(House of all types of Bearings & Manufacturer of Conveyer Rollers)

Stockist for
ZKL, URB, China
Distributor for
China Pillow Block
Manufactures of
Conveyer Rollers, Guide Rollers, Cone Rollers, Rubber Rollers, Drum Pully

5-5-79/G-1G, Sri Srinivasa Commercial Complex,
Ranjigunj, Secunderabad (Telangana)-03
Ph. : (O) 040-66381050, M. 9849010850, 9985516422

युवा संगठन ने किया गरबा का आयोजन

भीलवाड़ा. नवरात्रा महोत्सव में इस बार अनेक क्षेत्रीय युवा संगठनों द्वारा गरबा का आयोजन किया गया। इसमें सभी वर्ग में विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। **तिलकनगर** आदर्श नगर सेक्टर सभा द्वारा तीन दिवसीय फैमिली गरबा डांडिया रास का आयोजन किया गया। युवा संगठन अध्यक्ष नवीन झँवर ने बताया कि कार्यक्रम का संचालन जगदीश कासट ने किया। अतिथियों का आभार अध्यक्ष राजेंद्र जागेटिया ने माना। मनोज सोमानी, राजेंद्र पोरवाल ओमप्रकाश काबरा आदि का सहयोग रहा।

शास्त्रीनगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा ''फिर कल 2017'' का आयोजन 27 से 29 सितंबर को माहेश्वरी भवन में किया गया। राजेंद्र तोषनीवाल ने बताया कि 3 दिन तक चले इस कार्यक्रम में युवकों, युवतियों, महिलाओं व बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। अंतिम दिन जादूगर आंचल ने सभी के साथ गरबा किया व अपने जादुई करतब दिखाए। प्रतिभागियों को इनाम के तौर पर गमले वितरित किए गए। कार्यक्रम का संचालन सुशील मारोठिया, शिव नुवाल ने किया। कार्यक्रम प्रभारी नरेंद्र असावा, मनोज मंडोवरा, दीपिका बल्दवा, अनिता सोनी रहीं। आभार युवा अध्यक्ष कृष्णगोपाल पोरवाल ने माना।

सुभाष नगर क्षेत्रीय युवा संगठन द्वारा गरबा का दो दिवसीय आयोजन क्षेत्रीय व महिला संगठन के सहयोग से किया गया। संचालन सीपी काल्या व सुनीता खटौड़ ने किया। स्वागत व अभिवादन ओमप्रकाश मालू व कैलाश सामरिया ने किया। आभार युवा अध्यक्ष आकाश तोतला ने माना।

सांगानेर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा गरबा महोत्सव का आयोजन 22 से 24 सितंबर तक महेश भवन में किया गया। अध्यक्ष मुकेश कोठारी व मंत्री अरविंद कोठारी ने बताया कि 3 दिनों के इस कार्यक्रम में प्रत्येक दिन युवतियों के लिए ड्रेस कोड रखा गया।

बापू नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा 'धनक 2017' (गरबा प्रतियोगिता) का आयोजन मानसरोवर झील के किनारे शरद पूर्णिमा के दिन किया गया। प्रदेश महामंत्री जगदीश लढ़ा ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय युवा संगठन अध्यक्ष राजकुमार कालिया थे। अध्यक्षता दक्षिणी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा अध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी ने की। विशिष्ट अतिथि प्रदेश युवा अध्यक्ष सीपी नामधरानी, कोषाध्यक्ष सुरेशचंद्र कचोलिया, जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू, पूर्व नगर परिषद सभापति ओमप्रकाश नरानीवाल, नगर अध्यक्ष केदारमल जागेटिया, जिला युवा अध्यक्ष क्षितिज सोमानी, नगर युवा अध्यक्ष हरीश पोरवाल थे। इसमें जिले की 13 टीमों ने भागीदारी की। 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ व स्वच्छ भारत अभियान आदि की प्रस्तुति दी गई। बेस्ट डांसर का अवार्ड प्रियांशी माहेश्वरी, बेस्ट वेशभूषा का अवॉर्ड प्रियंका डाड को दिया गया। प्रथम स्थान पर नगर माहेश्वरी महिला संगठन की टीम रही, जिनको 11000 रुपए, द्वितीय शास्त्री नगर माहेश्वरी महिला मंडल की टीम रही जिनको 7100 रुपए व तृतीय चंद्रशेखर आजाद नगर टीम रही इनको 5100 रुपये के पुरस्कार प्रदान किए गए।

महेश बैंक की 44वीं शाखा का शुभारंभ

हैदराबाद. दक्षिण भारत की सहकारिता क्षेत्र की बहुराज्यीय अनुसूचित महेश बैंक की करीमनगर में 44वीं शाखा का शुभारंभ गत 8 अक्टूबर को मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोकसभा सदस्य बी. विनोदकुमार द्वारा किया गया। करीमनगर के विधानसभा सदस्य जी.कमलाकर, डीआईजीसी रवि वर्मा, करीमनगर के मेयर सरदार रविंदर सिंह, पार्षद रंजीताप्रसाद ने शुभारंभ किया। बैंक के निदेशक मंडल की पुष्पा बूब, चैनसुख काबरा, रामप्रकाश भंडारी, बृजगोपाल असावा, श्रीगोपाल बंग, सीए किशनगोपाल मणियार, कृष्णचंद्र बंग, कमलनारायण राठी, नंदकिशोर हेड़ा, श्रीनिवास असावा, ओमप्रकाश जाखोटिया, श्रीकांत (गोविंद) ईनाणी आदि भी उपस्थित थे। बैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध निदेशक उमेशचंद्र असावा, शाखा प्रबंधक घनश्याम दरक आदि ने अतिथियों का स्वागत किया।

"उस व्यक्ति की शक्ति का
कोई मुकाबला नहीं,
जिसके पास शक्ति के साथ
सहनशक्ति भी हो..."

चुनरी मनोरथ महोत्सव सम्पन्न

वडोदरा. माहेश्वरी समाज चौखंडी द्वारा चुनरी मनोरथ का तीन दिवसीय महोत्सव मनाया गया। इसमें 250 से अधिक सदस्यों ने चौखंडी वडोदरा से मथुरा, वृंदावन, गोकुल एवं गोवर्धन परिक्रमा दर्शन का लाभ उठाया। महोत्सव की भव्य शोभायात्रा भी निकाली गई एवं यमुनाजी के घाट पर पूजा-अर्चना करके 125 चुनरी से मनोरथ पूर्ण किया गया। इसमें माहेश्वरी समाज चौखंडी वडोदरा के अध्यक्ष सत्यनारायण ईनाणी, उपाध्यक्ष गणेशलाल लढा, मंत्री बद्रीलाल डाड, सहमंत्री शांतिलाल झँवर, कोषाध्यक्ष बसंतीलाल डाड, सांस्कृतिक मंत्री दिनेशचंद्र डाड, सलाहकार प्रहलाद डाड एवं सदस्य दिनेशकुमार राठी, सुरेशचंद्र गदिया, राजेशकुमार बहेड़िया, सतीशकुमार चौखड़ा, राजेंद्र न्याती, शिवनारायण सोमानी आदि मौजूद थे।

Karan Toshniwal
Director

ORANGE

Aayush Toshniwal
Director

Reliable Partner for your Industrial solution

SERKON makina
FABRIC CUTING MACHINES & CNC CUTTERS

PICador
CAD SOFTWARE FOR PACKING & PLV

thermotron
AUTOMATIC FOLDING MACHINE

NEXIA
INNOVATIVE ITALIAN EXPERIENCE
INDUSTRIAL WASHING MACHINES; STEAM DRYER; OZONE SYSTEM; LASER MARKER; HYDRO EXTRACTOR; STATIC OVEN

MS
PRINTING SOLUTIONS
DIGITAL / INKJET PRINTERS

MS MIRISYS
LEATHER CUTTING SOFTWARE

Polytropon
AUTOMATION SYSTEMS
DESIGN PRO & AUTO MAKER

iECHO
HIGH SPEED DIGITAL CUTTING MACHINE

FOUR4PEES
FOR PRINT & PUBLISHING

Orange O Tec Pvt Ltd

Shed No. A2/7111, Road No. 71, Gat No.: 01 G.I.D.C. Sachin, Surat - 394 230, (Gujarat) India.
Phone : +91-72268661612 / 3 / 4 / 5, Email : info@orangeotec.com
Branch : New Delhi, Mumbai, Jodhpur, **Service Location :** Bangaluru, Tirupur, Kolkata

दीपावली स्नेह मिलन समारोह

नौखा. हर वर्ष की भाँति इस वर्ष भी स्थानीय माहेश्वरी समाज का दीपावली स्नेह मिलन 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे श्रीकृष्ण मंदिर प्रांगण में आयोजित हुआ। माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष राधेश्याम लाहोटी ने बताया कि इस अवसर पर सामूहिक परिचर्चा में समाजोत्थान से संबंधित मुद्दों पर चर्चा हुई। विभिन्न प्रकल्पों की जानकारी साझा की गई। माहेश्वरी परिवारों का सामाजिक एवं आर्थिक स्तर पर सर्वेक्षण करवाने का निर्णय हुआ। नौखा नपाध्यक्ष नारायण झँवर, अखिल भारतीय सेवा सदन पुष्कर के उपाध्यक्ष मुरलीधर झँवर, उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक सभा के पूर्व मंत्री मनोहरलाल सोनी, तहसील सभा अध्यक्ष किशनगोपाल चितलांग्या, उत्तरी राजस्थान प्रादेशिक सभा सदस्य ललित झँवर, नौखा सभा संरक्षक पुरुषोत्तम तापड़िया, नंदकिशोर चांडक, नौखा सभा अध्यक्ष रामनिवास लाहोटी, महामंत्री शिवप्रकाश चांडक आदि मौजूद थे।

'किशनगढ़ रत्न' से सम्मानित हुए बाहेती

किशनगढ़. दशहरा मेला कमेटी की ओर से गत 6 अक्टूबर को रवींद्र रंगमंच पर विराट कवि सम्मेलन आयोजित किया गया। इसमें निःस्वार्थ समाजसेवी जुगलकिशोर बाहेती को राजगढ़जिला अजमेर भैरवधाम के महंत श्री चंपालाल महाराज तथा किशनगढ़ के विधायक भागीरथ चौधरी ने किशनगढ़ रत्न सम्मान से प्रशस्ति पत्र पदान कर एवं शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया।

चीन के प्रतिनिधि मंडल से मिले मूंदड़ा

रायपुर. गत 11 अक्टूबर को नया रायपुर स्थित इलेक्ट्रॉनिक पार्क में मोबाइल बैटरी से संबंधित उद्योग की स्थापना के संबंध में चीन से आए फ्रेंक वांग व अशोक कुमार तथा उनके भारत स्थित टेक्नोलॉजी पार्टनर आई.एम. लोया ने सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा से उद्योग भवन में मुलाकात की। श्री मूंदड़ा ने उपस्थित प्रतिनिधियों को उद्योग लगाने हेतु सरकार की ओर से आवश्यक सुविधाएं प्रदान करने हेतु आश्वासन दिया।

कोठारी ट्रस्ट करवाएगा रक्तदान

उदयपुर. संस्था श्रीमती हेमंतवाल मानसिंह कोठारी मेमोरियल चेरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 17 दिसंबर को राजस्थान महिला विद्यालय के सभागार में रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी आशीष कोठारी ने उक्त जानकारी दी।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. आजाद नगर माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा सौष्ठा समिति के अंतर्गत रक्तदान शिविर रिको ग्रोथ सेंटर में द्वारकेश प्रोड्क्टस हमीरगढ़ भीलवाड़ा पर गत 13 अक्टूबर को रखा गया। कार्यक्रम की शुरुआत जिलाध्यक्ष अनिला अजमेरा द्वारा की गई। शिविर में 22 यूनिट रक्तदान हुआ। अध्यक्ष मानकंवर काबरा, सचिव राखी राठी, पुष्पा तोषनीवाल, प्रेमसुधा अजमेरा, संगीता, गौरी, प्रीति चांडक, सुमन, बिंदु, ज्योति राठी सभी का सहयोग रहा।

कन्या पूजन का हुआ आयोजन

हापुड़. शारदीय नवरात्रि की पावन बेला पर माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा एम.आर. पब्लिक स्कूल में शक्ति माँ स्वरूपा कन्याओं का पूजन कर सामूहिक भोज का आयोजन किया गया। इसी प्रकार 2 अक्टूबर को 'स्वच्छ भारत अभियान' के तहत इसी स्कूल में स्कूल में निबंध व सुलेख प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। जिलाध्यक्ष कांता जी, नगर अध्यक्ष साधना जी, सीमा तापड़िया, आशा सोमानी, आशा तापड़िया, मधु तोषनीवाल एवं रुबीना जी का विशेष सहयोग रहा।

" भीड़ हमेशा उस रास्ते पर चलती है जो रास्ता आसान लगता है लेकिन इसका मतलब यह नहीं की भीड़ हमेशा सही रास्ते पर चलती है। अपने रास्ते खुद चुनिए क्योंकि आपको आपसे बेहतर और कोई नहीं जानता........ "

श्री माहेश्वरी टाईम्स मासिक पत्रिका के
13 वर्ष पूर्ण होने पर
हार्दिक शुभकामनाएं

नववर्ष एवं दीपावली की हार्दिक मंगलकामनाएं

श्री रामअवतारजी–श्रीमती बिमलादेवी साबू

सफल दाम्पत्य जीवन के साथ अमृत महोत्सव वर्ष की और बढ़ते कदम
आपके स्वास्थ्य की मंगल कामना श्री माहेश्वरी टाईम्स परिवार करता है।

नरेन्द्र–नीरू साबू (पुत्र–पुत्रवधू), अरविन्द–अनुपमा साबू (पुत्र–पुत्रवधू)
नीता–मधुसुदन बिहानी (पुत्री–दामाद), प्रणव–कीर्ति साबू (पौत्र–पौत्र वधू)
मुकुंद, भाग्यश्री, साक्षी, नकुल साबु (पौत्र–पौत्री)
प्रियंका, वेदिका, राधिका, यश बिहानी (दोहिती–दोहिता)

हमारे पू. दादाजी एवं दादीजी स्वस्थ शतक पूर्ण करें।

कु. भाग्यश्री साबू

मुकुंद साबू

प्रतिष्ठान

मनभरी प्रिन्टस्
एम–1277, सूरत टेक्सटाईल मार्केट,
रिंग रोड, सूरत (गुज.) 395002

मनभरी फॉर्मस
वी.आई.पी. रोड, वेसु,
सूरत (गुज.) 395008
मो. 93774-29021

चीनी वस्तुओं का किया बहिष्कार

भीलवाड़ा. स्वदेशी वस्तुओं को करें, स्वीकार चीनी वस्तुओं का करें बहिष्कार इस नारे के साथ। जिला एवं नगर माहेश्वरी युवा संगठन द्वारा चीनी उत्पादों का बहिष्कार करने के लिए पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष राजकुमार काल्या ने कहा चीनी सामान खरीदना दुश्मन की मदद करने जैसा है। उन्होंने युवा साथियों ने सभी लोगों से चीनी सामान का बहिष्कार करने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री जगदीश लढ़ा, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री शिव कासट, पूर्व प्रदेशाध्यक्ष लोकेश आगाल, जिलाध्यक्ष क्षितिज सोमानी, जिला मंत्री नरेंद्र मंडोवरा, मनीष मूंदड़ा, अनुराग कोठारी, कमल भदादा, अंकित लखोटिया, राकेश मंडोवरा सहित जिला व नगर युवा संगठन के सदस्य मौजूद थे।

काबरा बने एसोसिएशन अध्यक्ष

वडोदरा. उद्योगपति गोपाल काबरा को इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का सर्वसम्मति से प्रेसिडेंट चुना गया। उक्त जानकारी देते हुए आर.आर. काबेल लि. के डायरेक्टर अशोक लोया ने बताया कि इंडियन इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया, भारत में विद्युत एवं इलेक्ट्रॉनिक्स औद्योगिक संबद्ध उपकरणों के ८०० से अधिक निर्माताओं का शीर्षस्थ उद्योग संघ है। एसोसिएशन सदस्य के कंपिनयों ने पूरे भारत में ९० प्रतिशत से अधिक बिजली उपकरणों को स्थापित करने में योगदान दिया है। वर्तमान में संगठन के 1200 से अधिक सदस्य हैं और वार्षिक टर्नओवर 30 बिलियन डॉलर है।

निम्बी जोधा में भवन निर्माण जारी

नागपुर. राजस्थान के निम्बी जोधा में स्कूल, अस्पताल और अन्य निर्माण के बाद अब पूर्ण सुविधा युक्त माहेश्वरी भवन का निर्माण किया जा रहा है। इस निर्माण कार्य के प्रमुख प्रवर्तक नागपुर निवासी प्रसिद्ध दानदाता सेठ रामरतन गिरधारीलाल सारड़ा हैं। इस कार्य में भंडारा निवासी रामबिलास देवकरण सारड़ा का विशेष सहयोग प्राप्त हुआ है। नागपुर निवासी दामोदरदास हुकुमचंद सारड़ा, कमलकिशोर रंगनाथ सारड़ा, रामेश्वर घनश्याम सारड़ा का भी अमूल्य सहयोग रहा। इन सबके सामूहिक प्रयास से नीचे का तल यानी ग्राउंड फ्लोर बनकर तैयार है। इसमें 3500 वर्गफीट के वातानुकूलित हॉल के साथ 13 कमरे, रसोईघर और स्टोर रूम बन गए हैं।

विद्यालय में दिया प्रशिक्षण

अमरावती. शहर के गणेशदास राठी विद्यालय में विद्यार्थियों को अनेक प्रकार का प्रशिक्षण दिया गया। इसका शुभारंभ गणेशदास राठी हाईस्कूल के प्राचार्य पाचंगेसर ने किया। महेंद्र चांडक ने गोल सेटिंग विषय पर मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम का संचालन अर्चना लाहोटी ने किया। इस संस्था के अध्यक्ष बसंतकुमार मालपानी हैं।

माहेश्वरी ब्यूरों ने पूर्ण किया 31 वर्ष

सूरत. दाम्पत्य के हजारों सफल रिश्ते जोड़ चुका श्री माहेश्वरी मैरिज ब्यूरो गत दिनों अपनी स्थापना की 31वीं वर्षगाँठ मना चुका है। इसकी स्थापना संस्थापक अध्यक्ष श्रीनिवास भराड़िया तथा संस्थापक मंत्री रामवतार साबू ने वर्ष 1986 में मात्र 20 सदस्यों के साथ की थी। श्री साबू प्रारंभ से ही इस संस्था से जुड़े तो उनकी सेवा सतत रूप से जारी रही। वर्तमान में श्री साबू ब्यूरो को अध्यक्ष के रूप में सेवा दे रहे हैं। इसके सदस्यों की संख्या 60 तक जा पहुँची है। ब्यूरो गत 25 वर्षों से निरंतर परिचय सम्मेलन का आयोजन तथा 10-12 वर्षों से टेलीफोन डायरेक्ट्री का प्रकाशन भी कर रहा है। इसका श्री साबू के निवास में ही वर्तमान में स्थायी कार्यालय है। आधुनिक तकनीक के अंतर्गत "व्हाट्सअप ग्रुप" आदि की सहायता भी ली जा रही है। वर्तमान में उपाध्यक्ष के रूप में गिरधर मूंदड़ा, मंत्री माणक राठी, सहमंत्री गोपाल भराड़िया तथा कोषाध्यक्ष के रूप में डॉ. एस.के. राठी सेवा दे रहे हैं। ब्यूरो के पास 170 सीए लड़कों व 120 सीए लड़कियों सहित एमबीए व अन्य उच्च शिक्षा प्राप्त 1 हजार से अधिक विवाह योग्य युवक-युवतियों के बायोडाटा हैं। श्री साबू से व्हाट्सअप पर मो. 9377512471 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

शरदोत्सव में गरबा प्रस्तुति

सुखेड़ा (रतलाम). माहेश्वरी महिला मंडल सुखेड़ा जिला रतलाम द्वारा शरद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में मांगलिक माहेश्वरी भवन पर गरबा का कार्यक्रम आयोजन किया गया। अध्यक्ष शोभा मालपानी, सचिव शोभा राठी व सभी माहेश्वरी महिला पदाधिकारी सदस्य व समाज के वरिष्ठ सदस्यों के द्वारा आरती कर खीर की प्रसादी बांटी गई। साथ ही भजन गाए गये। इसके साथ ही स्थानीय श्रीमद भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ में श्रीकृष्ण जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में बूंदी के लड्डू की महाप्रसादी का वितरण किया गया। गिरिराजजी की परिक्रमा व आरती की गई।

"जिन्दगी को आसान नहीं
बस खुद को मजबूत बनाना पड़ता है,
सही समय कभी नही आता...
बस समय को सही बनाना पड़ता है।"

Building
a foundation of trust and understanding

Founded in 1993, Mall Constructions - Engineers and Contractors, is a well known construction company in Central India. The company has a strong foothold in the industry with an array of national and multinational companies as their clientele. The founding partners of Mall Constructions have a strong and diverse academic and experiential background having been in senior posts at Simplex Infrastructure Limited and Geo Miller Limited. They have been responsible for execution of large scale industrial projects in their respective companies. The team has grown with the younger partners who have indepth knowledge of local markets. Their international education and work experience in structural design field acts as an impetus to the growth of Mall Constructions.

Areas of expertise

Industrial Projects | Educational Institutes
Residential Projects | Commercial Projects

MALL CONSTRUCTIONS
ENGINEERS & CONTRACTORS

204, 2nd Floor, Shrika Corporate, Plot No.35, Pandey Layout, Nagpur – 440 025
Ph.:0712-2291912 / 2282304 / 2295575| Email-info@mallconstructions.com

Metaphors

दीपावली पर्व हर्षोल्लास से मनाया

भीलवाड़ा. दीपोत्सव पर्व की पूर्व संध्या पर शहर के नगर माहेश्वरी युवा संगठन ने अनूठी पहल करते हुए वृदाश्रम एवं कच्ची बस्तियों में जाकर वृद्ध असहायों एवं आर्थिक रूप से अक्षम परिवारों के बच्चों के साथ दीपोत्सव की खुशियां साझा की। वृद्धजनों ने भी बच्चे बन दीपावली की खुशियों का जमकर आनंद लिया। युवा संगठन अध्यक्ष हरीश पोरवाल ने बताया कि युवा संगठन ने दीपावली की पूर्व संध्या पर शास्त्रीनगर अहिंसा भवन के पास आर्थिक रूप से कमजोर बच्चों को पढ़ने के लिए शिक्षण सामग्री बांटी। निर्धन बच्चे दीपावली पर्व का आनंद ले सकें इसके लिए उन्हें मिठाइयां, पटाखे एवं अन्य सामग्री बांटी। इस अवसर पर सांसद सुभाष बहेड़िया, पुष्कर सेवा सदन उपाध्यक्ष कैलाश मूंदड़ा, पूर्व सभापति लक्ष्मीनारायण डाड, ओम नराणीवाल, अनिल बल्दवा, जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी, सुभाष बाहेती, सुरेश कचोलिया, सुशील नुवाल, पार्षद राधेश्याम सोमानी, शांतिलाल डाड, गोवर्धन डाड, सत्यनारायण मूंदड़ा आदि मौजूद थे।

गोवर्धन पूजा का हुआ आयोजन

मेरठ. स्थानीय माहेश्वरी महिला मंडल उपाध्यक्ष अन्नू टावरी के यहां गत 20 अक्टूबर को गोवर्धन पूजा का आयोजन किया गया। गोवर्धन को श्रीमती टावरी ने खुद ही बनाया व सजाया। महिला मंडल की सभी सदस्याएँ मौजूद थीं। सभी ने मिलकर पूजा की व भजन गाये। प्रसाद का वितरण स्वयं श्रीमती टावरी ने किया।

"किसी ने पूछा उम्र भर क्या किया
मैंने हंसकर जवाब दिया
किसी के साथ धोखा नही किया"

दीपावली स्नेह मिलन समारोह

वरंगल. प्रगतिशील मारवाड़ी समाज व राजस्थनी महिला मंडल ने मूंदड़ा भवन में 20 अक्टूबर को शाम 7 बजे दीपावली स्नेह मिलन का कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि माहेश्वरी समाज अध्यक्ष प्रहलाद सोनी, समाज अध्यक्ष वेणुगोपाल मूंदड़ा, मंत्री रामकिशन बोहरा, राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष मीना लाहोटी, मंत्री अनुराधा मूंदड़ा आदि मंचासीन थे। समाज के 15 वरिष्ठ सदस्यों का पगड़ी, शॉल, हार से सम्मान किया गया। सभी ने मिलकर तंबोला खेला व सहभोज किया। संचालन सांस्कृतिक मंत्री नवलकिशोर मूंदड़ा व सह सांस्कृतिक मंत्री दामोदर लाहोटी ने किया।

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में बांगड़

भीलवाड़ा. समाज सदस्य अंकित बांगड़ को भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह ने अंकित बांगड़ को विशेष आमंत्रित सदस्य मनोनीत किया है। श्री बांगड़ वर्तमान में भाजपा युवा मोर्चा जिला मंत्री, हिंदू जागरण मंच जिलाध्यक्ष भी हैं और अनेक सामाजिक संस्थाओं से जुड़े हैं।

नेतृत्व ने दी शुभकामनाएं

रायपुर. सीएसआईडीसी अध्यक्ष छगनलाल मूंदड़ा के जन्मदिवस के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष गौरीशंकर अग्रवाल एवं राष्ट्रीय सहसंगठन मंत्री सौदानसिंह एवं कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत ने उन्हें बधाई व शुभकामनाएँ दीं।

शिक्षण संस्थाओं में दिये उपहार

अमरावती. श्री गणेशदास राठी छात्रावास समिति द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में एक नई शुरुआत की गई। इसके अंतर्गत शिक्षक दिवस के पावन पर्व पर संस्था अंतर्गत आने वाले विद्यालय-महाविद्यालय में जाकर संस्था अध्यक्ष वसंत मालपानी, उपाध्यक्ष जुगलकिशोर गट्टाणी, नंदकिशोर कलंत्री, सहसचिव डॉ. गोविंद लाहोटी ने प्रत्येक शिक्षक का बुके, पेन और मिष्ठान से सम्मान किया।

दर्शनार्थियों को करवाया अल्पाहार

डांडेली (कर्नाटक). विजयादशमी पर्व पर मेला (जातरा) का आयोजन किया जाता है। इसमें ग्राम देवता के स्थान पर पूजा अर्चना की जाती है। श्री राजस्थानी सेवा संगठन में मंदिर जाने के मार्ग पर प्रातः 8 बजे से अल्पाहार की सेवा की। करीबन 8 हजार भक्तों ने लाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सुरेश सोमानी, मोहनकिशोर बाहेती, सतीश विदादा, कमल मूंदड़ा आदि ने विशेष सहयोग दिया।

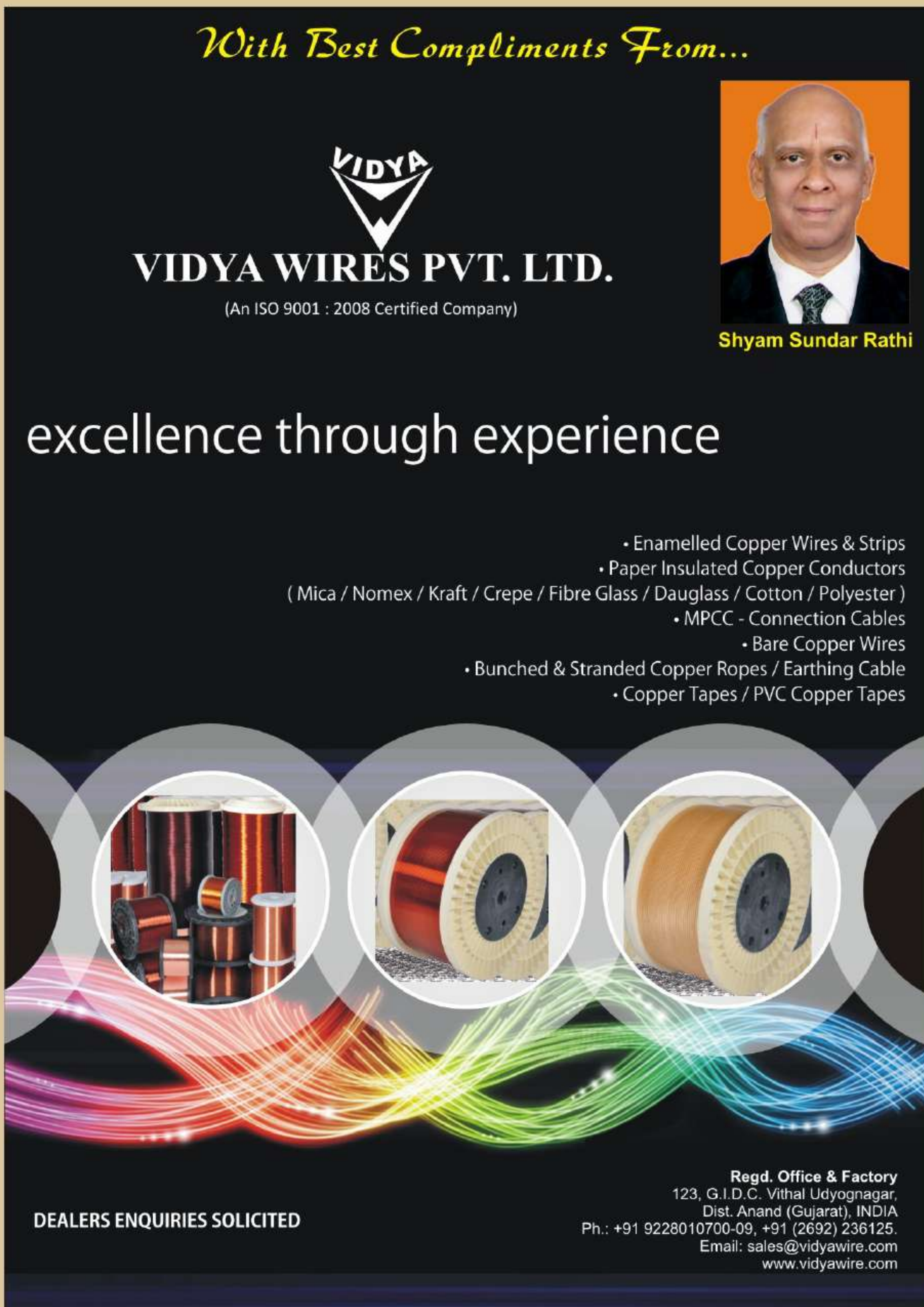
With Best Compliments From...
VIDYA
VIDYA WIRES PVT. LTD.
(An ISO 9001 : 2008 Certified Company)
Shyam Sundar Rathi
excellence through experience
• Enamelled Copper Wires & Strips
• Paper Insulated Copper Conductors
(Mica / Nomex / Kraft / Crepe / Fibre Glass / Dauglass / Cotton / Polyester)
• MPCC - Connection Cables
• Bare Copper Wires
• Bunched & Stranded Copper Ropes / Earthing Cable
• Copper Tapes / PVC Copper Tapes
DEALERS ENQUIRIES SOLICITED
Regd. Office & Factory
123, G.I.D.C. Vithal Udyognagar,
Dist. Anand (Gujarat), INDIA
Ph.: +91 9228010700-09, +91 (2692) 236125.
Email: sales@vidyawire.com
www.vidyawire.com

जिला समिति की बैठक सम्पन्न

भीलवाड़ा. जिला माहेश्वरी सभा की कार्यसमिति की बैठक जहाजपुर तहसील माहेश्वरी सभा द्वारा जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। मंचासीन अतिथि देवकरण गग्गड़ उपसभापति महासभा, कैलाशचंद्र कोठारी दक्षिणी प्रदेशाध्यक्ष, राधेश्याम सोमानी निवर्तमान द. प्रदेशाध्यक्ष, जगदीशप्रसाद निवर्तमान जिलाध्यक्ष, प्रहलादराय लढ़ा मंत्री जिला महेश सेवा निधि, राधेश्याम चेचाणी कार्यकारी मंडल सदस्य महासभा, पवन बांगड़ प्रदेश संयुक्त मंत्री आदि थे। अब तक किये गये कार्यों की तहसीलदार प्रगति पर चर्चा कर रोजगार, वैवाहिक एवं परिवार परिवेदना प्रकोष्ठ का भी गठन किया गया। आगमी 24 व 25 दिसंबर को वैवाहिक परिचय सम्मेलन आयोजित करने का भी निर्णय लिया गया। इसका प्रभारी राधेश्याम सोमानी को सर्वसम्मति से बनाया गया। जगदीश प्रसाद सोमानी ने आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केंद्रह के संबंध में जानकारी प्रदान की एवं जगदीशप्रसाद कोगटा ने शिक्षा से संबंधित छात्रवृत्ति योजनाओं की जानकारी दी। तहसील सभाओं से भी विचार व्यक्त किए गए। बैठक का संचालन जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी ने किया। ओमप्रकाश बसेर तहसील अध्यक्ष द्वारा आभार प्रकट किया गया।

समाज के 51 जोड़ों की भागीदारी

उदयपुर. माहेश्वरी महिला सोसायटी उदयपुर द्वारा करवा चौथ का सामूहिक उद्यापन कार्यक्रम हितावाला कॉम्प्लेक्स में रखा गया। इसमें 51 जोड़ों की भागीदारी रही। सामूहिक पूजन व चाँद के दर्शन कर व्रत खोला गया। उद्यापन करने वाले दंपतियों का सोसायटी की ओर से स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष उर्मिला देवपुरा, राजकुमार धूप्पड़, कोषाध्यक्ष शोभा कालानी एवं अन्य पदाधिकारी मौजूद थीं। अध्यक्ष मंजू मूंदड़ा ने आंगतुकों का स्वागत किया गया। संरक्षक राकेश मूंदड़ा ने आभार माना।

> "चादर से पैर तभी बाहर आते है,
> जब 'उसूलों' से बड़े
> 'ख्वाब' हो जाते हैं।"

मैरिज ब्यूरों ने किया टॉक शो का आयोजन

सूरत. श्री माहेश्वरी मैरिज ब्यूरो द्वारा निरंतर विवाह संबंधों के लिए मार्गदर्शन किया जाता है। मैरिज ब्यूरो अध्यक्ष रामावतार साबू आज 73 वर्ष की उम्र में इस कार्य को प्रधानता देते हुए रोज 4-5 घंटों का समय ब्यूरो को देते हैं। ब्यूरो द्वारा चेतना लहर 2017 कार्यक्रम के अंतर्गत जलगाँव के सुप्रसिद्ध वक्ता संजय दहाड़ एवं विमलादेवी साबू सूरत की उपस्थिति में आओ मिल बैठक बात करें, सगाई संबंध कैसे बनें, दाम्पत्य जीवन कैसे चले जैसे विषय पर टॉक शो आयोजित किया गया। इस टॉक शो में 250 से ज्यादा समाजजनों ने हिस्सा लिया। टॉक शो में युवतियों का घटता अनुपात, युवकों की तुलना में युवाओं का उच्च शिक्षा का बढ़ता प्रमाण, युवतियों की एवं उनके अभिभावकों की उच्चतम अपेक्षाएँ, देहात, किसान एवं छोटे व्यापारियों के प्रति उदासीनता, बड़े शहरों में सेवारत उच्च शिक्षित युवकों के प्रति अत्यधिक झुकाव और इन सबके कारण विवाह की बढ़ती उम्र, अंतरजातीय विवाहों का बढ़ता प्रमाण विवाह, विच्छेदों की संख्या में चिंताजनक वृद्धि आदि विषयों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम के अंत में सभी ने साबू दंपति एवं सभी पदाधिकारियों का अभिवादन किया।

राज.बुक ऑफ रिकॉर्ड्स से सम्मानित

सूरत. ट्रैफिक अवेयरनेस ग्रुप के संस्थापक अरुण लाहोटी एवं उनके साथी सवाईसिंह चांडक, रितेश लाहोटी, आशुतोष मारू, विकास लाहोटी, अरविंद सोनी व रमेश सोनी (जोधपुर) सूरत से 22 से 28 अक्टूबर तक दिल्ली तक दुर्घटना मुक्त भारत के लिए सड़क सुरक्षा यात्रा पर निकले। इस संस्था का उद्देश्य दुर्घटना मुक्त भारत है। इसी परिप्रेक्ष्य में स्वाति जैसलमेरिया, हरिप्रकाश राठी, डॉ. नीलम मूंदड़ा, जुगल झंवर, गणपत सिंह ने पावटा, जोधपुर में सम्पन्न हुए समारोह में ट्रैफिक नियमों पर जागृति बनाने निकली इस टीम का अभिनंदन किया। उन्हें राजस्थान बुक ऑफ रिकॉर्ड की तरफ से ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र भी दिया गया।।

गरबा डांडिया का हुआ आयोजन

जलगाँव. गणेश कॉलोनी रोड पर नंदनवन कॉलोनी मित्र मंडल द्वारा गरबा डांडिया रास 2017 का भव्य आयोजन किया गया। इसमें फाइनल राउंड में विजेता डांडिया किंग प्रकाशकुमार लाठी एवं डांडिया क्विन अश्विनी लाठी रहीं। उन्हें जलगाँव के विधायक राजू मामा भोले के हाथों सम्मानित किया गया।

आपने जो रास्ता चुना है वह आपके बारे में बहुत कुछ कह जाता है, इसीलिए आपने सफलता कैसे प्राप्त की है उतनी ही महत्वपूर्ण है जितना की सफल होना।
संगम का विश्वास समाज का विश्वास जितना है और हम उसी की सफलता को अपनी सफलता मानते हैं। आज इसी मूलमंत्र ने हमें मदद की है अपने व्यापार सहयोगियों के साथ सर्वश्रेष्ठ सम्बन्ध का विकास करने में। एक अच्छे एवं सफल व्यवसाय करने का यही एक मात्र मूलमंत्र है।
Sangam
Value through values
आप कहाँ जा रहे हैं ये महत्वपूर्ण नहीं है
आपने क्या रास्ता चुना है यह महत्वपूर्ण है।
SPINNING
55 THOUSAND MTON PER ANNUM
36 MW CAPTIVE POWER
WEAVING
30 MN METER PER ANNUM
FABRICS PROCESSING
50 MN METER PER ANNUM
DENIM
40 MN METER PER ANNUM
KNITTING
3 THOUSAND M TON PER ANNUM
SEAMLESS GARMENT
30 LAC PIECES PER ANNUM
AN ISO 9001:2008 CERTIFIED ORGANISATION
3 STAR EXPORT HOUSE STATUS
AMONGST INDIA'S LEADING 500 COMPANIES BY ECONOMIC TIMES
TEXTILE | STEEL | INFRASTRUCTURE | POWER | www.sangamgroup.com | info@sangamgroup.com
CSR INITIATIVES : SANGAM UNIVERSITY | ITM BHILWARA | SMT KESAR BAI SONI HOSPITAL | SANGAM SCHOOL OF EXCELLENCE

दीपावली स्नेह मिलन समारोह

बीकानेर. दीपावली के पावन पर्व पर समाज की एकमात्र पारिवारिक संस्था प्रीति क्लब द्वारा स्थानीय डागा चौक स्थित महेश भवन में स्नेह मिलन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का आगाज प्रदेशाध्यक्ष सोहनलाल गट्टाणी, क्लब संरक्षक मगनलाल चांडक, पूर्व जिला माहेश्वरी युवा संगठन अध्यक्ष बाबूलाल मेहता, क्लब अध्यक्ष घनश्याम कल्याणी, जिला महासभा पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल चांडक, जिला महासभा अध्यक्ष संजय करनाणी आदि ने किया। संस्था के सचिव नारायणदास दम्माणी ने बताया कि इस अवसर पर माहेश्वरी समाज के प्रमुख गायक कलाकारों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इनमें मुख्य रूप से संस्कार चैनल के गायक सुशील दम्माणी, अनिता मोहता, भतमाल पेड़ीवाल, हेमंत डागा आदि प्रमुख थे। इस अवसर पर 50 से अधिक बार रक्तदान के लिए राज्य स्तर पर जयपुर में सम्मानित नवल राठी को संस्था द्वारा भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन पवन राठी ने किया। अशोक बागड़ी ने बताया कि विनीता दुजारी, मक्खन दुजारी, नारायण बिहाणी, श्रीराम सिंधी, ओम करनाणी, भवानीशंकर राठी, शशि कोठारी, कामिनी कल्याणी, जगदीश कोठारी, डॉ. प्रीति गुप्ता, मनमोहन लोहिया आदि उपस्थित थे। संस्था उपाध्यक्ष यावल्क्य दम्माणी ने आभार व्यक्त किया। अंत में सहभोज का आयोजन किया गया।

बहेड़िया निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित

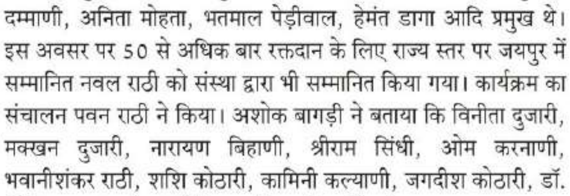

भीलवाड़ा. शहर में होलसेल ज्वेलर्स एंड बुलियन एसोसिएशन का गठन किया गया। संरक्षक रामनारायण बिड़ला के नेतृत्व में कराए गए इस चुनाव में मनीष बहेड़िया को निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित किया गया। उल्लेखनीय है कि एवी ज्वेलर्स के बहेड़िया अनेक सामाजिक पदों से जुड़े हुए हैं। श्री बहेड़िया के निर्वाचित पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

सेवा सदन की बैठक का आयोजन

पुष्कर. श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन आजीवन सदस्यों की साधारण सभा की बैठक 17 दिसंबर को मुख्यालय पुष्कर में आयोजित की जाएगी। महामंत्री रमेशचंद्र छापरवाल ने उक्त जानकारी देते हुए बताया कि इसमें सेवा सदन हितार्थ महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। बैठक की विषय सूची एवं विस्तृत कार्यक्रम शीघ्र ही सदस्यों को प्रेषित की जाएगी। श्री छापरवाल ने सदस्यों से आगमन का कार्यक्रम तयकर पूर्व सूचना देने का अनुरोध किया है।

अन्नकूट महोत्सव का हुआ आयोजन

बीकानेर. दीपावली के पावन पर्व पर एमएम ग्राउंड स्थित जवाहर नगर में राजेंद्रकुमार राठी के राठी निवास में वैष्णव सम्प्रदाय के अंतर्गत आयोजित अन्नकूट महोत्सव मनाया गया। सामाजिक संवाददाता पवन राठी ने बताया कि इस अवसर पर भगवान श्रीनाथजी महाराज, यमुना महारानी व महाप्रभुजी की सुंदर झाँकी सजाई गई। कमल राठी व भवानीशंकर राठी 'कालू भा' ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि इस अवसर पर सखरी तथा अनसखरी दोनों ही प्रकार की सामग्री का भोग लगाया गया। राठी परिवार की ओर से एसके राठी, नंदकुमार, पुरुषोत्तम, अनिल, महेश, कमल, पंकज, मानवी राठी, सरिता, सरोज, स्नेहा, ममता, विजयश्री के अलावा जगन्नाथ राठी परिवार के अनेक सदस्य मौजूद थे।

वनवासी कन्याओं को करवाया भोजन

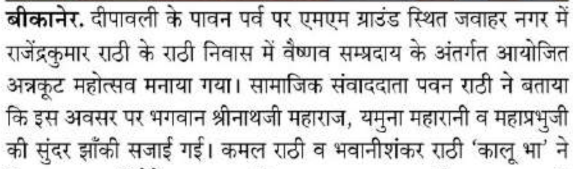

नागदा. राष्ट्रीय माहेश्वरी महिला संगठन के निर्देशानुसार उज्जैन माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा नवरात्रि में सेवा भारती की 72 वनवासी कन्याओं को भोजन करवाया गया। उन्हें जरूरत की वस्तुएँ भी दी गईं। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष उषा सोडानी, पुष्पा कोठारी, पुष्पा मंत्री, शारदा भंडारी, आरती राठी, मनीषा राठी, रितु समदानी, सरिता बाहेती, तारा कोठारी, रीता लखोटिया, दीपाली सोमानी, शीला मूंदड़ा, पुष्पा भल्लिका, सीमा परवाल, निशा राठी, सुभद्रा भूतड़ा, आशा मंत्री आदि सदस्याएँ मौजूद थीं।

करवा चौथ का सामूहिक उद्यापन

हैदराबाद. संस्कार धारा करवा चौथ का उद्यापन सुल्तान बाजार स्थित श्री नृसिंह मंदिर में सम्पन्न हुआ। इसमें लगभग 25 उद्यापन आये एवं 430 टिफिन दिए गए। संस्था की संस्थापिका कलावती जाजू ने बताया कि आजकल महिलाएँ कामकाजी हो गई हैं। एकल परिवार में है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए सामूहिक उद्यापन कराये गये हैं। संस्था अध्यक्षा श्यामा नावंदर, मंत्री अंजना अट्टल, कोषाध्यक्ष प्रेमलता काकाणी, शांता सारडा, किरण बंग, सुरेखा सारडा, किरण जाजू, मौसमी भूड़ा, निर्मला झँवर, शोभा लोया, पद्मा बजाज, रेखा बिनानी, निर्मला लाहोटी, कमला राठी आदि का पूर्ण सहयोग रहा।

सभी माहेश्वरी बन्धुओं को हमारी हार्दिक शुभकामनाएं

समाज के सर्वांगीण विकास की भगवान महेश से कामना

श्रीकांत भूतड़ा
मो.94141-52776

रामकुमार भूतड़ा

प्रदेश कोषाध्यक्ष - भारतीय जनता पार्टी राजस्थान
पूर्व महामंत्री - अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा
मो. 9414153043, 98285-53

अमित भूतड़ा
मो.94144-15579

कमला ग्रेनाईट इण्डस्ट्रीज

जी-101,रिक्को इण्ड.एरिया तृतीया चरण,जालौर (राजस्थान)
फोन-02973-223956,224043 फैक्स -02973-225376

सहयोगी प्रतिष्ठान

श्रीकान्त ग्रेनाईट्स
जी-100, रिक्को इण्ड.एरिया
तृतीया चरण,जालौर
फोन -02973-224043,
मो.9414152776

आर.के. ग्रेनाईट्स
जयपुर बाईपास रोड,
मदनगंज-किशनगढ़
फोन -01463-250530
मो.9829180971

आर.के. ग्रेनाईट्स
जी-98-99, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण, जालौर
फोन-02973-225376, 225377
मो. 9414415579

दिग्विजय ग्रेनाईट्स
जी-221, रिक्को इण्ड. एरिया,
तृतीया चरण,जालौर
फोन-02973-225088,
224198

शरदोत्सव के साथ रास गरबा

रायपुर. माहेश्वरी मंडल एवं माहेश्वरी युवा महिला मंडल समिति द्वारा गत 01 अक्टूबर को शरदोत्सव का आयोजन माहेश्वरी भवन डुंडा में किया गया। दीप प्रज्ज्वलन व भगवान महेश की पूजा राजेश तापड़िया, नंदा भट्टर, शशि बंग, रेखा हुरकट व आशीष राठी द्वारा की गई। मी एंड मॉम फैशन शो व गरबा आदि स्पर्धा आयोजित की गई। पुरस्कार वितरण के मुख्य अतिथि डॉ. सतीश राठी, विशिष्ट अतिथि गणेश भट्टड़ एवं सुरेश बागड़ी थे। अतिथि स्वागत अध्यक्ष अशीष राठी ने किया। शरद पूर्णिमा के आयोजन के साथ माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा नये माहेश्वरी भवन का श्रीगणेश किया गया। आगामी कार्यक्रमों की शृंखला में प्रभावी भाषण कला एवं युवा मंडल की डायरेक्ट्री की जानकारी दी गई। मंच संचालन प्रीति राठी, नीलिमा लड्ढा, कृष्णा लाखोटिया तथा आशीष बागड़ी द्वारा किया गया। कार्यक्रम संयोजिका नीलिमा लड्ढा, प्रीति राठी, शेखर बागड़ी, गोपाल बजाज, सुरेश मूंदड़ा, संदीप मर्दा, आलोक बागड़ी, हरीश बजाज, राजेश मूंदड़ा आदि का सहयोग रहा।

भजन–गरबा के साथ मना शरदोत्सव

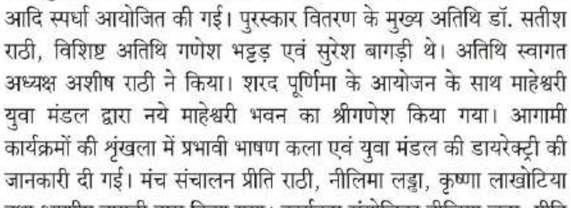

छिंदवाड़ा. संगीता राजकुमार राठी की अध्यक्षता में माहेश्वरी महिला मंडल के तत्वावधान में फतेहनारायन माहेश्वरी भवन में शरद महोत्सव के उपलक्ष में भजन गायिका नेहा जेठा जबलपुर के द्वारा भजन संध्या एवं रास गरबा का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि आनंद गांधी व आशा गांधी ने मंडल की वरिष्ठ सदस्य उषा डागा एवं दिनेश माहेश्वरी चौरई का सम्मान किया। कार्यक्रम का संचालन पूजा बागड़ी ने किया। कार्यक्रम की समाप्ति में स्वल्पाहार व दूध का वितरण किया गया। पुराने खेल का भी आयोजन किया गया। मंडल की सहसचिव उषा राठी ने आभार व्यक्त किया। ममता मालपानी, अलका जाखोटिया, अर्चना चांडक, छाया गांधी, उषा राठी, अरुणा राठी, संगीता राठी, लता चांडक, शुचिता राठी, कंचन परवाल सहित समस्त सदस्याओं का योगदान रहा।

संगठन आपके द्वार का हुआ आयोजन

भीलवाड़ा. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा के निर्देशानुसार जिले की जिन तहसीलों में पचास या पचास से अधिक माहेश्वरी परिवार निवासरत हैं, उन गांवों व कस्बों में संगठन आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसमें जिलाध्यक्ष दीनदयाल मारू के साथ महासभा के उपसभापति (पश्चिमांचल) देवकरण गग्गड़, दक्षिण राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष कैलाशचंद्र कोठारी व जिला सभा के पदाधिकारियों ने जिले में भ्रमण किया। भीलवाड़ा जिला माहेश्वरी सभा के जिला मंत्री देवेंद्र सोमानी के अनुसार भीलवाड़ा जिले में कुल 12 तहसीलें हैं। उनमें से 11 ग्रामीण तहसीलें के पचास से अधिक परिवार वाले गांवों व कस्बों में संगठन आपके द्वार के तहत पहुंचकर माहेश्वरी परिवारों के सदस्यों के साथ बैठक के रूप में विचार-विमर्श किया।

माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा निःशुल्क जल सेवा

रायपुर. माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा जनकल्याण कार्यक्रम के तहत गत दिनों आयोजित गणेश झाँकी में राहगीरों की निःशुल्क जल सेवा की गई। कार्यक्रम के संयोजक अभिषेक राठी व रवि राठी (बंटी) तथा सहसंयोजक शेखर बागड़ी व सौरभ बागड़ी थे। जल सेवा रात्रि 9 बजे से सुबह 6 बजे तक मंडल के सदस्यों द्वारा की गई। मंडल द्वारा 6 वर्षों से यह सेवा कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम को सफल बनाने में शैलेंद्र करवा, गोपाल बजाज, हरीश बजाज, राजेश मूंदड़ा, प्रसन्न गट्टानी, आशीष राठी, मनीष मोहता, संजय हरनारायण मोहता आदि का सहयोग रहा। जानकारी मंडल के मीडिया प्रभारी अभिषेक राठी द्वारा दी गई।

संगठन आपके द्वार का हुआ आयोजन

ब्यावर. क्षेत्रीय माहेश्वरी सभा द्वारा अभा माहेश्वरी महासभा के कार्यक्रम ''संगठन आपके द्वार'' का आयोजन स्थानीय माहेश्वरी भवन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अभा माहेश्वरी महासभा के संगठन मंत्री अजय काबरा, मध्य राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मंत्री विजयशंकर मूंदड़ा, अजमेर जिले के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमेश चितलांग्या, संस्था अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा, मंत्री सुनील झँवर व प्रदेश कोषाध्यक्ष गुमानमल झँवर द्वारा किया गया। राष्ट्रीय संगठन मंत्री अजय काबरा ने महासभा की सभी कार्ययोजनाओं व गतिविधियों को विस्तारपूर्वक रखा, जिसमें प्रमुखतः शिक्षा, चिकित्सा, व्यापार व सामाजिक गतिविधियों को समाज के मध्य प्राथमिकता मिले, ऐसे प्रयास शामिल हैं। प्रदेश मंत्री श्री मूंदड़ा ने प्रदेश सभा से संबंधित सभी कार्ययोजनाओं को भी पटल पर रखते हुए समाज से एकजुट होकर कार्य करने का आह्वान किया। संस्था अध्यक्ष संदीप मूंदड़ा ने कार्यक्रम के तहत सोशल ईको डाटा एकत्र कर समाज की जनगणना संबंधी कार्य को शीघ्र ही सम्पादित कराने का आह्वान किया। मंत्री सुनील झँवर द्वारा मंच संचालन किया गया। हरीश मूंदड़ा, सूर्यप्रकाश झँवर, भूदेव धूत, कुलदीप भूतड़ा, विट्ठल राठी, कमल झँवर, मितेश मूंदड़ा, नवल सोमानी, नरेंद्र माछर, रमेश भराड़िया, भागीरथ हेड़ा आदि मौजूद थे।

नवीन सोच की हो उत्पत्ति

सभी स्वजनों को दीपावली पर्व की हार्दिक बधाई देते हुए सभी की चहुमुँखी उन्नति की माता महालक्ष्मी से कामना करता हूँ। इस पर्व की सार्थकता तभी है, जब हम महालक्ष्मी को प्रिय आदर्शों का अनुसरण करें। महालक्ष्मी जी आतरी में ही निहित है कि जहाँ सुमति, शांति हो तथा कलह न हो वहाँ ''माता'' का निवास होता है। इस आदर्श को हमें हमारे समाज के लिए भी स्वीकार करना होगा। हम समस्त आपसी मतभेदों को भुलाकर समाज के उत्थान के लिये एकजुट हों। हमारा आपसी समन्वय व सद्भाव ही हमारी शक्ति बनेगी। यही सूत्र हमारे पूर्वजों की सफलता का राज भी रहा है और वर्तमान में भी इसकी आवश्यकता है। नई सोच व नये सद्भाव के संकल्प के साथ आपका

सुनील गिगल

निवृत्तमान महामंत्री - गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी सभा

दीपावली एवं नववर्ष की

हार्दिक मंगलकामनाएँ

सुनील जे. गिगल

▸▸ प्रदेश संयोजक गुजरात	–	श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी
▸▸ निवृत्तमान महामंत्री	–	गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा
▸▸ महमंत्री	–	अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन, गुजरात
▸▸ निवृत्तमान मंत्री	–	ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज
▸▸ अध्यक्ष	–	गुजरात केटलफीड मेन्युफेक्चरर एसोसिएशन, गुजरात
▸▸ पूर्व संगठन मंत्री	–	गुजरात प्रान्तीय माहेश्वरी सभा, गुजरात
▸▸ अध्यक्ष	–	गायत्री विकलांग मानव मंडल, वड़ोदरा
▸▸ अध्यक्ष	–	बैंक ऑफ बरोडा एम्पलॉइज को. ऑप. हा. सो. लि.
▸▸ उपाध्यक्ष	–	लघु उद्योग भारती, वड़ोदरा
▸▸ ट्रस्टी	–	श्री साईं श्याम गौशाला, वड़ोदरा
▸▸ सदस्य	–	श्री आदित्य विक्रम बिड़ला मेमोरियल व्यापार सहयोग केन्द्र
▸▸ सदस्य	–	अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन, पुष्कर
▸▸ सदस्य	–	भामाशाह फाउंडेशन, अहमदाबाद
▸▸ सदस्य	–	बरोडा मैनेजमेंट एसोसिएशन
▸▸ प्रबंधकारिणी सदस्य	–	श्री बांगड़ माहेश्वरी मेडिकल वेलफेयर सोसायटी

GIGAL GROUP OF COMPANIES

▸▸ BHARAT CATTLEFEED INDUSRIES ▸▸ LDH AGRO FOOD PVT. LTD
▸▸ GIGAL INDUSTRIES ▸▸ BHUMI MARKETING ▸▸ GIGAL SECURITIES

201, Lakulesh Complex, Near Delux Cross Road, Nizampura, Vadodara 390002
(M) 9428588888 / 9426013693, Email- sunilgigal@yahoo.com

पूर्व अध्यक्षों का हुआ स्वागत

बूंदी. श्री माहेश्वरी महिला मंडल के 25 वर्ष पूर्ण होने पर चूड़ी बाजार स्थित पंचायत भवन में मंडल की पूर्व अध्यक्षों के सम्मान समारोह के साथ नवीन कार्यालय का विधिवत शुभारम्भ हुआ। मंडल अध्यक्ष प्रेरणा न्याति व सचिव सोनल मूंदड़ा ने सदस्यों के साथ गणेशजी की पूजा अर्चना की। माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष जगदीश जैथलिया व सचिव विजेंद्र माहेश्वरी ने फीता काटकर कार्यालय का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष प्रेरणा न्याति व सचिव सोनल मूंदड़ा ने पूर्व अध्यक्ष शिवमाया मूंदड़ा, स्नेहलता नुवाल, सरोज बिड़ला, किरण लखोटिया, उर्मिला नुवाल, संतोष दाखेड़ा व मंजू मोदी को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्रदेश स्तर पर आयोजित स्पर्धाओं में बूंदी से अव्वल रही भगवती समदानी व संगीता सोमाणी का भी सम्मान किया गया। कार्यक्रम का संचालन श्रुति मंडोवरा ने किया।

रामदेवजी का मना जन्मोत्सव

दुर्ग. द्वारिकाधीश के अवतार, रूणीचा सरकार बाबा रामदेव के जन्मोत्सव पर दुर्ग में 23 अगस्त से 2 सितंबर तक विभिन्न धार्मिक आयोजन किए गए। रोज सुबह बाबा का अभिषेक किया गया। 24 से 30 अगस्त तक नानीबाई का मायरा तथा 31 अगस्त को बाबा रामदेवजी की कथा आयोजित की गई। 26 अगस्त को युवा संगठन द्वारा ध्वजा यात्रा निकाली गई। बाबा की आरती पश्चात कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन में मंदिर समिति अध्यक्ष अशोक राठी, माहेश्वरी पंचायत अध्यक्ष ओमप्रकाश टावरी, सचिव राजकुमार केला, नंदकिशोर चांडक, रामावतार राठी, युवा संगठन अध्यक्ष पंकज राठी, महिला मंडल अध्यक्ष रुचि सोमानी, संतोष चांडक, जगदीश झँवर आदि मौजूद थे।

With Best Compliments From

Anand L. Choudhary
Chartered Accountant
A.C.A., C.S., B.Com.
Cell : 9923106824

Office : Shop No. 05, Bisen Complex,
Ingale Chowk, Gondia.
Email : anandrathi05@yahoo.com

गरबा स्पर्धा का हुआ आयोजन

ब्यावर. श्री माहेश्वरी महिला परिषद द्वारा गरबा स्पर्धा नए-पुराने नगमों पर आयोजित की गई। मंत्री कुसुम मालू व सेवा संगठन मंत्री अमित भूतड़ा ने बताया कि इसमें 5 से 8 वर्ष तक के बालक-बालिकाओं में प्रथम पहल टवाणी, द्वितीय माधव मूंदड़ा व साहिल काकाणी, बेस्ट ड्रेस अप में नव्या टवाणी प्रथम रहीं। 9 से 15 वर्ष तक बालक-बालिकाओं में प्रथम नंदनी हेड़ा, द्वितीय सानिका झँवर व रिद्धि हेड़ा, बेस्ट ड्रेसअप में अविशि बल्दुआ रहीं। 15 वर्ष से अधिक बालिका व महिलाओं में प्रथम नेहा काकाणी व सुनिधि मूंदड़ा, द्वितीय निकिता नुवाल व बेस्ट ड्रेसअप में सोनम जैथल्या रहीं। कपल राउंड में निकिता नवाल-नेहा माहेश्वरी प्रथम व द्वितीय स्थान पर नंदनी हेड़ा व सिद्धिका काबरा रहीं। कार्यक्रम का संचालन राजेंद्र काबरा ने किया। गरबा महोत्सव कार्यक्रम में संगीता पंसारी, अनुज हेड़ा, आशा मूंदड़ा, नीतू राठी, प्रेम राठी, रेणु जागेटिया, ज्योति हेड़ा, राजलक्ष्मी हेड़ा, मंजू भूतड़ा, सुमित्रा जैथलिया, पवन बिहानी, रवि राठी, कपिल झँवर, नितिन मालू आदि कई समाजबंधु मौजूद थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विष्णुगोपाल हेड़ा ने की।

मोबाइल एप पर कार्यशाला

रायपुर. स्थानीय माहेश्वरी युवा मंडल महिला समिति द्वारा मोबाइल एप पर आधारित वर्कशॉप का आयोजन वृंदावन हॉल, सिविल लाइंस में किया गया। इसमें प्रशिक्षिका शिल्पा नाहर ने महिलाओं को आज के समय में अपने स्मार्टफोन से जीवन को सरल करने के टिप्स दिए। स्मार्टफोन की मदद से नेट बैंकिंग, टिकट बुकिंग, बिल पेमेंट आदि की जानकारी दी गई। सह प्रशिक्षक राकेश झँवर ने बदलते परिवेश में स्मार्टफोन की उपयोगिता पर चर्चा की। इस प्रोग्राम में 100 महिलाओं की भागीदारी रही। युवा मंडल महिला समिति की अध्यक्ष रेखा हुरकट एवं सचिव संगीता राठी आदि उपस्थित थीं। कार्यक्रम की संयोजिका सविता केला एवं राजश्री मूंदड़ा थीं। उपाध्यक्ष नीलिमा लड्ढा, कोषाध्यक्ष नीना राठी, प्रचार प्रसार प्रीति राठी, प्राची मोहता, नंदा सारडा, निधि सारडा सहित समस्त सदस्याओं का सहयोग रहा।

महेश सेवा निधि ने किया प्रतिभा सम्मान

रायपुर. छत्तीसगढ़ महेश सेवा निधि ट्रस्ट द्वारा प्रादेशिक स्तर पर मेधावी विद्यार्थी प्रतिभा सम्मान-2017 का आयोजन स्थानीय वृंदावन हॉल सिविल लाइन में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मोहन राठी (उपसभापति-मध्यांचल) थे। विट्ठल भूतड़ा प्रादेशिक अध्यक्ष की अध्यक्षता में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इसमें पिछले सात वर्षों से लगातार मेधावी रहे विद्यार्थियों जिन्होंने कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये, उन्हें 5 हजार रुपए व सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिक्षा के विशेष क्षेत्र जैसे सीए, एमबीबीएस या अन्य समकक्ष में सफलता हासिल करने वालों को भी सम्मान पत्र के साथ सम्मानित किया गया। इनमें कुल 67 मेधावी विद्यार्थी शामिल थे। कक्षा 12वीं की निहारिका राठी का 95.66 प्रतिशत अंक अर्जित कर पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में मेरिट में प्रथम स्थान हासिल करने पर सम्मान प्राप्त किया गया। इस कार्यक्रम में प्रादेशिक खेल प्रतिभा सम्मान से सान्निध्य हुरकट को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट के मानद मंत्री मनोज राठी, नेहल राठी व जितेश मेहता द्वारा किया गया। इस आयोजन में प्रबंध न्यासी डॉ. सतीश राठी, निवर्तमान अध्यक्ष रामरतन मूंदड़ा, छतीगसढ़प्रदेश सभा के महामंत्री नारायण राठी, अभा कार्यसमिति सदस्य बृजकिशोर सूरजन, प्रादेशिक युवा संगठन के अध्यक्ष राजेश मंत्री, प्रादेशिक महिला संगठन की अध्यक्षा आशा डोडिया, छग प्रदेश सभा के संगठन मंत्री राजकुमार राठी, जिलाध्यक्ष प्रकाश माहेश्वरी सहित पदाधिकारी, सदस्य व गणमान्यजन उपस्थित थे।

स्वाइन फ्लू से बचाव की पिलाई दवा

राजसमंद. जिला माहेश्वरी महिला संगठन ने ''जिला आपके द्वार'' के तहत स्वाइन फ्लू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए जिले के स्थानीय मंडलों का सहयोग लेते हुए 25000 (पच्चीस हजार) लोगों को एंटी स्वाइन फ्लू दवा पिलाने का संकल्प लिया। संकल्प पूर्ति के लिए 11 सितंबर को राजसमंद में सांसद द्वारा आयोजित वंदेमातरम देशभक्ति कार्यक्रम में शामिल 13 हजार लोगों को एंटी स्वाइन फ्लू दवा पिलाकर संकल्प की शुरुआत की गई। 13 सितंबर को 600 लोगों को हाउसिंग बोर्ड राजसमंद में, 15 सितंबर को 7 हजार लोगों को नाथद्वारा व 16 सितंबर को पछमता, गिलुंड, सोनियाना गांव में 4000 को व 17 सितंबर को 8 हजार लोगों को देवगढ़ में दवा पिलाई गई। इसमें लक्ष्य से अधिक 32000 लोगों को दवा पिलाई गई। जानकारी जिलाध्यक्ष पूजा बंग व जिला सचिव प्रेम बिड़ला ने दी।

Rajendra Rathi
9422181339

Rathi Brothers

Dealers in Cycle, Tricycles
Health Equipments & Spares

Shahid Bhagatsingh Chowk,
Shyamlal Road, Khamgaon - 444303
Ph. : 07262 (S) 254034 (R) 252034

अमेरिका की बाढ़ में सहायता

होस्टन (यूएसए). गत दिनों अमेरिका का होस्टन शहर 800 वर्ष के सबसे अधिक विनाशकारी तूफान व बाढ़ से गुजरा। इसने लगभग 2 लाख से अधिक इंडो-अमेरिकन के जीवन को बुरी तरह से प्रभावित कर दिया। इंडो-अमेरिकन कम्यूनिटी के 700 से अधिक समाजसेवियों ने इस विपदा में राहत कार्य में योगदान दिया। अरुण मूंदड़ा ने बताया कि देशी वुमन ग्रुप (एसईडब्ल्यूए) तथा माहेश्वरी राईजिंग यूथ अवॉर्ड 2015 से सम्मानित विवेक व हेमांशु के नेतृत्व में कई समाजसेवियों, युवाओं व विद्यार्थियों ने राहत कार्यों में अपना सहयोग दिया। इस राहत कार्य में इंडो-अमेरिकन समुदाय ने 1 मिलियन डॉलर का आर्थिक सहयोग भी प्रदान किया।

डांडिया रास का हुआ आयोजन

चेन्नई. श्री माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा डांडिया रास का कार्यक्रम 23 सितंबर को आयोजित किया गया। इसमें 400 से भी ज्यादा लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। लोगों के मनोरंजन हेतु लाइव बैंड, नेल आर्ट, टैटू आदि की व्यवस्था रखी गई। लकी ड्रॉ एवं सभी विजेताओं को मंडल द्वारा पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम की जज ममता शाह एवं दिव्या शाह थीं। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में पूरी कमेटी का भरपूर सहयोग मिला।

महिला संगठन ने की सतत सेवा

अमरोहा. 'पश्चिमी उत्तरप्रदेश महिला संगठन तदर्थ समिति द्वारा उत्तरांचल के अंतर्गत अध्यक्ष विनीता राठी व सचिव मंजू हरकुट के नेतृत्व में सेवा गतिविधियों का आयोजन किया गया। इसमें 'संगठन आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत छर्रा, अमरोहा व मीरापुर मंडलों की बैठक के दौरान राष्ट्रीय अध्यक्ष श्याम सोनी व उपाध्यक्ष अशोक सोमानी द्वारा मार्गदर्शन दिया गया। सुश्रिता समिति द्वारा कार्यरत महिलाओं का डेटा एकत्र करने के कार्य के साथ नजीबाबाद जिलाध्यक्ष द्वारा एक सदस्य को रोजगार दिलाकर आत्मनिर्भर बनाया गया। सुगंधा समिति द्वारा मोदीनगर मंडल द्वारा शिक्षक दिवस पर गांव में बच्चों व महिलाओं की अक्षर ज्ञान प्रतियोगिता कराई गई। सुदर्शन ब्रज मंडल यात्रा में मथुरा मंडल की ओर से तालवन में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। इसमें बच्चियों को रूबेला टीका लगाया गया। मीरापुर मंडल की ओर से नंदगांव के सरकारी स्कूल में बच्चों को पाठ्य सामग्री सहित बैग वितरित किए गए। सुकीर्ति मेरठ महिला मंडल द्वारा 9 सितंबर को कुकरी शो आयोजित किया गया। आगरा मंडल द्वारा वृंदावन जाकर नुक्कड़ नाटक मंचित कर बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ जैसा सुंदर संदेश दिया गया। सुलेखा समिति की राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में प्रदेश ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। सुलेखा समिति द्वारा आयोजित प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में भी प्रदेश द्वारा दो दिन प्रथम व द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किये गए। संचारिका द्वारा 16 से 20 दिसंबर तक कोलकाता में होने वाले खेल महोत्सव के विषय में पूरे प्रदेश में सूचना भेजी गई। सौष्ठा अंतर्गत स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुरभि द्वारा राखी प्रतियोगिता के निर्णय अखिल भारतीय संगठन को भेजे गए। सुरम्या, सुषमा, शुचिता सहित समस्त प्रकल्पों में आयोजन हुए।

डॉ. पेड़ीवाल को विशेष सम्मान

गंगटोक. रमेश पेड़ीवाल के सुपुत्र डॉ. सुमित पेड़ीवाल ने इकोकार्डियोग्राफी में विशेष सम्मान प्राप्त किया है। जयपुर में आयोजित कन्वेंशन 'इंडियन ईको कन्वेंशन' में उन्हें यह सम्मान मिला। वर्तमान में डॉ. सुमित शिशु विशेषज्ञ हैं एवं पीडियाट्रिक इकोकार्डियोग्राफी कोलकाता के एक प्रसिद्ध अस्पताल में सेवा दे रहे हैं। डॉ. पेड़ीवाल ने गत 2 साल में 3500 बच्चों की इकोकार्डियोग्राफी करके एक रिकॉर्ड कायम किया है। इसके लिए उन्हें यह सम्मान मिला है। इन्होंने मेडिकल पढ़ाई इंदौर से पूरी की है और भविष्य में सिक्किम जाकर सेवा प्रदान करने का विचार किया है।

Chandrakumar Mohta
9822222174, 9422181378

Madan Mohan Mohta & Co.

Cotton, Cotton Seed & General Broker

Mehta Bhawan, Balaji Plot, Khamgaon, Maharastra

GLOBAL INFRAVENTURES LIMITED

Office No. : 501, Ratan Gallaxie, Next to - Arya samaj,
Mehrul Road, Mulund West, Mumbai - 80
Ph. : 07263 - 252274, 252313
Fax : 07263-258447
Email : cmmohta@gmail.com

डांडिया मस्ती का हुआ आयोजन

बीकानेर. गत 5 वर्षों की भांति इस वर्ष भी बीकानेर जिला माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में माहेश्वरी समाज हेतु डांडिया मस्ती 2017 का आयोजन किया गया। युवा संगठन मंत्री पवन राठी ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन युवा संगठन अध्यक्ष जुगल राठी व सांस्कृतिक मंत्री भवानी राठी के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नगर विकास न्यास (यूआईटी) अध्यक्ष महावीर रांका, सोहनलाल गट्टानी (प्रदेशाध्यक्ष), किसनगोपाल सोमाणी, ओम करनाणी, नारायणदास दम्माणी (सचिव प्रीति क्लब), सुशील थिराणी, मगनलाल चांडक (संरक्षक प्रीति क्लब), अशोक बागड़ी, नारायण बिहाणी (अध्यक्ष कृष्ण माहेश्वरी मंडल) आदि ने किया। प्रारंभ में नन्हीं बालिका कनिष्का डागा द्वारा नृत्य के माध्यम से गणेश वंदना प्रस्तुत की गई।

पश्चिमी राजस्थान सभा की बैठक सम्पन्न

जोधपुर. पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा की द्वितीय कार्यसमिति की बैठक बाड़मेर जिला सभा के आतिथ्य में बालोतरा में गत 30 सितंबर को सम्पन्न हुई। बैठक में महासभा के महामंत्री संदीप काबरा उपस्थित थे। इसमें सामाजिक व आर्थिक सर्वेक्षण का कार्य शीघ्र पूरा करने हेतु चर्चा की गई। महासभा की विभिन्न योजनाओं में आ रही कठिनाइयों पर भी बैठक में विचार विमर्श किया गया। माहेश्वरी पंचायत बालोतरा द्वारा नवनिर्मित माहेश्वरी भवन की तृतीय मंजिल का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण समारोह के मुख्य अतिथि जुगलकिशोर बिरला अध्यक्ष अभा माहेश्वरी सेवा सदन थे। समोराह की अध्यक्षता संदीप काबरा महामंत्री महासभा ने की। विशिष्ट अतिथि जेएम बूब अध्यक्ष पश्चिमी राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा एवं दामोदर बंग पूर्व अध्यक्ष सेवा सदन थे। माहेश्वरी पंचायत बालोतरा के अध्यक्ष अशोककुमार डांगरा व सचिव हरिराम भूतड़ा ने आभार व्यक्त किया।

सेवा संगठन ने किया अल्पाहार वितरण

डांडेली (कर्नाटक). स्थानीय स्तर पर विजयादशमी पर्व पर बड़ा मेला (जतरा) का आयोजन किया गया। इसमें ग्राम देवता के स्थान पर पूजा की जाती है। संगठन ने मंदिर जाने के मार्ग पर प्रातः 8 बजे से अल्पाहार वितरण किया। करीब 8 हजार भक्तों ने इसका लाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश सोलंकी, सतीश बिदादा, मोहनकिशोर बाहेती व कमल भूतड़ा का विशेष सहयोग रहा।

मुख व दंत चिकित्सा शिविर सम्पन्न

सागर. माहेश्वरी युवा संगठन के तत्वावधान में भगवान गंज वार्ड में 'सोमानी ओरल एंड डेंटल केयर सेंटर' में गत 1 अक्टूबर को निःशुल्क मुख एवं दंत केयर परीक्षण शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ राधेश्याम परवाल, श्याम मूंदड़ा, जुगलकिशोर लखोटिया, अर्चना चांडक, नयन माहेश्वरी, हर्ष माहेश्वरी आदि की उपस्थिति में किया गया। शिविर में डॉक्टर विनय सोमानी एव डॉक्टर सिल्वी सोमानी ने उपस्थित समस्तजनों को दांतों के रखरखाव व उनसे होने वाली बीमारियों के बारे में बताया। उसके उपरांत सोमानी ओरल डेंटल केयर सेंटर में 50 से 60 लोगों का दंत परीक्षण कर जरूरत अनुसार दवाइयां, पेस्ट, माउथवॉश आदि निःशुल्क बांटे गए। सराहनीय कार्य के लिए माहेश्वरी युवा मंडल ने डॉक्टर सोमानी एवं डॉक्टर सोमानी को स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया।

माहेश्वरी नवनीता संगठन ने की सेवा

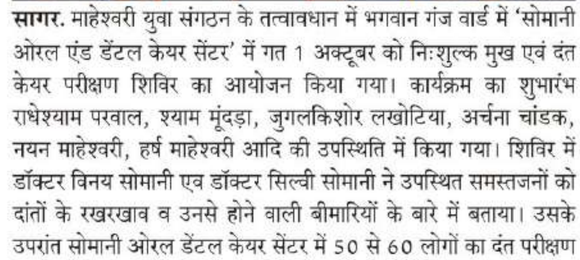

वडोदरा. गुजरात प्रांतीय माहेश्वरी महिला संगठन के अंतर्गत माहेश्वरी नवनीता संगठन गत 12 फरवरी 2017 को स्थापित हुआ था। इतने कम समय में भी अध्यक्ष शारदा ईनानी व सचिव सुशीला पोरवाल के नेतृत्व में कई सेवा प्रकल्प आयोजित किये गये। इसमें 3 मार्च को मेलमिलाप कार्यक्रम रखा गया, जो बहुत ही सफल रहा। 19 अप्रैल को लव इज इन द एयर इवेंट तथा 5 जुलाई को पिकनिक का आयोजन किया गया। इसी शृंखला में 1 अगस्त से 31 अगस्त तक गरीब व असहाय बच्चों, बूढ़ों व विकलांगों की सहायता के लिए प्रोजेक्ट हेल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया।

डॉ. चाँडक का किया सत्कार

धामणगांव रेलवे. श्री स्वामी समर्थ जेष्ठ नागरिक की वार्षिक साधारण सभा कोठारी नगर के श्री गजानन मंदिर में आयोजित की गई। इसके अंतर्गत समाज के लिए उल्लेखनीय कार्य करने वाले वरिष्ठ नागरिकों का सत्कार किया गया। इसमें चिंचपुर ग्राम के सामाजिक कार्यकर्ता एवं वरिष्ठ नागरिक डॉ. खुशाल चाँडक का सत्कार किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता लक्ष्मीनारायण चाँडक ने की। प्रमुख अतिथि वयोवृद्ध समाजसेवी मधुकरराव चतारे थे।

"हमेशा जिन्दगी में ऐसे लोगों को
पसंद करो ....
जिनका दिल
चेहरे से ज्यादा खुबसुरत हो....."

'अपराजिता' ने दिखाए खेल के जलवे

दिल्ली. दिल्ली प्रादेशिक माहेश्वरी महिला संगठन द्वारा महिला खेल समागम "अपराजिता 2017" का आयोजन किया गया। इसमें महिलाओं के लिए विभिन्न खेल स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। प्रदेशाध्यक्ष किरण लढा ने बताया कि इस खेल समागम के आयोजन का मूल उद्देश्य माहेश्वरी समाज की महिलाओं, खासकर युवतियों में खेलों के प्रति रुचि और जागरुकता उत्पन्न करना है। संगठन द्वारा प्रथम बार यह समागम आयोजित किया गया है। इसमें सात क्षेत्रों की 80 सदस्याओं ने विभिन्न खेलों में भाग लिया। बैडमिंटन, टेबल टेनिस, खोखो, विभिन्न तरह की रेस व कैरम को इसमें शामिल किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. एसएन चांडक, सोनाली मूंदड़ा, कांता गगरानी, भारतभूषण मदान, मनोहरलाल कुमार थे। एंकरिंग सचिव श्यामा भांगड़िया व सहसचिव इंदू लढा ने की। सुकीर्ति समिति की संयोजिका उर्वशी साबू व उनकी टीम की सदस्याओं नीरू लाहोटी, उर्मिला माहेश्वरी, शालू दूदानी ने स्पर्धा आयोजित कराने में अहम भूमिका निभाई। मंजू मानधना, उमा झंवर, सुनीता मूंदड़ा, राजश्री मोहता, मधु मूंदड़ा, मंजु जाजू, वीणा काबरा ने भी व्यवस्थाएँ संभाली।

स्वाइन फ्लू प्रतिरोधक दवा का निःशुल्क वितरण

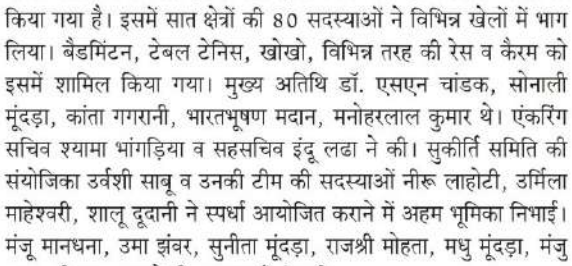

नागपुर. स्वाइन फ्लू के मरीजों की प्रतिदिन बढ़ती संख्या को देखते हुए ज्योति महिला मंडल द्वारा स्वाइन फ्लू की प्रतिरोधक दवा का निःशुल्क वितरण करने हेतु कैम्प का आयोजन किया गया। इसमें डॉ. मनीषा गुप्ता ने दवा के साथ अन्य बीमारियों की भी निःशुल्क जांच की। सुधीर गुप्ता ने ये सारी दवाएं निःशुल्क उपलब्ध कराईं। संस्था सचिव कल्पना मोहता ने बताया कि 300 लोगों ने शिविर का लाभ लिया। महल माहेश्वरी संगठन अध्यक्ष मधुसूदन बिंझाणी, सुरेश सांवल, संजय लोया, अमित सांवल आदि उपस्थित थे। प्रकल्प संयोजिका स्वाति सांवल, राधिका सांवल व रेखा मोकाती के साथ अर्चना बिंझाणी, यमुना जेठा, किरण राठी आदि का योगदान रहा।

टाइगर की मौत की जांच की मांग

भीलवाड़ा. पीपुल फॉर एनीमल्स के प्रदेश प्रभारी तथा भारत सरकार के प्रोजेक्ट टाइगर के चेयरमैन बाबूलाल जाजू ने रणथंबौर राष्ट्रीय उद्यान में चिरोली वन क्षेत्र में टाइगर की मौत की जाँच करने की मांग प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर की। श्री जाजू ने बताया कि चिरोली वन क्षेत्र में गत 20 सितंबर को बाघ टी 33 हमीर की मृत्यु हो गई। बाघ को ट्रेंकुलाइज कर उसका इलाज करने के दौरान उसकी मृत्यु होना बताया जा रहा है जबकि ट्रेंकूलाइज करने के दौरान बाघ के भूखा रहने की स्थिति में जाइले जिन इंजेक्शन अधिक मात्रा में लगा दिये जाने से भी बाघ की मृत्यु होने की आशंका है। ऐसे में बाघ की मृत्यु का मामला गंभीर है। अतः बाघ की चिकित्सा, मृत्यु के बाद किये गये पोस्टमार्टम व बीमार होने से लेकर अंतिम संस्कार करने तक के संपूर्ण मामले की निष्पक्ष व उच्चस्तरीय जांच करवाई जानी चाहिये।

छग में आयोजित होगा बिजनेस कॉन्क्लेव

रायपुर. अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन के बिजनेस कॉन्क्लेव 2017 का आयोजन छत्तीसगढ़प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के आयोजकत्व में 23, 24 दिसंबर को रायपुर में होगा। बिजनेस कॉन्क्लेव के नाम व लोगो का अनावरण छत्तीसगढ़ के कुरुद में राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार काल्या, महामंत्री प्रवीण सोमानी, संगठन मंत्री दीपक चांडक, उपाध्यक्ष भरत तोतला छत्तीसगढ़ प्रदेशाध्यक्ष राजेश मंत्री ने किया। श्री काल्या ने बताया कि कॉन्क्लेव में देश और विदेश में रहने वाले माहेश्वरी समाज के 1500 से अधिक युवा साथी भाग लेंगे और बड़े कॉरपोरेटर, प्रख्यात ट्रेनर, आईआईएम, बीएससी, अलीबाबा जैसे बड़े ग्रुप के प्रतिनिधि आएंगे। साथ ही विभिन्न सरकारी एजेंसियों नाबार्ड, नेशनल हॉर्टिकल्चर बोर्ड, बैंकिंग व विभिन्न वित्तीय संस्थाओं द्वारा सरकार की योजनाओं की जानकारी युवा साथियों को दी जाएगी। श्री काल्या का ऐसा मानना है कि जिस गति से परिस्थितियां बदल रही हैं, उसमें युवा साथियों को व्यापार और व्यवसाय की वृद्धि से संबंधित सशक्त मार्ग प्रशस्त करना होगा। ताकि उनको किसी प्रकार की कठिनाई महसूस न हो। साथ ही इस कार्यक्रम के दौरान न्यू बिजनेस आइडिया भी साथियों से लिए जाएंगे और बड़े समाज के कारपोरेट घरानों द्वारा इन्वेस्ट कराया जाएगा। इसी के साथ वहां पर एक रोजगार मेले का भी आयोजन किया जाएगा ताकि समाज के युवा वर्ग को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध हो सके।

शरद पूर्णिमा उत्सव का किया आयोजन

रायपुर. महेश महिला संगठन, युवा संगठन एवं महेश सभा रायपुर ने शरद पूर्णिमा पर विभिन्न कार्यक्रम महेश भूमि, मोवा पर आयोजित किए। भगवान महेश की पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात समाज के बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। महेश महिला संगठन द्वारा शहीद की बेटी की शादी के लिए आर्थिक मदद की गई। महेश महिला संगठन की सदस्याओं ने रास गरबा खेला। महाबीर मंत्री द्वारा सवामणी एवं खीर का प्रसाद रखा गया। मुख्य रूप से कुसुम झंवर, सरस्वतीदेवी राठी, रामकन्या करनानी, हरिकिसन मोहता, मदनलाल राठी, किसनलाल राठी आदि मौजूद थे। जानकारी महेश सभा सचिव किसनगोपाल करवा ने दी।

> "प्रवचन में हजारों बैठते हैं।
> पर प्रवचन
> बहुत कम लोगो में बैठता हैं।"

अ.भा. माहेश्वरी सेवा सदन की नाथद्वारा में सेवा

नाथद्वारा. समाजजनों की सुविधार्थ अभा माहेश्वरी सेवा सदन पुष्कर ने धर्मशालाओं की श्रृंखला में नाथद्वारा में भी धर्मशाला शुरू की है। मुख्य मंदिर से इस सेवा सदन भवन की दूरी करीब 1.5 किमी है। इस भवन में यात्रियों को एसी, नॉन एसी, डीलक्स रूम, लिफ्ट, एसी हॉल, लॉन, कैंटीन, शुद्ध सात्विक भोजन आदि सहित श्रीनाथजी के मुख्य मंदिर दर्शन हेतु आने-जाने के लिए निःशुल्क दर्शन रथ (वैन) सुविधा भी उपलब्ध है। सेवा सदन में भी भव्य शिव मंदिर स्थित है। इसमें विभिन्न देवी-देवताओं की सुंदर प्रतिमाएँ स्थापित हैं। समयानुकूल यात्रियों की मांग के अनुरूप नाथद्वारा में सेवा सदन के अतिरिक्त भूखंड पर करीब 70 हजार वर्गफीट के भव्य आधुनिक सदन ''नवीन श्रीनाथ भवन'' का निर्माण करवाया जा रहा है, जो पूर्णतः वातानुकूलित (एसी) होगा। इसमें डोरमैट्री, डीलक्स व सुईट रूम भी होंगे। इसके अलावा एसी भोजनशाला, बेन्क्वेट व कॉन्फ्रेंस हॉल, सत्संग एवं रिसेप्शन हॉल, लॉबी आदि शामिल होंगे।

'दिल तो है दिल' ने बताई दिल की चिंता

नागपुर. विश्व हृदय दिवस पर दिव्य दिशा फाउंडेशन, तेजस्विनी महिला मंच एवं नगर माहेश्वरी सभा नागपुर जोन 4 के संयुक्त तत्वावधान में हृदय को स्वस्थ बनाए रखने की जानकारी संगीतमय कार्यक्रम 'दिल तो है दिल' द्वारा मनोरंजक रूप से दी गई। इसे अत्यंत सराहा गया। शुभारंभ दिव्य दिशा फाउंडेशन के अध्यक्ष रमेश मंत्री, नगर माहेश्वरी सभा जोन 4 के अध्यक्ष सुरेश गांधी, तेजस्विनी की मानद अध्यक्ष आशा सारड़ा, अध्यक्ष किरण मुंदड़ा, हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रमोद मूंदड़ा, मनोचिकित्सक डॉ. अभिषेक सोमाणी आदि द्वारा किया गया। प्लेटिना हॉस्पिटल की ओर से हृदय की देखभाल पर मनोरंजक नाटिका की प्रस्तुति की गई। डॉ. प्रमोद मुंदड़ा तथा डॉ. अभिषेक सोमाणी से दिल के हर पहलू पर दिलचस्प रूप से वार्तालाप किया गया। दिल पर लिखे कई फिल्मी तराने स्वरमधुरा ग्रुप ने पेश किए। आभार अंजू मंत्री ने माना। कार्यक्रम को सफल बनाने में शरद चांडक, सुषमा बंग, पूजा राठी, निशि सांवल, लेखा जड़िया, संगीता मंत्री आदि सदस्यों का सहयोग रहा।

वर्कशॉप के साथ निर्देशिका विमोचित

अहमदाबाद. माहेश्वरी सखी संगठन द्वारा सौष्ठा समिति अंतर्गत 4 अक्टूबर को महिलाओं की संवेदनशीलता के कारणों की खोज कर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें मनोविशेषज्ञ तृप्ति गांधी ने मार्गदर्शन दिया। सुश्रीता सखी संगठन ने मेल जोल बढ़ाने के उद्देश्य से एक निर्देशिका का विमोचन किया तथा सदस्यों की 70 सासू माँ को आमंत्रित कर उनको स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया। 21 सासू माँ ने विचार व्यक्त किए। वे पुरानी सखियों से मिलने पर भावविभोर हो गईं। अंत में सचिव अनुराधा अजमेरा ने सभी मेहमानों का आभार माना। उक्त आयोजन में अध्यक्ष मीना मूंदड़ा व सचिव अनुराधा अजमेरा का सहयोग रहा।

बिना जानकारी दिये कर दिए चुनाव अमान्य

हैदराबाद. आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के मंत्री रामप्रकाश भंडारी ने हैदराबाद-सिकंदराबाद चुनाव को अमान्य करते हुए आंध्र प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनावों को भी भावातिरेक में अमान्य करने का आरोप लगाया है। श्री भंडारी का कहना है कि न तो इन चुनावों को लेकर प्राप्त शिकायतों के संबंध में प्रदेश संगठन को कोई जानकारी दी गई और न ही स्पष्टीकरण मांगा गया। सीधे ही इन्हें अमान्य कर देना उचित नहीं है। उन्होंने महामंत्री अभा माहेश्वरी महासभा संदीप काबरा व चुनाव अधिकारी प्रकाशचंद्र बाहेती को पत्र प्रेषित कर विस्तृत जानकारी मांगी। महामंत्री श्री काबरा ने इस संबंध में स्थिति स्पष्ट कर उन्हें पत्र प्रेषित किया कि जहाँ भी 2 हजार से अधिक माहेश्वरी परिवार निवास करते हैं, वहाँ केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा चुनाव करवाये जाते हैं। इस चुनावों को लेकर महासभा की कार्यसमिति की प्रथम व द्वितीय बैठक में मुख्य चुनाव अधिकारी ने रिपोर्ट पेश की थी। सदन ने सर्वानुमति से इस रिपोर्ट को मान्य करते हुए ही इन चुनावों को अमान्य घोषित किया है।

> "समय गूंगा नहीं, बस मौन है...! समय आने पर बता देता है, किसका कौन है...!"

विपुल आईएसबी में चयनित

कोलकाता. गायक विजय सोनी के बड़े सुपुत्र विपुल सोनी का इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस हैदराबाद में चयन हुआ। विपुल ने यह उपलब्धि जीमेट में उत्तम अंक प्राप्त कर प्राप्त की है।

श्रुति ने जीता नेशनल मेडल

पिपरिया. समाज सदस्य दिनेश मंजू घुरका की सुपुत्री श्रुति माहेश्वरी (घुरका) ने जयपुर में आयोजित चैंपियनशिप ऑफ चैंपियन में कराते खेल में 12-13 वर्ष आयु वर्ग में कांस्य पदक जीतकर मप्र का नाम रोशन किया। इसमें मप्र के पन्ना, भोपाल, नागदा सहित विभिन्न स्थानों से खिलाड़ी शामिल हुए। पिपरिया आगमन पर परिजनों ने उनका स्टेशन पर पहुँचकर स्वागत किया।

अथर्व बने चैंपियन

मुंबई. एशियन चैस फेडरेशन की ओर से चैस फेडरेशन ऑफ श्रीलंका द्वारा द्वितीय वेस्ट एशियन यूथ चैस चैंपियनशिप का आयोजन वास्काडुवा में किया गया। इसमें भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए अंडर 10 ओपन कैटेगिरी में अथर्व ने चैंपियनशिप प्राप्त की।

वैभव आईआईएम में चयनित

कोलकाता. विजय सोनी के छोटे बेटे वैभव सोनी का आईआईएम कोझिकोड में चयन हुआ है। उन्होंने इसके लिये चयन परीक्षा कैट में 98.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए थे। इसके साथ उन्होंने इंटरनेशनल सीएफए का सेकंड लेवल भी पास कर लिया है।

राष्ट्रीय विजेता बनी प्रगति

मुंबई. समाज की प्रतिभा प्रगति-नटवर भट्टड़ ने राष्ट्रीयस्तर की भरतनाट्यम नृत्य स्पर्धा में सफलता प्राप्त की है। गत 1 अक्टूबर को यह दिल्ली में प्रोफेशनल सीनियर वर्ग में आयोजित की गई थी।

यश को सातवीं रैंक

उदयपुर. समाज के वरिष्ठ सदस्य डॉ. भूपेश परतानी के सुपुत्र यश ने गत 8 अक्टूबर को हैदराबाद में आयोजित ऑल इंडिया डूआथलॉन में सातवां स्थान प्राप्त किया। परतानी ने इसमें 10 किमी दौड़ एवं 40 किमी साइकिलिंग में 2 घंटे 55 मिनट का समय लिया। उल्लेखनीय है कि श्री परतानी पेशे से इंजीनियर हैं। इस उपलब्धि पर समस्त स्नेहीजनों ने हर्ष व्यक्त किया है।

अक्षत ने बढ़ाया गौरव

अहमदाबाद. समाज सदस्य राजेश-मीना मंडोवरा के पुत्र अक्षत मंडोवरा ने इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित सीए-सीपीटी परीक्षा में 200 में से 184 अंक प्राप्त कर अहमदाबाद में प्रथम स्थान प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि अक्षत पूर्व में 12वीं सीबीएसई परीक्षा में भी 96.8 प्रतिशत अंक हासिल कर अहमदाबाद में प्रथम स्थान पर रहे थे।

माधव को 10 सीजीपीए

सुखेड़ा (रतलाम). समाज के माधव मालानी ने सीबीएसई की दसवीं बोर्ड परीक्षा में 10 सीजीपीए अंक अर्जित किए हैं। उनकी उपलब्धि पर श्री माहेश्वरी समाज सुखेड़ा ने हर्ष जताया है।

देवेश को 99 प्रतिशत अंक

कोलकाता. समाज सदस्य ब्रजगोपाल व तारा लखोटिया के सुपुत्र देवेश ने आईएससीई बोर्ड की कक्षा 12वीं की परीक्षा कॉमर्स-गणित विषय के साथ 99 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण की। इसमें उन्होंने 5 में से 3 विषयों में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त किए।

नववर्ष की हार्दिक-हार्दिक मंगलकामनाएं

Somany Sanitation

Authorised Distributors For A.P.
- Somany Aquaware
- Sanitry Ware
- Somany C.P. Fittings

PROUD BNI MEMBER

Authorised Dealers for
Somany Vitrified & Ceramic Wall & Floor Tiles and Digital Tiles, Complete Bathroom Fittings & Accessories

Jagur CP Fitting and all Jagur Products

Rahul Somany +91 98490 48000
Dharmendra Kalantri +91 94413 30440

5-4, 78-1, Opp. TVS Sundaram Motors, M.G. Road, Ranigunj, **Secunderabad** - 500003, **Ph** : 27545455, 66383940

परम पूज्य अनंत श्रीविभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य
स्वामी श्री श्रीकांताचार्यजी महाराज के सान्निध्य में
108 वां श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ
अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य जियर स्वामी गोपालाचार्य जी महाराज
डेहरी ऑन सोन (बिहार) के मुखारविंद से
श्रीमद् भागवत कथा
रविवार 5 से 11 नवम्बर 2017 ■ दशहरा मैदान, अन्नपूर्णा रोड, इंदौर (म.प्र.)
मुख्य संरक्षक
श्री अनंत विभूषित जगद्गुरु
रामानुजाचार्य नागोरिया पीठाधीश्वर
स्वामी श्री विष्णुप्रपन्नाचार्य जी महाराज
सभी भक्तजनों से अनुरोध है कि कृपया सहयोग राशि
108 वां श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ समिति, इंदौर
के नाम से चेक, ड्राफ्ट अथवा आरटीजीएस द्वारा खाते में
जमा कर सूचित करें।
बैंक–स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, खेल प्रशाल शाखा, इंदौर
खाता क्रमांक : 36892061992
IFSC Code - SBIN 0030340
कार्यालय
3, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.)
संपर्क : 94259-03003, 98260-75402
https://twitter.com/MahayagyaIndore
https://goo.gl/gx98pj
Email : 108mahaygya@gmail.com
महायज्ञ
प्रातः 10 से 12 ■ मध्याह्न 3 से 5
श्रीमद् भागवत कथा
दोपहर 3.00 बजे से
संरक्षक
मानलीय श्रीमती सुमित्राजी महाजन (लोकसभा स्पीकर)
श्री कैलाश विजयवर्गीय (राष्ट्रीय महासचिव, भाजपा)
श्रीमती मालिनी गौड़ (महापौर एवं विधायक)
श्री कैलाश शर्मा (नगर अध्यक्ष, भाजपा)
सुश्री उषा ठाकुर (विधायक)
श्री शंकर लालवानी (अध्यक्ष- इंदौर विकास प्राधिकरण)
श्री विक्रम वर्मा (पूर्व केंद्रीय मंत्री, भारत सरकार)
श्री श्याम जाजू (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, भाजपा)
श्री कृष्णमुरारी मोघे (अध्यक्ष-म.प्र. गृह निर्माण मंडल)
श्री सुदर्शन गुप्ता (विधायक)
श्री जीतू पटवारी (विधायक)
श्री श्याम सोनी (सभापति-अ.भा. माहेश्वरी महासभा)
श्री नंदकुमार सिंह चौहान (प्रदेश अध्यक्ष, भाजपा)
श्री हेमंत नीमा (समाजसेवी)
श्री महेन्द्र हार्डिया (विधायक)
श्री प्रमोद टण्डन (नगर अध्यक्ष, कांग्रेस)
श्री मधु वर्मा (पूर्व अध्यक्ष-इंदौर विकास प्राधिकरण)
श्री के.पी. माहेश्वरी (एडवोकेट)
श्री 108 वां लक्ष्मीनारायण महायज्ञ समिति
रमेश मेंदोला
अध्यक्ष एवं विधायक
सत्यनारायण राठी
संयोजक (98260-75402)
गोपाल न्याती
महामंत्री (98260-54126)
कार्यकारी अध्यक्ष - रणछोड़दास गनेड़ीवाल
उपाध्यक्ष - रामेश्वरलाल असावा, भारत भूषण छाजेड़, अहमदाबाद
गिरधारीलाल सारडा, वासु टीबड़ेवाल
कोषाध्यक्ष - धनराज कोठारी
स्वागत अध्यक्ष - सुभाष गोयल (बजरंग)
सह–संयोजक - गोपाल मित्तल (शक्कर वाला)
राजेश मूंगड़, बबूल शर्मा
सह–कोषाध्यक्ष - आर.आर. गुप्ता
उप–स्वागत अध्यक्ष - मुकेश कचोलिया
मंत्री - संतोष मालधन्या, ओमप्रकाश बियाणी,
नरेन्द्र गोयल, गाजियाबाद, राजसिंह गौड़
प्रचार मंत्री - रामस्वरूप मूंदड़ा, डॉ. दिनेश सुखनंदन जोशी

TATA TEA
छोटी पत्ती
दे कड़कपन
TATA TEA
Premium
BADI PATTI KA SWAD
CHOTI PATTI KA DUM
बड़ी पत्ती
दे स्वाद
पेश है टाटा टी प्रीमियम.
जो हर पैक में दे, दो प्रकार की
पत्तियों का अनोखा मिश्रण.
इसकी छोटी पत्तियां दे कड़कपन,
जो जगाए जोश; और इसकी बड़ी पत्तियां दे
स्वाद, जो दे बेहतरीन ताज़गी.

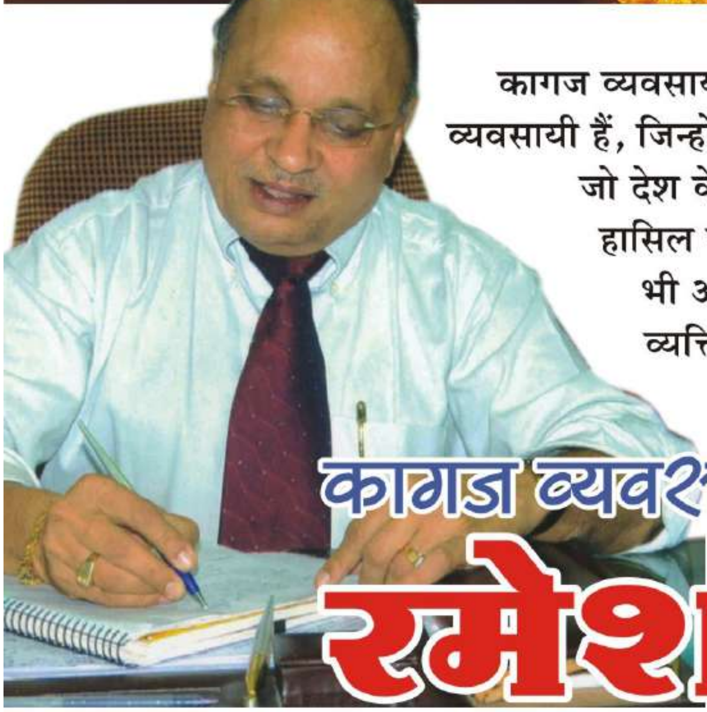

कागज व्यवसाय में नागपुर निवासी रमेश गाँधी एक ऐसे व्यवसायी हैं, जिन्होंने शुरुआत तो शून्य से की, लेकिन फिर जो देश के शीर्ष पेपर सप्लायर के रूप में सफलता हासिल की वह इतिहास बन गया। जिन्होंने शिक्षा भी अपनी मेहनत से हासिल की हो, यदि वह व्यक्ति इस मुकाम पर पहुँच जाए, तो यह एक ऐतिहासिक घटना तो होगी ही।

कागज व्यवसाय के शिखर यात्री रमेश गाँधी

महाराष्ट्र ही नहीं बल्कि सम्पूर्ण राष्ट्र के कागज व्यवसाय में नागपुर निवासी रमेश गाँधी एक ऐसे व्यवसायी हैं, जो न सिर्फ अपने विशाल नेटवर्क के द्वारा 1 हजार से अधिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों को क्राफ्ट पेपर्स सप्लाई कर रहे हैं, बल्कि कागज उत्पादक मिलों के लिए एक सच्चे विघ्नहर्ता के रूप में भी हमेशा सामने आते रहे हैं। वर्तमान में जब देश कागज निर्माण के लिए अच्छे फाइबर्स की कमी से जूझ रहा है, तो इस स्थिति में भी श्री गाँधी की कंपनी आरए क्राफ्ट पेपर प्रा.लि. ही उनकी मददगार बनकर सामने आई। उनकी यह कंपनी वर्तमान में देश की सर्वोच्च कागज सप्लायर्स है, जो 90 कागज मिलों के प्रतिनिधि के रूप में सेवा दे रही है।

संघर्ष से जीवन की शुरुआत

श्री गाँधी का जन्म सन् 1951 में मलकापुर (अकोला) में हुआ। प्रारंभिक शिक्षा मलकापुर में पूर्णकर अकोला से एमकॉम तक शिक्षा ग्रहण की। कॉलेज की इस पढ़ाई के लिये भी इतने स्वावलंबी रहे कि अपनी कमाई से ही कॉलेज की फीस भरी। इसके लिये गोली बिस्किट व सब्जियाँ तक बेची फिर मुंबई में नौकरी की। इसी दौरान नागपुर के प्रतिष्ठित व्यवसायी श्री श्यामसुंदर चाँडक की सुपुत्री शोभाजी के साथ वर्ष 1978 में परिणय बंधन में बंध गये। उनका विवाह ही उनके जीवन के बड़े परिवर्तन का कारण बन गया। ससुरजी श्री चाँडक स्वयं बेहद प्रतिगतिशील सोच के कर्मठ व्यवसायी थे। उनकी प्रेरणा से वर्ष 1980 में आर.एस. इंटरप्राइजेस की स्थापना की। मात्र 15 माह में इनका सफल व्यवसाय 8 लाख पार कर गया। इसमें पेपर व्यवसायी मित्र रामअवतार अग्रवाल का विशेष सहयोग रहा।

जीवन ने फिर लिया मोड़

कागज व्यवसाय के विस्तार के लिये उन्हें अक्सर मुंबई जाना पड़ता था। अतः श्री गाँधी ने वर्ष 1985 में मुंबई में आरएस इंटरप्राइजेस की स्थापना की और सपरिवार मुंबई में निवास करने लगे। व्यवसाय अच्छा चल रहा था, तभी उनका 14 सितंबर 1986 में एक्सीडेंट हो गया और उन्हें 9 माह तक बेड पर रहना पड़ा। इससे उनका जमा-जमाया व्यवसाय फिर से चौपट हो गया। ससुरजी श्री चाँडक इस स्थिति में भी पुनः उनका सम्बल बने। श्री गाँधी ने पूरे परिवार को नागपुर पहुँचा दिया और स्वयं समर्पित भाव से व्यवसाय में जुट गए।

संघर्ष व सफलता का सफर

मुंबई व नागपुर दोनों स्थानों पर व्यावसायिक संबंध होने से व्यवसाय तेजी से बढ़ने लगा। सर्वप्रथम औरंगाबाद पेपर मिल की एजेंसी ली और जलगाँव, जालना, नासिक आदि औद्योगिक शहरों में क्राफ्ट पेपर सप्लाई करने लगे। फिर धीरे-धीरे उनकी एजेंसी बढ़ती ही चली गई। वर्तमान में उनकी कंपनी आरए क्रॉफ्ट पेपर्स के पास लगभग 90 मिलों की एजेंसी हैं और एक हजार से अधिक बड़े औद्योगिक ग्राहक। इसमें सभी भाइयों का भी सहयोग मिला। वर्तमान में महाराष्ट्र, आंधप्रदेश, मप्र के औरंगाबाद, नासिक, कोल्हापुर, पुणे, हैदराबाद, इंदौर व

सेवा ने दिलाया सम्मान

श्री गांधी की कम्पनी पेपर व्यवसाय के क्षेत्र में न सिर्फ ग्राहकों बल्कि पेपर उत्पादकों के बीच भी एक अत्यंत सम्माननीय स्थान प्राप्त कर चुकी है। वर्तमान में देश के सबसे बड़े पेपर सप्लायर का गौरव इसी कम्पनी को प्राप्त है। कम्पनी की इन्हीं सेवाओं को लेकर पेपर व्यवसाय के देश के शीर्ष सम्मान "सर्वोच्च पेपर सप्लायर" से चैन्नई में आयोजित कार्यक्रम में राज्यपाल द्वारा सम्मानित किया गया। वर्ष 2013 में फेडरेशन ऑफ कोरुगेटेड बॉक्स मेन्युफेक्चरर्स ऑफ इंडिया द्वारा 'श्री बी.के.दोषी ट्रॉफी' से सम्मानित किया गया। इकोनॉमिक डिवलपमेंट फोरम द्वारा 'एक्सीलेंस इन इकोनॉमिक डिवलपमेंट अवार्ड फार बिजनेस एक्सीलेंस 2011' से वर्ष 2012 में सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ऑल इंडिया एचीवर्स फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2012 में ही 'इंडियन लीडर शिप अवार्ड फार इण्डस्ट्रीयल डिवलपमेंट' से सम्मानित किया गया।

वापी आदि तक में कंपनी के अपने ऑफिस हैं। अपने वृहद नेटवर्क के द्वारा कंपनी 20 हजार टन से अधिक कागज का प्रतिमाह व्यवसाय कर रही है। कंपनी की सफलता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कंपनी का 550 करोड़ रुपए से अधिक का वार्षिक टनओवर है। उनके व्यवसाय की विशेषता यह है कि सभी शाखाऐं संयुक्त परिवार रूप में भाई, भतीजों व पुत्रों द्वारा संचालित है।

अच्छे कागज के लिए नई सोच

भारत में वन्य क्षेत्र कम होने से अधिकांश कागज मिलें कागज को 4-5 बार रिसाइकिल कर लेती हैं। इससे कागज की क्वालिटी सही नहीं रह जाती, जबकि अच्छे कागज के लिए अच्छे फाइबर्स की जरूरत होती है। स्वयं श्री गाँधी बताते हैं कि इसी कमी को दूर करने के लिये उनकी कंपनी ने यूएसए, कनाडा व खाड़ी देशों से अच्छी क्वालिटी का वेस्ट पेपर आयात करना प्रारंभ कर दिया। वर्तमान में यह आयात 25 हजार टन प्रतिमाह है, जो तेजी से बढ़ रहा है। पुत्र राहुल फेमिली बिजनेस मेनजमेंट में एस.पी. जैन से एम.बी.ए. करके आये हैं। वेस्ट पेपर व्यवसाय उनकी सोच का नतीजा ही है और वे ही इसे सम्भाल रहे हैं

परिश्रम ही सफलता का सूत्र

श्री गाँधी का युवाओं से कहना है कि परिश्रम ही सफलता का एकमात्र सूत्र है, जिसका कोई पर्याय नहीं है। हम व्यवसाय से प्रेम करेंगे तो व्यवसाय हम से प्रेम करेगा, यह कभी न भूलें। श्री गाँधी स्वयं संयुक्त परिवार के पक्षधर हैं, लेकिन सभी को जबर्दस्ती एक साथ बांधे रहने के विरोधी भी हैं। उनका मानना है कि हम जबर्दस्ती साथ रहने के स्थान पर यदि अलग-अलग रहकर भी मिल-जुलकर कर चलें तो यह तनाव की स्थिति से बेहद अच्छा है। हमेशा पारिवारिक व व्यावसायिक संबंधों में संतुलन बनाकर चलें। हमारा परिवार व्यावसायिक कारणों से अलग-अलग रहता है लेकिन हम सभी दीपावली पर 4-5 दिन साथ ही रहते हैं। इस समय जो आनंद आता है, उसका हम सालभर इंतजार करते हैं। वे अपनी सफलता का श्रेय भगवान गणेश को देते है उनका कहना है कि हमारा ब्रिद वाक्य 'जय गणेश' है। हमारे सभी सम्बंधी व मित्र ही नहीं बल्कि मुस्लिम आदि धर्म के व्यवसायी भी 'गुड मार्निंग' की जगह 'जय गणेश' से वार्तालाम की शुरुआत करते हैं।

उन्हीं की जुबानी सफलता के राज

▸▸ देश सुधारों छोड़कर परिवार सुधारों, 10 परिवार सुधरेंगे तो गांव - गांव से शहर, शहर से जिला - प्रदेश तो देश अपने आप सुधर जाऐगा।

▸▸ आज इस पारिवारिक प्रदूषण में हम भाई, पुत्र सहित अपने-अपने क्षेत्र में व्यवसाय की ऊंचाईयों को छू रहे है। इसका श्रेय हमारी संयुक्त परिवार व्यवस्था को जाता है। हम सभी एक धागे से पिरोये हुए है। चाहे व्यावसायिक कारणों से निवास अलग हो लेकिन हर पर्व, त्यौहार व अवसर पर साथ-साथ है।

▸▸ प्रगति श्रेय पूर्णतः गणेशजी को समर्पित करते है व Destiny को मानते है, परन्तु कर्म को Destiny से अलग रखते है, Destiny गणेश जी की आस्था व मनोबल देता है व जमीन से जोड़ता है। कर्म-फल एवं आत्म विश्वास, सफलता देता है।

▸▸ बगैर कर्म के कुछ नहीं मिलता। परिश्रम व विजन के साथ प्रसन्नता व विश्वास के सिवाय आनंद प्राप्त नहीं होता।

▸▸ सफलता का मापदंड सिर्फ पैसा कमाना ही नहीं है। इसमें संयुक्त परिवार, आशावाद, स्वास्थ्य, नई पीढ़ी के लिये सहीं प्लेटफार्म बनाना, स्वयं, परिवार व ईश्वर के प्रति आस्था, विजन तथा बड़ों के प्रति आदर भाव भी शामिल है।

▸▸ हमारी ऊर्जा का राज हमारी दिनचर्या है। हम सभी सदस्य प्रायः 1 घंटा योग, जिम या मार्निंग वॉक करते है।

▸▸ मैं स्वयं 1 घंटा रोज परमेश्वर की नियमित आराधना करता हूँ। इससे इस उम्र में भी कुछ नया करने का उत्साह कायम है।

▸▸ माता पिता साक्षात देव हैं। वे सभी को प्रसन्नचितत देखकर स्वयं तो गौरवान्वित महसूस करते ही हैं, साथ ही सभी को भरपूर आशीष भी देते हैं।

जब बुरे वक्त में अपने भी बेगाने हो गये, तो ऐसे में उनके संबल बने एक बोहरा व्यापारी। उनके व्यावसायिक संबंध ऐसे परवान चढ़ें कि उनके आपसी रिश्तों ने बिजनेस पार्टनर की जगह भाइयों सा रूप ले लिया। भीलवाड़ा निवासी सत्यनारायण मूंदड़ा की यह कहानी साम्प्रदायिक सोच रखने वाले लोगों के लिए आज एक मिसाल बन चुकी है।

साम्प्रदायिक सद्भाव की मिसाल

सत्यनारायण मूंदड़ा

▸▸ शंकर सोनी, भीलवाड़ा

बर्तन उद्योग के क्षेत्र में विकास इंडस्ट्रीज शहर में एक प्रतिष्ठित नाम है। इसकी प्रतिष्ठा इसकी क्वालिटी को लेकर तो है हीद्ध साथ ही साम्प्रदायिक एकता को लेकर भी है। कारण है इसका संचालन। इस उद्योग को बोहरा समाज के व्यवसायी शाबीर भाई व सत्यनारायण मूंदड़ा, गत 30 वर्षों से एक-दूसरे के साथ पार्टनर के रूप में चला रहे हैं। अब तो उनकी यह पार्टनरशिप एक पारिवारिक रिश्ते का रूप ही ले चुकी है। शाबीर भाई के 6 भाई-बहन हैं और वे सातवाँ भाई सत्यनारायण मूंदड़ा को मानते हैं। शाबीर भाई व श्री मूंदड़ा अपने अंतर्मन की कोई बात एक-दूसरे से कभी नहीं छुपाते।

बुरे समय ने दिखाई हकीकत

भीलवाड़ा जिले की जहाजपुर तहसील के पीप्लून्द गाँव में श्री बंशीलाल मूंदड़ा एवं श्रीमती लाडूबाई के यहाँ रामनवमी के शुभ अवसर पर जन्मे सत्यनारायण मूंदड़ा अपने सात बहन-भाइयों में पांचवें स्थान पर आते हैं। अपनी प्रारंभिक शिक्षा उन्होंने अपने पैतृक गाँव से प्राप्त की। तत्पश्चात बीकॉम एवं एलएलबी भीलवाड़ा से की। सन 1984 में इनका विवाह कोटा शहर में जन्मीं श्रीमती गायत्री से हुआ, जिनसे उन्हें एक पुत्री प्राप्त हुई। पुत्र और पुत्री में भेद नहीं करने वाले श्री मूंदड़ा ने अपनी पुत्री नेहा को उच्च शिक्षा एवं संस्कार देकर मुंबई के प्रतिष्ठि परिवार में विवाह किया। महाजन परिवार में जन्मे सत्यनारायण जी ने अपने माता-पिता के अल्प आर्थिक सहयोग एवं आशीर्वाद से भीलवाड़ा शहर में सन 1982 में अपने कृषि यंत्रों के निर्माण की फैक्ट्री से अपना व्यावसायिक जीवन प्रारंभ किया जिसमें वे सन् 1986 में अपने सिद्धांत धन से अधिक रिश्तों को महत्व देते हुए अलग हो गए। उसी समय उनके जीवन में एक खराब मोड़ आया। श्री मूंदड़ा की तबीयत अति ज्वर से टाइफाइड में परिवर्तित होने से अचानक इतनी खराब हो गई कि उनके समीप लोगों को तो किसी अनहोनी की आशंका सताने लगी। उसे याद करते हुए श्री मूंदड़ा बताते हैं कि जीवन के उस पल से भी मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला। सही मायने में अपने पराये की परख उन्हीं दिनों में हुई। एक विशेष प्रसंग का उल्लेख करते हुए वे बताते हैं कि उनके स्वास्थ्य में गिरावट की वजह से उनके पारिवारिक व्यक्ति जिन्होंने उनकी कुछ आर्थिक सहायता कर रखी थी, उन्होंने कहा कि भैया किसी से कहलवा दो कि अगर तुम्हें कुछ हो जाए तो इस व्यक्ति का पैसा चुका दें।

समाजसेवा में भी सतत सक्रिय

अपनी तमाम व्यस्तता के बावजूद श्री मूंदड़ा समाजसेवा में भी योगदान दे रहे हैं। सामाजिक कार्यों की प्रेरणा उन्हें अभा माहेश्वरी समाज के तत्कालिक अध्यक्ष व संगम समूह के चेयरमैन रामपाल सोनी से प्राप्त हुई। उन्हें सन् 2007 में भीलवाड़ा शहर में आयोजित अखिल भारतीय माहेश्वरी सम्मेलन में आवास व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिसे उन्होंने सराहनीय रूप से पूर्ण किया। बस यहीं से उनका सामाजिक सरोकार का रथ चल पड़ा। श्री मूंदड़ा ने अपने 21 मित्रों के साथ मिलकर भीलवाड़ा शहर में एक स्वपोषित वृद्धाश्रम "श्री ओम शांति सेवा संता" की स्थापना की। आज यह आश्रम समाज में एक अति सम्मानित संस्था के रूप में स्थापित होकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारी निभा रहा है। इस संस्था को राज्य सरकार द्वारा जिला स्तर पर सम्मानित किया जा चुका है। श्री मूंदड़ा अपना दायित्व समझते हुए इसे सन् 2012 से ट्रेजरार रूप में सम्बद्ध होकर अपनी सेवा दे रहे हैं। शैक्षणिक क्षेत्र में भीलवाड़ा जिले की सम्मानित संस्था श्री महेश सेवा समिति में जो वर्तमान में राधेश्याम चेचाणी की अध्यक्षता में नए आयाम स्थापित कर रही है, सन 2012 से वर्तमान तक ट्रेजरार के रूप में अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे हैं। उज्जैन स्थित चारधाम मंदिर पीठाधीश्वर श्री शांतिस्वरूपानंद जी के आशीर्वाद से संचालित भागवत कथा समिति के सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में अपना दायित्व निभा रहे हैं। श्री मूंदड़ा अखिल भारतीय माहेश्वरी महासभा के 27वें एवं 28वें चैप्टर के कार्यकारीणी मंडल के सदस्य के रूप में भी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वाह कर रहे हैं।

ऐसे समय में मिले शाबिर भाई

ईश्वर की कृपा से उन्हें नया जीवन दान मिला और लगन के धनी श्री मूंदड़ा फिर से नए मुकाम की तलाश में जुट गये। इसी दौरान भीलवाड़ा शहर के बोहरा समाज में अति प्रतिष्ठित शाबिर भाई के संपर्क में आए। जिनका स्वयं का सुस्थापित व्यापार था। उनके साथ उन्होंने व्यापार करने का मन बनाया लेकिन शाबिर भाई ने इसके लिए निश्चित धन निवेश के लिये कहा। मूंदड़ा जी अभी अपने खराब स्वास्थ्य से उबर ही थे और किसी को आर्थिक मदद के लिए कह भी नहीं सकते थे। परंतु हिम्मत और जूनून ने उनका साथ ही नहीं छोड़ा और दी गई अवधि के आधे समय में ही वे शाबिर जी के पास अपने हिस्से की रकम लेकर पहुँच गए और विकास इंडस्ट्रीज की यात्रा शुरू हो गई, जो 1986 से निर्बाध रूप से उन्नति की ओर अनवरत जारी है। आज बर्तन उद्योग में सत्यनारायण मूंदड़ा की मेहनत और ईमानदारी से विकास इंडस्ट्रीज एक सफलतम संस्था के रूप में जानी जाती है जिसे अनेक राष्ट्रीय एवं क्षेत्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। उनकी व्यापारिक लगन से प्रेरित होकर भीलवाड़ा मेटल एसोसिएशन ने उन्हें अपना सचिव नियुक्त किया, जिसकी जिम्मेदारी उन्होंने 15 वर्ष तक प्रशंसनीय रूप से निभाई है।

एक कर्मयोगी को श्रद्धांजलि

एक सच्चे कर्मयोगी और अतुलनीय दूरदृष्टता का इस संसार से चला जाना एक अपूरणीय क्षति है। हमारे मार्गदर्शक व प्रसिद्ध समाजसेवी श्री द्वारकादास राठी दस वर्ष पूर्व हमारे मने में अपनी अमिट याद छोड़कर अनन्त यात्रा पर चले गए। अनुकरणीय व्यक्तित्व श्री राठी ने पुरानी कहावत ''कार्य शब्दों से अधिक बोलता है'' को चरितार्थ करते हुए हमेशा अपनी मौन उपस्थिति दर्ज कराई। उनके न रहने के कारण जो अन्धकार छा गया है उसे हम उनके जीवन दर्शन के प्रकाश से दूर करने का निरंतर प्रयास करते रहेंगे।

maheshwari.org के संस्थापक

श्री द्वारकादास राठी

20.02.1959 - 28.10.2006

लड़के-लड़कियों के रिश्ते ढूँढना हुआ बेहद आसान
हमारी वेबसाइट है इसका सही समाधान

High Status,
Middle Status,
NRI, Manglik, Non Manglik,
Biodata MBA, MCA, Doctor,
Engg. Biodata, CA, CS,
ICWA Biodata

Graduate,
Post Graduate Biodata
Professional Biodata
Businessman Biodata
Service Class Biodata

माहेश्वरी समाज के लिए 60 हजार से अधिक

जैन समाज के लिए 70 हजार से अधिक

अग्रवाल समाज के लिए 1 लाख से अधिक

Website

www.maheshwari.org
www.jain2jain.org
www.agrawal2agrawal.org

Registration Free

Registration Free

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें-

39/1, Old Rajendra Nagar, New Delhi-110060
Phones :011-25746867, M. : 093129 46867

बहू को बहू मानें या बेटी?

वर्तमान दौर में पारिवारिक रिश्तों को मजबूती व मधुरता प्रदान करने के लिये बहू को बेटी के रूप में प्रस्तुत करने की लगभग परम्परा या कहें 'फेशन' बन गया है। इस नवीनता में मधुरता तो है, लेकिन क्या यह उचित है? इससे बहू का सम्मान बढ़ेगा या घटेगा? क्या इससे वह पूरे परिवार के स्नेह की अधिकारिणी बन

जाऐगी? इन्हीं प्रश्नों के समाज के बीच उत्तर खोजने की कोशिश की है श्री माहेश्वरी टाईम्स ने आईये जाने क्या है समाज के प्रबुद्ध पाठकों की सोच

▸▸ सुमीता मूंदड़ा, मालेगांव (मो. 7798955888)

नाम ही नहीं सोच बदलें

बहू भी बेटी ही होती है, क्योंकि बहू ही संपूर्ण परिवार की रीढ़ बनकर उसका संचालन करती है। अपनी सारी जिम्मेदारी के दम पर बिखेरती है उज्ज्वल छटा हर कोने में। मगर सास-ससुर, पति एवं अन्य सदस्य भी उसको अपनत्व के ढांचे में डाल पाते हैं या नहीं, ये अहम मुद्दा है। किसी भी नए सदस्य को किस तरह स्वीकार किया जाये। इसमें सबसे महत्वपूर्ण है 'मानसिकता' बहू को मन से अपनायें, किसी गलती पर कटाक्ष न करें। प्रेम से समझाएँ क्योंकि बहू किसी दूसरे जहान से आयात नहीं होती। हमारे इर्द-गिर्द परिवारों से ही आती है। जब हम बेटों को हमारी शान बेटियों को अपना गुमान कह सकते हैं, तो बहुओं के लिए इन शब्दों का प्रयोग क्यों नहीं कर सकते। बहू को भी बेटी की तरह प्यार, सम्मान, अधिकार दें तो वो भी अपने घर का नाम रोशन करेगी और निश्चित रूप से करेगी। नकारात्मक सोच को बस सकारात्मकता में बदलने की जरूरत है। सकारात्मक विचार अपनाने से न केवल परिवार में समृद्धि और खुशहाली रहेगी, अपितु समाज को भी एक नई दिशा मिलेगी

स्वाति 'सरु' जैसलमेरिया
(जोधपुर)

बहू को बहू सा सम्मान दीजिए

आजकल कुछ नए पारिवारिक विशेषज्ञ यह सलाह दे रहे हैं कि अपनी पुत्रवधू को बेटी बनाकर रखिए। मुझे यह बात कुछ अटपटी सी लगती है। बहू को बेटी बना लेंगे तो फिर बहू कहाँ से आएगी? मेरा मानना है कि जिस घर में बहू होती है, जो अपने ससुराल पक्ष के परिवार को स्वयं में आत्मसात कर लेती है, वह परिवार गुलाब की सी खुशबू से महक उठता है। बेटी को भी ऐसी ही सीख देकर उसके ससुराल भेजना चाहिए। कहते भी हैं कि बेटी 2 घरों का नाम रोशन करती है ...यदि ससुराल वाले भी उसे बेटी बना लेंगे तो इस कहावत का अर्थ ही न रह जाएगा।

बहू प्रातःकाल नहा-धोकर सुबह पूरे घर का एक चक्कर नित्य प्रतिदिन लगा ले तो वह घर सुगंधित हो जाता है। बेटी घर में कैसे रहती है, इस बात का अलग आनंद है और बहू का घर में रहने का स्वार्गिक आनंद अलग है। सुखी परिवार को दोनों आनंद की अनुभूति करनी चाहिए। बेटी अपने अधिकार से बात करती है जबकि बहू अपने सुप्रभाव से बात करती है। बेटी के संस्कारों से गर्व होता है तो बहू के संस्कारों से तृप्ति मिलती है। अतः बेटी को बेटी मानिए और बहू का प्यार बहू को दीजिए।

जुगलकिशोर सोमाणी (जयपुर)

बहू को बेटी मानना उचित

बहू, बहू के स्वरूप मे स्वीकार्य रहती है लेकिन अब संयुक्त परिवारों के विघटन व सीमित परिवार के प्रचलन से कई रिश्ते लोप के कगार पर पहुंच गये है। संयुक्त परिवार में बहू नहीं बहूयें आती थी। उनकी भूमिका केंद्र मे रहती थी, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा व सामूहिकता की पालनार्थ होती थीं। युगानुकूल परिवर्तन से एकल बहू ने बेटी का स्वरूप सृजन कर लिया है। समय की मांग अनुसार बहू को बेटी मानना उचित है। सीमित परिवार में बहू के सीधे संवाद सास ससुर से होते हैं तथा छोटे परिवार में आपसी संवाद बहू की भूमिका को कुछ दायरे में बांधते हैं। जिसकी रिक्तता की टीवी व इंटरनेट से पूर्ति का प्रयास होता है। ऐसी परिस्थिति में बहू का बेटी के रूप में अवतरण होना ही सफल परिवार के रूप में सार्थक हो पाएगा। एक-दूसरे की निजता में विश्वास, अपनापन, गहराई व सच्चाई के साथ स्वीकारोयुक्त परिवार के सभी सदस्यों को इस भूमिका में अपना-अपना दायरा इस अनुरूप विस्तृत करना होगा। तभी बहू, बेटी की भूमिका में अपने सही किरदार का शत-प्रतिशत दे पायेगी। इससे मजबूत परिवार का सृजन होगा। मजबूत परिवार से सशक्त समाज बनता है। सशक्त समाज से सुदृढ़ राष्ट्र का निर्माण होता है। इस प्रकार बहू को बेटी मानना ही उचित होगा।

सत्यनारायण भट्टड़, (जोधपुर)

बेटी के रूप में रिश्ता अधिक सुंदर

निःसंदेह, घर में आने वाली बहू को बेटी स्वीकार कर लिया जाए तो वो घर किसी स्वर्ग से कम नहीं होता। सास-बहू का रिश्ता अगर 'माँ-बेटी' का बन जाता है तो उनके साथ-साथ इससे जुड़े कई रिश्तों को खुशियों के पंख लग जाते हैं। पर, एक नहीं, दो नहीं सैकड़ों रिश्तों को नजदीक से देखने से मुझे निराशा होती है कि कई घरों में बहू बेटी नहीं बन सकती...और सास माँ। आत्मीयता से उपजे रिश्ते ही लंबी पारी खेला करते हैं, अन्यथा प्रयोजित रिश्ते शैशवकाल में ही दम तोड़ देते हैं। खैर, हम अपने परिवार की बच्चियों को शुरू से ही उनके नए जीवन, नए रिश्तों के मायने बता कर सकारात्मक तरीके से समझाऐं... और हम स्वयं भी घर में आने वाली नई सदस्या के लिए मानसिक रूप से ढलने का प्रयत्न करें, तो अवश्य ही बहू बेटी और सास माँ बन आपसी रिश्तों को सुंदर बना सकती है।

नसिंह करवा 'बंधु' (जोधपुर)

बहू को न करें अस्तित्व से वंचित

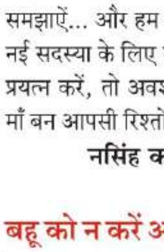

बहू और बेटी दोनों के अलग-अलग अधिकार और सीमाएं होती हैं। परिवार को भी दोनों को अलग-अलग रूप में स्वीकार करना चाहिए। कुंवारी बेटी के अधिकार अपने पीहर में असीमित होते हैं पर विवाहित बेटी ससुराल जाकर जब नये अस्तित्व को प्राप्त करती है तो स्वयं ही पीहर पर अधिकारों को संयमित करने लगती है। ससुराल में बहू का मान-सम्मान, जिम्मेदारियां और अधिकार उसको बेटी से गृहिणी बनाते हैं। यदि ससुराल में भी बहू को बेटी की तरह माना गया तो उसमें गृहिणी की परिपक्वता का अभाव होगा और परिवार की रीढ़-धुरी (गृहिणी) कमजोर रहेगी। बेटी तो विवाह के बाद पराई हो जाती है, बहू ही घर की आजीवन सदस्य होती है। उसको उसकी अपनी पहचान-सम्मान और अधिकार देने चाहिए।

राजकुमार मूंधड़ा (मालेगांव)

बहू को दें बहू का दर्जा

मेरा मानना है कि हमें बहू को बहू का दर्जा ही देना चाहिए क्योंकि वो ही हमारे परिवार को एक नई पहचान दिलाने की क्षमता रखती है और एक समझदार बहू लक्ष्मीजी का ही सरल उपलब्ध स्वरूप में होती है। बेटी तो पराया धन है फिर बहू को पराया धन कैसे मानें? जबकि वो तो घर की लक्ष्मी होती है। एक बहू ही हो सकती है जो अपना अधिकार खुशी से छोड़कर किसी और परिवार को अपनाने में अपना सबकुछ न्योछावर कर देती है। बेटी का एक अलग रूप होता है और उसका मान भी अपनी जगह पर रखना चाहिए। लेकिन बहू ही होती है जो हमारे परिवार में नये आंगतुक के लिए असहनीय पीड़ा सहते हुए भी उसे हर दुःख से दूर रखती है और अच्छे संस्कारों से उसकी परवरिश करती है। माफ करना वो बहू ही हो सकती है, बेटी नहीं।

विमलप्रकाश बूब (जोधपुर)

बहू व बेटी दोनों अलग

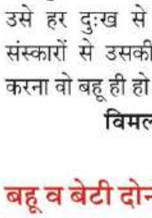

"सात फेरों से बढ़कर आगे, पुत्री जो पुत्रवधु कहलाए। सात वचनों को सही से आजमाये कुलवधू वो ही कहलाए।"

आज के आधुनिक युग में बहू और बेटी में फर्क यह सवाल सबकी अपनी मानसिकता पर निर्धारित है। अगर परम्पराओं को विज्ञान से जोड़ा जये तो वैज्ञानिक मीमांसा भी जरूरी है। माँ की गर्भ-नाल बेटी के साथ जन्मान्त तक इस तरह जुड़ी होती है कि उसके स्पंदन भावनात्मक रूप से दोनों को बांधे रखते हैं। पर क्या बहू के साथ यह बंधन बन पाता है? कुछ वंश परम्परागत अधिकार बेटी को ही प्राप्त है, बहू को नहीं। गोत्र, वंश का नाम बेटी को जन्म से ही प्राप्त है, जबकि बहू को इस घर में ब्याहने के बाद। एकल पुत्री संतान के घर में अग्निदाह संस्कार का अधिकार बेटी का ही है ना कि बहू का। समाजिक मान-मर्यादा का पालन कुलवधू का सर्वसम्मत आधिकार है।

सोनाली काला, (मालेगांव)

बहू को बेटी मानना ही होगा

समय की मांग है, बहू को बेटी मानना ही पड़ेगा। वर्तमान में हर परिवार में मात्र एक या दो बच्चे ही हैं व सभी दंपति भी उनका एक समान ही लालन पोषण कर रहे हैं। एक सी ही शिक्षा व एक सी ही सुविधा। अतः जैसी हमने बेटी बड़ी की है, वही व्यवहार हमें बहू से करना पड़ेगा, नहीं तो एकाकी जीवन व्यतीत करना पड़ेगा। चाहे फैशन हो, कपड़े पहनने का ढंग हो, गृहकार्य हो या सामाजिक जो अपेक्षा हम बेटी से कर रहे थे, वही बहू से करना उचित होगा। हमारे इस तरह के व्यवहार से बहू को भी असहजता महसूस नहीं होगी यदि कहीं किसी चीज में उसमें कमी भी होगी, तो धीरे-धीरे वह दुरुस्त करने लगेगी। पर जहां हमने बहू को बेटी नहीं वरन बहू माना कि हमारे अंदर का अहं जाग जायेगा, व समय असमय हम बहू को टोकाटोकी करने लगेंगे व वार-प्रतिवार दोनों ओर से शुरू हो जाऐंगे। आज की कड़वी सच्चाई है, हजार पर आठ सौ बच्चियां हमारे समाज में हैं। उस पर भी लव मैरिज व अच्छे शहर व नौकरी के चक्कर में अंतरजातीय विवाह। इन सबके उपरांत जैसे तैसे विवाह हो भी गया, तो उसे सलामत रखना बड़ी विडंबना, क्योंकि समाज में वर्तमान में हर 50 शादी में 5 पर तलाक तय हैं। अतः समय की व भविष्य की यही मांग है, कि हमें अपनी बहू को बेटी के समकक्ष ही मानना होगा।

प्रकाश मूंधड़ा (मनासा, नीमच)

बहू को बेटी मानना जरूरी

आज आधुनिक युग में बहू को बेटी मानने से आदर्श परिवार का निर्माण हो सकता है। विवाह के पश्चात परिवार की नींव रखी जाती है। विवाह के पश्चात परिवार का निर्माण इस कारण से होता है कि उसके साथ एक स्त्री (बहू) शक्ति जुड़ जाती है। बहू को जब एक पत्नी के रूप में स्थान प्राप्त होता है तो व्यक्ति जीवन के किसी भी सघंर्ष के लिए तैयार हो जाता है। बाद में दाम्पत्य जीवन में अलगाव की स्थिति अत्यंत घातक बन जाता है। अलगाव को रोकना हो तो बहू को बेटी स्वीकार करना उचित रहेगा।

श्यामसुंदर धनराज लखोटिया, (मालेगांव)

बहू को बेटी मानना उचित

बहू को बेटी मानना बिल्कुल उचित है, क्योंकि हमारी बेटी को भी कोई भी बहू बनाकर ले जाता है। पिता के घर में पली पोसी बेटी दूसरों के घर की मालकिन बनकर पीढ़ी दर पीढ़ी उस परिवार का नाम रोशन कर सकती है। ठीक उसी प्रकार बहू भी बेटी से बढ़कर नाम रोशन करती है। बहू को हमेशा जिस परिवार ने अपनी बेटी की तरह व्यवहार करके खुश रखा हैं और बहू जितनी खुश रहती है वह परिवार गगन चुमता है। बहू को आत्मसम्मान दे, वो घर की लक्ष्मी है और वही घर का नाम रोशन करती है। इन्हीं कारणों के साथ शादियों के बाद में बहू को महत्व ज्यादा दिया गया है इसीलिए बहू को बेटी तरह माने।

गोवर्धन भूतड़ा, (जोधपुर)

बहू तो बहू होती है

अक्सर लोगों को कहते सुनता हूँ 'हमारी बहू बेटी जैसी है'.....क्या आपने कभी किसी को कहते सुना है कि 'मम्मी बिल्कुल पापा जैसी है या पापा मम्मी जैसे हैं'.....नहीं? क्योंकि पापा-पापा होते हैं और मम्मी-मम्मी। उन्हें किसी के जैसा होने की जरूरत नहीं। जब हम किसी के जैसा होना चाहते हैं तो अपने अस्तित्व पर ही प्रहार कर देते हैं। बहू बेटी जैसी होनी चाहिए, यह वाक्य बहू की पहचान पर प्रश्न उठाता है। क्या बहू होने मे अपनी कोई खासियत नहीं है जो बेटी जैसा होने का प्रमाण चाहिए? बहू होना क्या इतना बुरा है? कोई यह भी क्यों कहता है' हम बहू को बेटी जैसा प्यार देंगे। इसका मतलब बहू जैसा प्यार या तो होता ही नहीं या फिर देने लायक नहीं होता। बहू, बहू होती है और बेटी, बेटी। इनकी तुलना करना बेबुनियाद है। यह तुलना करके आप संतरे से यह कह रहे हैं कि तू सेब की तरह गुणकारी नहीं हैं और सेब से ये कह रहे हैं कि तू रसदार नहीं है। बेटी घर में जन्म लेती है, उसके बचपन की किलकारियों से गूँजता है घर। बहू पराए घर से आती है। अपना बचपन कहीं पीछे छोड़ आती है। वो बेटी जैसी कैसे हो सकती है? और क्यों हो वो बेटी जैसी? जब वो कहते कि मैं बेटी जैसी हूँ। मैंने कहा मैं बचपन से तो किसी और की बेटी थी अब अचानक स्टेटस कैसे बदलूँ? मुझे नहीं होना किसी के जैसा, मैं स्वयं में ही सम्पूर्ण हूं। अगर हो सके तो मेरे बुरे वक्त में साथ खड़े रहना। मेरी स्वाभाविक कमजोरियों पर हँसना मत। मेरे मातृत्व पर सवाल मत खड़े करना। मुझे बेटी जैसा प्यार मत देना पर मुझे बहू का सम्मान देना। मुझे बहू का प्यार देना। जिससे मुझे भी अभिमान हो बहू होने का।

सुप्रिया गोपाल राठी, (संगमनेर)

बहू सिर्फ बहू के रूप में भी सुंदर

हम भूलवश ही सही परंतु बहू को बेटी की तरह मानकर जाने-अनजाने अपनी बेटी से बहू की तुलना करने लग जाते हैं। मेरा मन तो माँ की इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं हुआ। अगर अपनी ही दोनों बेटियों में देखे तो उनमें भी जमीन-आसमान का अंतर है, तो समान व्यवहार की उम्मीद कैसे कर सकती है? जबकि अगर वह अपने आप के बारे में सोचे तो क्या वह वही माँ अपनी बहू की बन सकती है जो अपनी बेटी के लिए रही है। क्या वह अपनी बहू के देर से उठने पर बुरा नहीं मानेगी, जबकि बेटी को कभी उन्होंने जल्दी नहीं उठाया। बहू की बीमारी में पुरा दिन उतनी ही सेवा कर पायेगी जितना वो बेटी की करती थी। नहीं नां, तो जब वह एक माँ की तरह बहू के साथ व्यवहार नहीं कर सकती तो बहू से अच्छी बेटी की आशा क्यों? यह बात सर्वथा सत्य है कि बेटी घर की रौनक होती है और बहू घर की मर्यादा। यह बात भी उतनी ही सत्य है कि जैसे व्यवहार आप किसी दूसरे के साथ करते हैं वही व्यवहार आपके पास लौटकर आता है। यानी अगर आप किसी से सम्मान चाहते हैं तो पहले आपको उसे सम्मान देना होगा। एक बहू जब आपके परिवार में आती है तो वह आपके तौर तरीकों से बिल्कुल अनजान होती है तो उसे प्रेमपूर्वक अपना बताने की कोशिश करनी चाहिए। अगर वो न समझ पाए तो उसकी भी सुने हो सकता है जो वह कह रही हो वही तरीका काम करने का बेहतर हो।

- श्वेता माहेश्वरी, (गुरुग्राम)

हमारी बहू बेटी की तरह क्यों

एक जनरल बात है कि हर रिश्ते, इंसान, वस्तु का अपना एक कुदरती मूल स्थान होता है। उससे किसी भी प्रकार की छेड़छाड़ करने से वह स्वरूप मूल तत्व खो देती है। बेटी परिवार में पैदा हुई, और बचपन से परिवार में परवरिश, संस्कार, गुण, धर्म मिला। शादी करके पराये घर जाने की शिक्षा व हिदायत समय-समय पर दी गई। उसी तरह बहू अपने माता-पिता के घर उनके संस्कार, शिक्षा-परवरिश में पल-बढ़कर उस सांचे में ढली है। पहले के जमाने में बचपन में शादी हो जाती थी, कच्ची उमर रहती थी तो ससुराल के सांचे में ढलना आसान था। आज एक उमर के बाद शादी होती है। उसके बाद किसी भी इंसान को बदलने, नये सांचे में ढलना मुश्किल भी होता है व इसकी बहुत ज्यादा उम्मीद करना भी गलत होता है। यह अपने खुद के स्वभाव पर बहुत कुछ निर्भर करता है। हर रिश्ते का अपना मूल स्वरूप गुण धर्म जरूरी है, उसे बदलने की कोशिश से टकराहट कड़वाहट पैदा होती है इसलिये एक उमर के बाद बहू को बेटी बनाने या बेटी जैसा बनाने की कोशिश उसके मौलिक अधिकार का हनन हो सकता है।

हर रिश्ते में दोनों तरफ से समझौता, समझदारी, समर्पण जरूरी होता है। इसलिये हमें बेटी को बेटी के रूप में व बहू को बहू के रूप में ही स्वीकार करना चाहिये।

शरद बागड़ी, (नागपुर)

बहू हो बेटी सी

जीवन बगिया की फुलवारी में एक रिश्ता सास बहू का मां बेटी सा....सुनने में बड़ा ही न्यारा पर वास्तविकता से परे? जान कर भी अनजान हैं हम या यूं कहूं कि यह मात्र हमारा भ्रम है। हमारी कथनी और करनी का इतना विशाल अंतर जान पड़ता है इस रिश्ते में। कई तलाक या अलगाव के दृष्टांत समक्ष हैं हमारे। प्रश्न यह आता है कि कहां कौन सी कमी रह जाती है नवसंबंधों की महक में कि प्यार व अपनेपन की कमी खलती है? क्यों आनेवाली बहू के आगमन के साथ ही

उम्मीदों के अंबार लग जाते हैं? जाहिर सी बात है यदि आप को उम्मीद है उससे, तो उसे भी आपसे उम्मीद होनी स्वाभाविक है। कल्पना से परे वास्तविक जीवन में यह अपेक्षा... प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से प्रताड़ित होती है, तो परिकल्पना उपेक्षा में तब्दील हो जाती है, और यहीं से शुरू हो जाती है अलगाव और अविश्वास की रेखा, जो बहू-बेटी के फर्क का फासला तय कर देती है। उस पर संस्कारों, आधुनिक एवं अपने पराये जैसे रूढ़िवादी विचारों को बल देकर दोषारोपण मढ़ दिए जाते हैं। जरूरत है हमारी दोहरी मानसिकता व नकारात्मक दृष्टिकोण को सत्यता से रूबरू होने की। दिलों के दरवाजों को विस्तृत करने की, तुलनात्मक रवैये से बचने की। सच कहूं तो बहू के आगमन पर ही जरा सी सार संभाल से नवनिर्मित संबंधों को बढ़ाया जाए तो संभव है कि बहू बेटी सी बन जाए। सिक्के के दूसरे पहलू पर गौर करना भी आवश्यक होगा कि ताली एक हाथ से नहीं बजती। जरूरत है बहू भी अपनी तहजीब, सीमाओं व संस्कारों को जहन में रखकर परिवार की गरिमा को कायम रखे, जैसा की वह मायके में करती रही। मुमकिन है रिश्तों में खटास, अलगाव और तलाक जैसे मसलों को विराम लगेगा।

लता राठी, (जोधपुर)

बहू को दें बहू का सम्मान

मेरे अनुसार बहू को बहू व बेटी को बेटी ही समझना चाहिए। जो है वही तो सत्य है। ये तो बहू पर चूंकि अत्याचार ज्यादा हुए थे। अतः भावना के नाते कहने लगे बहू को बेटी समझो, पर कोई अत्याचार कम नहीं हुए। अनुभव ये कहता है बहू को बहू समझ उसे पूरा-पूरा सम्मान मिले, प्रेम मिले, प्यार मिले। एक लड़की जब बहू बन अपने ससुराल आती है तो सभी सदस्यों की उससे अपेक्षाएं जग जाती हैं। जब वह पूरी नहीं होती हैं तो उसी समय से उस बहू की उपेक्षा का श्रीगणेश हो जाता है। अनुभव व प्रयोग करने के बाद लिख रहा हूँ कि अगर बहू को प्रेम व प्यार सभी का मिले। काम करते-करते जब वह थक जाये, तो सास उसे अपने पास बैठा अपनी गोदी में उसका सिर रख थोड़ा सहलाये तो दोनों के दिलों में प्रेम के झरने बहने लगेंगे। बेटी तो काम नहीं करेगी तो चल जायेगा पर बहू को तो करना ही है। गलती होने पर बहू को प्यार से समझाया जाना चाहिए। ये भी सोचना जरूरी है, क्या हमसे गलती नहीं होती है, क्या? जिस दिन बहू को लगेगा मेरा ससुराल सुसंस्कारी है, निश्चित मानिए कुछ समय बाद परिवार के प्रत्येक सदस्य को वह अपने दिल के नजदीक पाएगी, और सभी को प्यार मिलेगा, सम्मान मिलेगा। बशर्ते पहल हमको करनी होगी।

शशिकुमार बिड़ला, (जोधपुर)

बहू को दें उसका अस्तिव

परिवार में लाये नई जान होती है, ये एक बेटी की पहचान टिकाये रखना परिवार का आदर मान-सम्मान ये है एक बहू की पहचान बहू को बेटी मानने की बात इतनी उचित नहीं है। बहू को बहू के रूप में स्वीकार करें। बहू को खुद का स्वतंत्र अस्तित्व देना चाहिए। ताकि परिवार में बहू अपनी खुद की एक पहचान बना सके। परिवार की मर्यादा में रहकर, अच्छे संस्कारों में ढलकर बहू परिवार के हर सदस्य की प्रेरणा बन सकती है। नई पीढ़ी को सही राह दिखाने में परिवार की बहू का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। इसका मतलब यह कतई नहीं कि बेटी जैसा लाड़ प्यार स्वतंत्र बहू को नहीं मिलेगा? बल्कि पूरे लाड़-प्यार के साथ, सबकी नजरों में आदर्श बनकर बहू अपनी स्वयं की पहचान परिवार में पा सकेगी। और फिर बहू सिर्फ बहू न रहकर परिवार का महत्वपूर्ण सदस्य बनकर उभरकर आयेगी। बस इतना ही कहना चाहूँगी।

सोनल करवा, (नांदगांव)

रिश्तों से उनका स्वरूप न छिनें

वर्तमान में बेटी को बेटा मानने और बहू को बेटी मानने (या उसका दिखावा करने) की होड़ी सी लगी है या यूं कहे कि खुद को आधुनिकतम की श्रेणी में सम्मिलित करने हेतु अभिभावकों में दौड़ सी लगी है। बहू हमारे घर परिवार का अहम सदस्य है। वह परिवार की धुरी है जिसके कार्यकलापों के चहुंओर समस्त परिवार एक सूत्र में बंधा रहता है। चाहे उसे गृहलक्ष्मी कहें या फिर अन्नपूर्णा उसी के हाथों में परिवार के सुख व विकास की डोरी बंधी होती है। नई नवेली दुल्हन धीरे-धीरे इतनी परिपक्व हो जाती है कि वह सास-ससुर, ननद, देवर-जेठ-जेठानी, देवरानी, पति व बच्चों में रिश्तेदारों के बीच अपनी एक अलग पहचान बनाती है। फिर चाहे बहू कामकाजी ही क्यों न हो वह घर-परिवार की जिम्मेदारियों को तो बखूबी निभाती है, साथ ही बाहर के कार्यों को भी भली-भांति पूर्ण करती है। परिवार में बहू को बेटी मानकर क्या हम उसे बहू होने के अधिकार से वंचित नहीं कर रहे हैं।

- पल्लवी न्याती, (कोटा)

मेरी बहू नहीं बेटी है

मेरी बहू नहीं बेटी है? आज के सामाजिक परिवेश में बहुधा सुनने वाला वाक्य है पर जितनी बार सुना है, मन विचलित हो उठता है, क्यों? क्यों हम बहुओं को बेटी बनाना चाहते हैं? क्या ये इतने सालों की कुंठा तो नहीं, जीवन के रंगमंच पर उम्र के अलग-अलग पड़ाव पर अलग-अलग किरदार को निभाना पड़ता है, बेटी का किरदार वह निभा चुकी, अब उसे बहू के किरदार में ढलना है। हर रिश्ते की अपनी गरिमा होती है, कोई रिश्ता किसी भी मायने में किसी से कम नहीं होता बशर्ते उसमे ईमानदारी बरती जाए। हर रिश्ता अपने साथ अगर कुछ जिम्मेदारियां लाता है, तो कुछ अधिकार भी लाता है। अगर हम बहू को उसकी जिम्मेदारियां नहीं सौंपेंगे तो विश्वास मानिये उसके अधिकार देने में भी चूक जाएंगे। सास बहू को व पिता बेटे को जिम्मेदारियां सौंपता है, यही तो दस्तूर है, और इसमें गलत भी क्या है? बेटी शब्द अल्हड़ता से भरा होता है और बहू शब्द परिपक्वता का अहसास कराता है। बहू को बेटी जैसा मानना शायद स्वीकारोक्ति है कि बहू को आज तक उचित मान-सम्मान नहीं मिल पाया है, वे आज भी इससे वंचित है। इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए मैं तो यही चाहूँगी की हर बहू को बहू की गरिमा के साथ ही ससुराल में लाड़ व दुलार मिले न कि बेटी जैसी बन कर किसी कुंठा के परिणामस्वरूप।

डिंपल जागेटिया, (भीलवाड़ा)

नया

भारतीय उद्योग जगत को ऊँचाई देगा

दिवालिया कानून

दिवालियापन कानून किसी देश के आर्थिक ढांचे का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है और इसे समय के साथ बदलना जरूरी है। विश्व बैंक के अनुसार किसी भी व्यवसाय को आसानी से बंद करने के लिए भारत की श्रेणी 189 देशों में 136वें नंबर पर आती है, जो कि सराहनीय स्थिति नहीं है। भारत में किसी व्यवसाय को बंद करने के लिए 4 साल से अधिक समय लग जाता है। अतः विदेशी निवेशक भारत में पैसा लगाने से हिचकिचाते हैं। इन सब परेशानियों को दूर करने के लिए एवं व्यवसाय करने को सरल बनाने तथा छोटे निवेशक और जमाकर्ताओं को लाभ पहुँचाने के लिए सरकार ने दिवालियापन कानून पारित किया है। वैसे तो माहेश्वरी समाजबंधु जो व्यवसाय में हैं, उनके व्यवसाय में नुकसान होने पर भी वह अपनी जमा पूँजी एवं जायदाद, सारी मेहनत तथा अपनी पैठ दांव पर लगा देते हैं किंतु कभी-भी दिवालियापन घोषित नहीं करने में विश्वास रखते हैं क्योंकि इसे सामाजिक कलंक माना गया है। किंतु वर्तमान युग में इस कानून को समझना समय के मान से अति आवश्यक होगा जो कि शायद उन्हें ऋण दाता के रूप में ही यह काम आ सके। वास्तव में देखा जाए तो दिवालिया कानून आर्थिक संकट से निपटने के लिए एक मददगार कानून है। इसके तहत दिवालियापन ऐसी स्थिति से जुड़ा है, जहां कोई इकाई या व्यक्ति बकाया रकम का भुगतान नहीं कर पाता है। इस कानून के तहत ऐसी प्रक्रिया तैयार की जा सकेगी। जिसमें व्यवसायी को आर्थिक संकट के दलदल में फंसने की बजाए इससे निकलने में मदद मिलेगी।

सीए आर.एल काबरा
मुम्बई

कहने के लिये तो दिवालिया घोषित होना अत्यंत शर्मनाक स्थिति है। लेकिन वर्तमान दौर में जब उद्योग-व्यवसाय में रिस्क बढ़ता जा रहा है, ऐसे में विश्व स्तर पर भारत को अपनी साख बनाए रखने के लिए इस कानून का सरलीकरण करना जरूरी था। इसके सरलीकरण के बाद घाटे के व्यवसाय को बंद करना आसान हो जाएगा, जिससे नये उद्योग धंधे के लिये खुला आकाश मिलेगा।

क्या लाभ हैं नये कानून के

इससे किसी भी बड़ी कंपनी के कार्य से प्रभावित छोटे निवेशक, छोटे सप्लायर, छोटे जमाकर्ता एवं अन्य लोगों को पूरी सुरक्षा मिलेगी क्योंकि यह कानून लेनदार और देनदार की बीच की समस्याओं को हल करने का एक प्रयास है। कंपनी को दिवालियापन घोषित करने की परिस्थिति हमारी आखिरी राह होगी जबकि इससे पहले हरसंभव कोशिश करके दिवालियापन से रोका जाएगा। मौजूदा प्रावधानों के अनुसार किसी कंपनी के दिवालिया घोषित होने के बाद भी उसके मालिकों का नियंत्रण बना रहता है। इससे लेनदारों का पक्ष कमजोर पड़ जाता है। जबकि नये दिवालियापन कानून के तहत मालिकों, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर एवं सभी मुख्य आदमियों के अधिकारी दिवालिया घोषित करने के लेनदारों द्वारा आवेदन करते ही खत्म हो जाएंगे। दिवालियापन प्राधिकरण कर्जदार के विरुद्ध सुनवाई करेगा। व्यक्तिगत एवं असीमित देयता भागीदारी फर्म के ऊपर ऋण वसूली न्यायाधिकरण की अधिकारिता होगी। सीमित देयता भागीदारी वाली फर्मों पर नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल की अधिकारिता होगी। दिवालियापन से संबंधित मामलों के लिए यह 180 दिन का समय निश्चित रहेगा एवं कुछ मामलों में यह अपवाद स्वरूप 90 दिन और बढ़ाया जा सकता है। दिवालियापन से संबंधित संकल्प प्रस्ताव को पारित करने वाले के लिए 75 प्रतिशत वित्तीय लेनदारों की सहमति आवश्यक होगी। दिवालियापन फंड से योगदानकर्ताओं को अपना फंड निकालने की सुविधा प्रदान की जाएगी। कामगार को दिए जाने वाले भुगतान की राशि दिवालियापन श्रेणी से बाहर रखी जाएगी।

जनहित के लिये बड़ी व्यवस्था

इस कानून के मुताबिक यदि कोई व्यक्ति अपने दिवालिया होने की प्रक्रिया अथवा परिसमापन की प्रक्रिया को धोखाधड़ी अथवा दुर्भावनापूर्ण मंशा से शुरू करता है, तो उसके खिलाफ प्राधिकरण द्वारा न्यूनतम एक लाख रुपए और अधिकतम दो करोड़ रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है। इस कानून के मुताबिक उधार लेने वाली कंपनियों के बारे में जानकारी उपलब्ध कराने के वास्ते सूचना एजेंसियाँ बनाई जाएंगी। ये एजेंसियाँ बताएँगी कि कर्ज लेने वाली कंपनी अथवा व्यक्ति ने कितना कर्ज लिया है? कानून में संपत्तियों को छिपाने और कॉर्पोरेट दिवालियापन के तहत किये जाने वाले अपराधों के मामले में जुर्माने का प्रावधान स्पष्ट किया गया है। 1990 प्रेसिडेंसी टाउन इनसॉल्वेंसी एक्ट, प्रोविंशियल इन्सॉल्वेंसी एक्ट 1920, जनसमूह एक्ट, लिमिटेड लाइबिलिटी पार्टनरशिप एक्ट और सेयुटाइजेशन एक्ट समेत कई कानून में वर्तमान दिवालियापन कानून संशोधन करता है। नए कानून के हिसाब से यदि 75 प्रतिशत सहमत हों, तो ऐसी कंपनी जो अपने ऋण नहीं चुका पा रही है, पर 180 दिनों (90 दिन के अतिरिक्त रियायती समय के साथ) के भीतर कार्रवाई की जा सकती है, यदि तब भी वसूली नहीं हो पाती, तो वह व्यक्ति या फर्म दिवालिया हो जाएंगे। यानी नया कानून लागू होने से ऋण की वसूली में अनावश्यक देरी और उससे होने वाले नुकसान से बचा जा सकेगा। दिवालियापन के अनुसार मजदूरों की आर्थिक सुरक्षा का भी ध्यान रखा गया है। जनसमूह के दिवालिया घोषित होने पर मजदूरों की आर्थिक हालात अचानक ना बिगड़ जाए इसका प्रयास करते हुए मजदूरों के लिए 24 महीने के वेतन का प्रावधान रखा गया है। सरकार जानबूझकर बैंक कर्ज नहीं लौटाने वाले डिफाल्टर की विदेशी संपत्ति जब्त करेगी, हालांकि इसके लिए सरकार को दूसरे देशों से संधि करना पड़ेगी। उसके बाद ही संपत्ति जब्त की जा सकती है। कर्जदार के खिलाफ सिर्फ दिवालियापन कानून के तहत कार्रवाई नहीं होगी बल्कि अगर दूसरे कानून के तहत मामला बनता है तो वह भी चलेगा। उदाहरण के लिए अगर सरकार को पता चलता है कि कर्ज लेने वाला पैसे का कहीं और या गलत इस्तेमाल कर रहा है तो जांच एजेंसियाँ उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज करवा सकती हैं।

कौन ले सकेगा दिवालिया कानून का सहारा

अगर आप किसी कंपनी में एक लाख रुपए से ज्यादा की रकम मांगते हैं और कंपनी देने में असमर्थ हैं तो आप दिवालियापन कानून का सहारा लेकर कंपनी को दिवालिया घोषित करने के लिए आवेदन कर सकते हैं। नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल आपके आवेदन की 14 दिनों में जाँच करके आदेश देगा या आपके आवेदन को निरस्त करेगा। यदि आवेदन की मंजूरी हो जाती है, तो इन्सॉल्वेंसी रेजोलेशन प्रोफेशनल अगले 14 दिनों में नियुक्त करके अपनी कार्रवाई करेंगे। सभी कर्ज देने वालों की एक कमेटी बनेगी, जिसमें से 75 प्रतिशत स्वीकृति मिलने पर या तो प्रस्ताव को 180-270 दिनों में मान्यता देंगे अथवा कंपनी को दिवालियापन घोषित कर बंद करने की कार्रवाई की जाएगी।

दीपावली एवं नूतन वर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

राजकुमार काल्या

राष्ट्रीय अध्यक्ष
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन

Realistic

Life Time Satisfaction

Realistic Projects Pvt. Limited
Realistic Natural Resources Pvt. Limited

• Explosives • Real Estate • Mining • Finance • Agro Farming Media

BASANTI LAL KALYA **RAJKUMAR KALYA** **SUMIT KALYA**

Station Road, Gulbpura - 311021, Distt. Bhilwara (Raj.) Ph. No. 224203/04, Fax No. 224605 rajkumarkalya@yahoo.com
Bhilwara office : 3, Heera-Panna Market, Pur Road, Bhilwara 311001 (Raj.) Ph. No. 246004

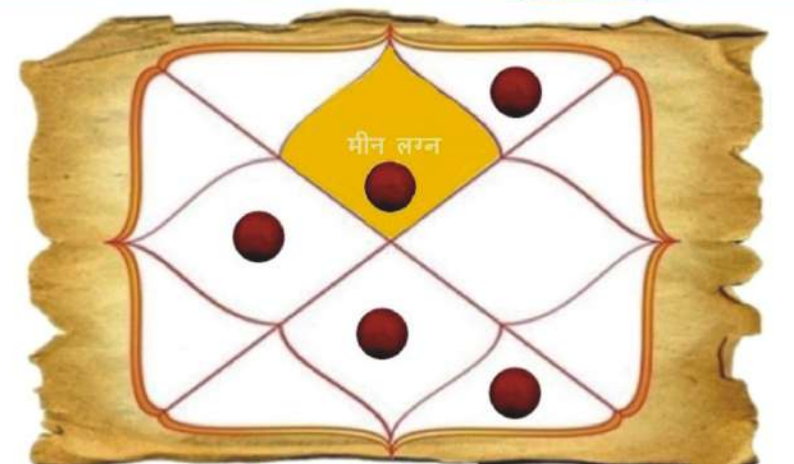

हमेशा दोषपूर्ण ही नहीं होती मंगली कुंडली

वर्तमान दौर में वैवाहिक संबंध के दौरान कुंडली मिलान में मंगल दोष को एक अत्यंत डरावने स्वरूप में लिया जा रहा है। वास्तव में वह अनिष्टकारी होती है, लेकिन किन्हीं विशेष स्थितियों में ही आम तौर पर तो अधिकांश मंगली कुंडलियों में इनके परिहार मौजूद रहने से इनका समाधान हो जाता है।

▶▶ ज्यो. रजनी कुलश्रेष्ठ, उज्जैन

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार किसी भी व्यक्ति की कुण्डली में 1,4,7,8,12 वें स्थान में मंगल हो तो कुंडली मांगलिक कहलाती हैं। स्त्री-पुरुष के भेद से मांगलिक दो प्रकारके होते हैं- (1) मौलिया मंगल (2) चुनरी मांगलिक। यदि पुरुष की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें स्थानों में मंगल हो तो उस मंगल को 'मौलिया मंगल' कहते हैं। यदि यही मंगल किसी स्त्री की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें स्थान में हो तो उसे 'चुनरी मंगल' कहते हैं। यदि कन्या की कुंडली 'चुनरी मंगल' वाली हो तो उसे 'मौलियेमंगल' वाले पुरुष कुंडली के साथ विवाह कराया जाता है, अन्यथा जनमान्यताओं के अनुसार उन दोनों में से एक की मृत्यु होती है जिससे वैवाहिक जीवन सुखी नहीं रहता है।

कई बार उन्नति का बनता है कारण

कुंडली का मांगलिक होना ही दोष नहीं है। यह जातक की कुंडली की एक विशेष प्रकार की गुणवत्ता है, जो जातक के जीवन में मंगल का विशेष प्रभाव बताती है। इससे अधिक घबराने की आवश्यकता भी नहीं क्योंकि अनेक प्रकार से इस मांगलिक स्थिति के काट व परिहार वचन शास्त्रों में मिलते हैं। केवल विवाह समय में मंगल मिलान को लेकर कुछ कठिनाइयां जीवन में किसी किसी व्यक्ति को आती हैं। जहां तक हो सके, मंगल का सही मिलान जरुर करना चाहिए। शास्त्र वचन और जनमान्यताएं एक दम झूठे नहीं होते। वर-कन्या में से किसी एक की कुंडली मांगलिक हो तो ऐसी स्थिति में शास्त्रकारों ने 'घट विवाह' की व्यवस्था की है। दक्षिण भार में 'कदली विवाह' अर्थात केले के तने के साथ विवाह पहले कराया जाता है, बाद में कन्या का वर के साथ विवाह होता है। जिससे 'द्विभार्या योग' स्वतः ही नष्ट हो जाता है।

इन स्थितियों में दोष का परिहार

जिस व्यक्ति की कुण्डली में मंगल दोष है, उसी कुंडली में यदि 1,4,7,8,12 वें मेंसे किसी एक स्थान में शनि हो तो वह मंगल के दोष को नष्ट करता है। यदि एक की कुंडली में मंगल है और दूसरे की कुंडली में मंगल नहीं है परंतु दूसरी कुंडली में मंगल वालों की कुंडली के सातवें स्थान का स्वामी 6,8,12 वें स्थान में से एक स्थान में हो तो पहली कुंडली का मंगल दोष नष्ट होता है। यदि जन्म लग्न का स्वामी सातवें स्थान में राशि परत्व से बलिष्ठ हो तो मंगली कुंडली का अनिष्ट फल कम रहता है। मांगलिक कुंडली में मंगल नीच का अर्थात कर्क राशि का हो, शत्रु क्षेत्री अर्थात् मिथुन या कन्या राशि का हो, मंगल वक्री हो, मंगल अस्तंगत हो, मंगल बलवान उच्च अथवा अपनी राशि के गुरु, शुक्र या चन्द्र से युक्त हो, मंगल दृष्ट हो तो दोषपूर्ण नहीं होता, बलवान गुरु अथवा शुक्र लग्न में अथवा सातवें स्थान में हो तो भौंम दोष नहीं लगता, वर-वधू दोनों की कुंडली का गुण मिलान करने पर यदि 24 या उससे अधिक गुण आये तो उस मंगल का दोष नहीं रहता। हां, यह मंगल मूल कुंडली में सौम्य और शुभ होना चाहिए।

ये स्थितियाँ भी विचारणीय

▶▶ कर्क व सिंह लग्न की कुंडली में मंगल केन्द्र त्रिकोण का अधिपति होकर राजयोग कारक होता है, अतः ऐसा मंगल दोष पूर्ण नहीं है।

▶▶ धनु व मेष राशि लग्न में हों और लग्न या केन्द्र में मंगल हो तो वह मंगल दोष पूर्ण न होते हुए शुभ योग प्रदाता होता है।

▶▶ मकर लग्न में मकर राशि का मंगल, सातवें स्थान में कर्क राशि का चन्द्र होने पर मंगल दोष नहीं रहता।

▶▶ मंगल जिस अनिष्ट स्थान में हो, उस स्थान का स्वामी केन्द्र या त्रिकोण में हो तो मंगल दोष नहीं लगता।

▶▶ लग्न स्थान में बुध या शुक्र होने पर मंगल दोष नहीं रहता।

▶▶ चंद्र व मंगल का संयोग होने पर लक्ष्मीकारक योग बनता है। ऐसा मंगल दोषपूर्ण नहीं होता।

▶▶ चंद्र केंद्र में होने पर मंगल दोष नष्ट होता है।

▶▶ मंगल के साथ राहु हो तो वह मंगल भी दोषकारक नहीं रहता।

स्थापित : 1969

" जय महेश "

पंजीबद्ध संस्था

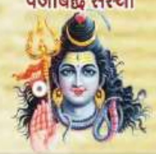

समाजबन्धुओं के समर्पण का प्रतीक, मानव सेवा को समर्पित,
तीव्र गति से विकास-पथ पर अग्रसर, आपकी सबकी आस्था का केन्द्र

श्री अखिल भारतीय माहेश्वरी सेवा सदन

प्रधान कार्यालय – महेश मार्ग, पुष्कर – 305022 (राजस्थान)

फोन : 0145-2772038, 2773451, मो. 9828247741

Email : abmsevasadan@gmail.com ★ Website : www.maheshwarisevasadan.com / www.abmssp.com

सेवा सदन द्वारा संचालित आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्थाएं विभिन्न भवनों एवं तीर्थस्थलों पर उपलब्ध हैं :

महेश मार्ग रमणरेती रोड़,
वृन्दावन-281124 (उत्तरप्रदेश)
फोन : 0565-2540421, मो. 09412280732

दुधाधारी मंदिर के सामने, ऋषिकेश रोड़,
हरिद्वार-249401 (उत्तराखण्ड)
फोन:01334-261636, 261141 मो. 09897125873

बस स्टेण्ड के पास,
बद्रीनाथ - 246422 (उत्तराखण्ड)
फोन : 01381-222237

नाथूवास रो, नाथद्वारा-313301
जिला-राजसमंद (राजस्थान)
फोन : 02953232301,231379

केलवाड़ा रोड़, चारभुजा-गढबोर-313333
जिला-राजसमंद (राजस्थान)
फोन : 02954-248200

पोकरण रोड़, रामदेवरा - 345023
जिला- जैसलमेर (राजस्थान)
फोन : 02996-235080

परिक्रमा मार्ग, मुखारविन्द के पास जतीपुरा-281502
वाया-गोवर्धन, जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश)
मो. 09760596727

प्लॉट नं. 7-8, रामसुख नगर,
क्यूरियो क्राफ्ट रोड़ नं. 11 के पास,
एम्स रोड़, बासनी, जोधपुर (राजस्थान)

मुख्यालय – पुष्कर, शाखा – वृन्दावन, हरिद्वार, नाथद्वारा, चारभुजा–गढ़बोर में
अग्रिम कमरा आरक्षण हेतु वेब–साईट का उपयोग कर लाभ उठावें।

विशेष जानकारी एवं निवेदन

समाजबन्धुओं की बेहद मांग के अनुरूप सेवा सदन द्वारा भगवान श्री जगन्नाथ जी की पावन धरा जगन्नाथपुरी में भवन–निर्माण हेतु मन्दिर के समीप सुन्दर भूखण्ड क्रय कर लिया गया है। जिसकी रजिस्ट्री करवाकर शीघ्र ही निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया जाना है।

अतः भूमि क्रय में आर्थिक दान प्रदान कर पुण्य प्राप्त करें।
आपके आर्थिक सहयोग राशि पर 80–जी की छूट प्राप्त होगी।

विवाह की सफलता समय पर विवाह होने पर भी निर्भर करती है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, सफलता की संभावनाएँ तो घटती ही हैं, साथ ही कई नई परेशनियों भी खड़ी हो जाती हैं। आईयें देखें ज्योतिष के आईने में विवाह में विलंब का कारण व निवारण

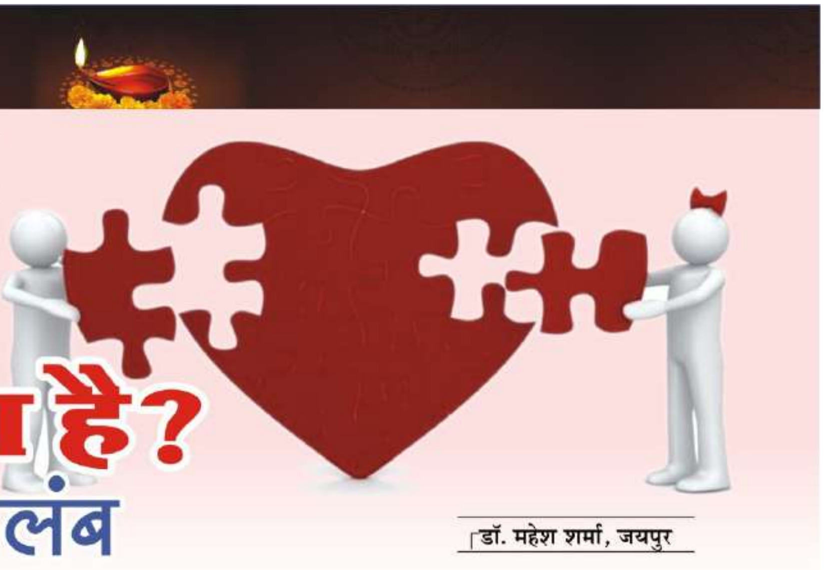

क्यों होता है? विवाह में विलंब

डॉ. महेश शर्मा, जयपुर

विवाह योग्य बिटिया की शादी में अनावश्यक विलंब के कारण कारण माता-पिता का चिंतातुर होना स्वाभाविक है। ज्योतिषीय कारण जातक की शादी में विलंब के लिए प्रमुख रूप से उत्तरदायी होते हैं। कुंडली में विवाह का विचार मुख्यतः सातवें भाव, सप्तमेश, लग्नेश, शुक्र व गुरु की स्थिति को ध्यान में रखकर किया जाता है। सप्तम भाव इसलिए, क्योंकि कुंडली में विवाह से संबंधित भाव यही है। सप्तमेश को देखना इसलिए आवश्यक है क्योंकि वही इस भाव का स्वामी होगा। कन्या की कुंड़ली में गुरु की स्थिति प्रमुख रूप से विचारणीय होती है क्योंकि उनके लिए गुरु पति का स्थायी कारक है। लग्नेश का सप्तमेश एवं पंचमेश के साथ संबंध भी विवाह को प्रभावित करता है। विवाह संबंधी प्रश्नों में लग्न कुंडली, चंद्र कुंडली तथा नवमांश कुंडली तीनों से ही विचार करना चाहिए। जन्म कुंडली में कुछ ऐसे योग होते हैं जो जातिका के विवाह में विलंब का कारण बनते हैं।

विवाह में बाधक विशेष ग्रह

जन्म कुंडली में शुक्र वैवाहिक सुख से संबंधित है। महिलाओं के लिए गुरु पति, पुत्र तथा धन का प्रतिनिधि ग्रह है। स्त्री की कुंडली में सप्तम भाव में शनि या चौथे भाव में मंगल आठ अंश तक हो तो विवाह में बाधा आती है। इसी प्रकार स्त्री कुंडली में सप्तम भाव के स्वामी के साथ शनि बैठा हो तो विवाह बड़ी आयु में होता है। सातवें भाव में शनि हो और कोई पापी ग्रह उसे देखता हो तो भी विवाह काफी मुश्किल से होता है। शनि, सूर्य, राहु, 12वें भाव का स्वामी (द्वादेश) तथा राहु अधिष्ठित राशि का स्वामी (जैसे राहु मिथुन राशि में बैठा हो तो, मिथुन का स्वामी बुध राहु अधिष्ठित राशि का स्वामी होगा)। यह पांच ग्रह विच्छेदात्मक प्रवृत्ति के होते हैं। इनमें से किन्हीं दो या अधिक ग्रहों का युति अथवा दृष्टि संबंध जन्म कुंडली के जिस भाव/भाव स्वामी से होता है तो उसे नुकसान पहुंचाते हैं। अतः सप्तम भाव अथवा उसके स्वामी को इन ग्रहों द्वारा प्रभावित करने पर विवाह में विलंब हो सकता है तथा दाम्पत्य जीवन में कटुता आती है। सप्तम भाव, सप्तमेश और द्वितीय भाव पर क्रूर ग्रहों का प्रभाव वैवाहिक जीवन में क्लेश उत्पन्न करता है। शुक्र की नेष्ट स्थिति हो, वह सप्तमेश होकर पाप प्रभाव में हो, नीच व शत्रु नवांश का या षष्ठांश में हो तो विवाह में विलंब तथा दाम्पत्य सुख में बाधा आती है। राहु-केतु सप्तम भाव में हों व उसकी क्रूर ग्रहों से युति हो या उस पर पाप दृष्टि हो, तो विवाह में विलंब होता है तथा दाम्पत्य जीवन तनाव पूर्ण होता है।

परिवार के मुखिया के कारण भी बाधा

घर-परिवार के मुखिया की कुंडली में ग्रहदोष, पितृदोष आदि के कारण संतान के विवाह में अनावश्यक विलंब होता है, घर में सम्पन्नता नहीं आती। ऐसी स्थिति में पितृदोष आदि की शांति करा लेनी चाहिए। विवाह में बाधक ग्रहों की शांति, जप आदि कराने से विवाह शीघ्र होता है। कन्या की कुंडली में विवाह में विलंब के कुछ प्रमुख योग इस प्रकार हो सकते हैं। 1. विवाह से संबंधित सातवें भाव का स्वामी शुभयुक्त न होकर 6, 8, 12वें भाव में हो और नीच या अस्त हो, तो जातक के विवाह में विलम्ब हो सकता है। यदि 6, 8, 12वें भाव का स्वामी सप्तम भाव में विराजमान हो, उस पर किसी ग्रह की शुभ दृष्टि न हो या किसी ग्रह से उसका शुभ योग न हो, तो विवाह में विलंब तथा वैवाहिक सुख में बाधा आती है। 2. लग्न में सूर्य बैठा हो और शनि स्वग्रही (मकर या कुंभ राशि में) होकर सप्तम भाव में विराजमान हो तो विवाह विलंब से होता है। 3. सप्तमेश वक्री हो व शनि की दृष्टि सप्तमेश व सप्तम भाव पर पड़ती हो तो विवाह में विलंब होता है। 4. सप्तम भाव व सप्तमेश पाप कर्त्तरी योग में हों तो विवाह विलंब से होता है। 5. शनि, सूर्य अथवा चंद्रमा से युत या दृष्ट होकर लग्न या सप्तम भाव में स्थित हो, सप्तमेश कमजोर हो, तो विवाह में विलंब होता है।

क्या करें उपाय

लाल किताब के उपाय भी अजमाए जा सकते हैं। शुक्र व राहु की किसी भी भाव में युति वैवाहिक जीवन के लिए दुःखदायी होती है। यह युति 1-4-7वें भाव में प्रबल दुःखदायी हो जाती है। ऐसी ग्रह स्थिति किसी कन्या के बने तो उपाय के तौर पर एक चांदी के बर्तन में गंगाजल भरें, उसमें चांदी का टुकड़ा डालकर घर के ईशान में रखें। यदि लग्न या सातवें भाव में राहु हो तो विवाह के संकल्प के समय पिता एक चांदी का टुकड़ा बेटी को दें। सूर्य और बुध के साथ शुक्र की युति किसी भी भाव में होने पर विवाह में दोष अवश्य ही उत्पन्न होता है। उपाय के तौर पर तांबे के लोटे में साबुत मूंग भरकर विवाह के संकल्प के समय हाथ लगाकर रखना चाहिए और इसे जल में प्रवाहित करना चाहिए।

सर्वप्रथम विवाह में बाधक ग्रहों की पहचान कर उससे संबंधित व्रत, दान, जप आदि करने चाहिए। पितृ शांति कराएं। पति के कारक ग्रह गुरु के व्रत विशेष लाभकारी होते हैं। इस दिन हल्दी मिश्रित जल केले को चढ़ाएं, घी का दीपक जलाएं तथा गुरु मंत्र 'ॐ ऐं क्लीं बृहस्पतये नमः' का जप

करें। गुरुवार को पके केले स्वयं नहीं खायें। इनका दान करें। विवाह योग्य कन्या को मकान के वायव्य दिशा में सोना चाहिए। इसके अलावा अपनी राशि के अनुसार उपाय करें, शीघ्र विवाह के अवसर प्राप्त होंगे।

मंत्र साधना से उत्तम वर प्राप्ति

उत्तम वर प्राप्ति हेतु मंत्र 'ॐ क्लीं विश्वासुर्नाम गंधर्वः। कन्यानामधिपतिः लभामि। देवदत्तो कन्यां सुरूपां सालकारां तस्मै विश्वासवै स्वाहा।।' गुरुवार को किसी शुभ योग में फिरोजा की माला से पांच माला जप करें। यह क्रिया ग्यारह गुरुवार करें। उत्तम वर व घर शीघ्र मिलेगा। मंत्र 'ॐ ह्रीं कुमाराय नमः स्वाहा।' सात सोमवार तक नियमित रूप से पारद शिवलिंग के सम्मुख 21 माला का जप प्रत्येक सोमवार को करें। इससे भी शीघ्र विवाह के योग बनेंगे। 'ॐ बहि प्रेयसी स्वाहा।' महाविद्या भुवनेष्वरी यंत्र के सम्मुख सवा लाख जप करें। उत्तम वर से शीघ्र विवाह के योग बनेंगे। 'कात्यायिनी महामाये महायोगिनीधीश्वरी। नंद-गोपसुतं देवि! पतिं मे कुरु ते नमः।।' मां पार्वती के चित्र के सामने, पूजा करने के पश्चात इस मंत्र की ग्यारह माला का जप करें। यह क्रिया 21 दिनों तक नियमित रूप से करें। मां पार्वती मनोवांछित वर प्रदान करेंगी। 'ॐ लक्ष्मीनारायणा नमः।' गुरुवार का व्रत करें, स्नान के जल में तीन चुटकी हल्दी अवश्य मिलाएं। पीले पुष्प, पीला प्रसाद व पीले फल मां लक्ष्मी व भगवान विष्णु को अर्पित कर मंत्र की ग्यारह माला जप करें। ऐसा हर गुरुवार को करते रहें उत्तम वर के साथ विवाह शीघ्र होगा।

राशि के अनुसार उपाय

मेष-सप्तम भाव के स्वामी शुक्र की नेष्ट स्थिति होने पर शुक्रवार को दुर्गा जी की मूर्ति अथवा चित्र पर लाल पुष्प अर्पित करें। घी का दीपक जलाकर मंत्र का स्फटिक की माला से 108 बार जप करें। मंत्र-हे गौरि! शंकरार्धांगि। यथा त्वं शंकर प्रिया। तथा मां कुरु कल्याणि कांतकांतां सुदुर्लभाम।। **वृष-**सप्तमेश मंगल के व्रत, दान करें। 'कात्यायिनी महामाये महायोगिनीधीश्वरी। नंद-गोपसुतं देवि! पतिं मे कुरु ते नमः।।' मंत्र का जप करें। **मिथुन-**सप्तमेश गुरु की प्रिय वस्तुओं का दान करें। गुरुवार का व्रत करें। 'ॐ देवेन्द्राणि! नमस्तुभ्यं देवेंद्र प्रियभामिनि। विवाहं भाग्यमारोग्यं शीघ्र लाभं च देहि मे।।' **कर्क-**सप्तमेश शनि की शांति के लिए शनिवार का व्रत करें और 'ॐ ऐं ह्रीं श्रीं शनैश्चराय नमः' मंत्र का जप करें। दूध में काले तिल मिलाकर सोमवार को शिवजी पर चढ़ाएं। ' ॐ हिरण्यगर्भाय अव्यक्तरुपिणे नमः' मंत्र का जप करें। **सिंह-** आपका सप्तमेश शनि है। अतः शनिवार का व्रत करें। शनि की प्रिय वस्तुओं का दान करें, लोहवान युक्त बत्ती बनाकर सरसों के तेल का दीपक संध्या के समय पीपल वृक्ष के नीचे जलाएं। 'ॐ प्रां प्रीं प्रौं सः शनये नमः' मंत्र का प्रत्येक शनिवार को जप करें। इसके अतिरिक्त 'ऐं श्रीं क्लीम नमस्ते महामाये महायोगिंधीश्वरी। सामांजस्यम सर्वतोपाहि सर्वमंगल कारिणीम्।।'' मंत्र का यथा शक्ति जप करें। **कन्या-**'ॐ सर्वमंगल मांगल्ये शिवे सर्वार्थ साधिके। शरण्येत्र्यम्बके गौरि नारायणि नमोऽस्तु ते।।' मंत्र का जप करें। कुलदेवता तथा पितृश्वरों की पूजा करें। सप्तमेश गुरु के दान, मंत्र तथा व्रत गुरुवार को करें। **तुला-**सप्तमेश मंगल के व्रत, दान तथा जप करें। 'ॐ ह्रीं गौर्य नमः।।' मंत्र के यथा शक्ति जाप करें। **वृश्चिक-** विजया सुंदरी मंत्र 'ॐ विजया सुंदरी क्लीं।।' का प्रत्येक शुक्रवार को 108 बार जप करें। सप्तमेश शुक्र के मंत्र 'ॐ ह्रीं श्रीं शुक्राय नमः।।' का जप करें। **धनु-**सप्तमेश बुध का व्रत करें, बुध की प्रिय वस्तुओं का दान करें। 'हे माते! त्वं शक्तिस्त्वं स्वाहा त्वं सावित्री सरस्वती। पतिं देहि गृहं देहि सुतान् देहि नमोऽस्तुते।। मंत्र का यथाशक्ति जाप करें। **मकर-**शीघ्र विवाह के लिए सप्तमेश चंद्रमा की शांति हेतु सोमवार का व्रत करें और पारद शिवलिंग का दूध, दही, घी, शहद तथा शक्कर से अभिषेक करें। 'ॐ शं शंकराय सकल जन्मार्जित पापविध्वंसनाय। पुरुशार्थचतुष्टयलाभाय च पतिं देहि कुरु कुरु स्वाहा।।' मंत्र का जप करें। **कुंभ-**आठवें भाव में स्थित होकर गुरु अशुभ प्रभाव दे रहा हो तो पीले रंग के फूल घर से बाहर जमीन में दबा दें। 'ॐ ह्रीं श्रीं क्लीं मम वांछित देहि देहि स्वाहा।।' इस मंत्र को शुभ मुहूर्त में भोजपत्र पर अनार की कलम और अष्टगंध से लिखकर प्रतिदिन पूजा करें। **मीन-**सप्तमेश बुध के व्रत व दान करें। 'ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः।।' मंत्र के यथाशक्ति जप करें। 'फले मन्मथाय महाविष्णु स्वरुपाय, महाविष्णु पुत्राय, महापुरुषाय। पति सुखं मोहे शीघ्रं देहि।।'' इस मंत्र की 11 माला **का** शुभ मुहूर्त में जप करें और प्रत्येक बुधवार को तीन माला जप करें। ऐसा 21 बुधवार तक करें, विवाह शीघ्र होगा।

विवाह भारतीय संस्कृति का एक अत्यंत पवित्र संस्कार है। कारण यह है कि इसके माध्यम से नवदंपति न सिर्फ स्वहित बल्कि सभी के कल्याण का भी संकल्प लेते हैं। आईये वैवाहिक आयोजनों के शुभारंभ पर जानें क्या हैं, सप्तपदी के 7 वचन?

▶▶ SMT टीम

सप्तपदी में 7 वचन

शास्त्र कहते हैं चार फेरे लेकिन लोक परंपरा में सात फेरे माने जाते हैं। प्रचलन में दोनों स्वीकार्य हैं। शास्त्र के अनुसार ये चार फेरे चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के हैं। पहले तीन फेरे में वधू आगे और वर पीछे होता है। यानी पहले तीन पुरुषार्थ स्त्री के मार्गदर्शन में पूरे होते हैं। मोक्ष में पुरुष आगे आ जाता है और स्त्री उसकी अनुगामिनी हो जाती है। ये फेरे यज्ञ भगवान के समक्ष इसलिए होते हैं कि यह शपथ ली जा रही है हम लोग अब एक महान धर्म बंधन में बंध गए हैं। हम प्रण करते हैं कि इसे सफलतापूर्वक निबाहेंगे। फेरों के बाद वर-वधू एक साथ कदम से कदम मिलाकर सात बार चलते हैं। इसे सप्तपदी कहते हैं। चावल की सात ढेरी या कलावा बांधे सकोरे रखे होते हैं। इनको पैर लगाते दोनों एक-एक कदम आगे बढ़ाते हैं। हर कदम के साथ एक मंत्र बोला जाता है।

पहला कदम- अन्न के लिए

ॐ एको विष्णुर्जगत्सर्वं व्याप्तं येन चराचरम्।
हृदये यस्ततो यस्य तस्य साक्षी प्रदीयताम्।।

अर्थ- गृहस्थ जीवन में आहार की सात्विकता का ध्यान रखा जाए। अन्न स्वास्थ्यवर्धक रहे। अन्न का उत्पादन, रक्षा और सदुपयोग गृहस्थ का धर्म है।

दूसरा कदम - बल-बुद्धि के लिए

ॐ जीवात्मर परमात्मा च पृथिवी आकाशमेव च।
सूर्यचंद्रद्वयोर्मध्ये तस्य साक्षी प्रदीयताम्।।

अर्थ- यह कदम शारीरिक और मानसिक बल के लिए है। व्यायाम, उचित परिश्रम, नियमित आहार-विहार से शरीर का बल बना रहता है। अध्ययन एवं विचार-विमर्श से मनोबल बढ़ता है। हम ऐसे ही उपाय करेंगे, जिससे दोनों का बल बढ़ेगा।

तीसरा कदम - धन के लिए

ॐ त्रिगुणश्च त्रिदेवाश्च त्रिशक्तिः सत्परायणाः।
लोकत्रये त्रिसंध्यायाः तस्य साक्षी प्रदीयताम्।।

अर्थ- फिजूलखर्ची गृहस्थी के लिए नुकसानकारक है। घर की अर्थव्यवस्था भी बजट के अनुसार चले। पति-पत्नी दोनों ही आय के साधन जुटाएं। धन का सदुपयोग किया जाए।

चौथा कदम - सुख के लिए

ॐ चतुर्मुखस्ततो ब्रह्मा चत्वारो वेदसंभवाः।
चतुर्युगाः प्रवर्तन्ते तेषां साक्षी प्रदीयताम्।।

अर्थ- पति-पत्नी दोनों प्रसन्नचित्त रहें, इसी में परिवार का सुख है। संतोषी सदा सुखी की नीति अपनाएं। विश्राम, मनोरंजन, विनोद, हास-परिहास का वातावरण घर में बना रहे। ऐसे दोनों के प्रयास रहें।

पांचवां कदम - प्रजा पालन के लिए

ॐ पंच में पंच भूतानां पंचप्राणैः परायणाः।
तत्र दर्शन पुण्यानां साक्षिणः प्राणपंचधा।।

अर्थ- घर के मुखिया के लिए सभी सदस्य प्रजा समान है। अपने आश्रितों की समुचित देखभाल करना चाहिए।

छठा कदम- ऋतुचर्या के लिए

ॐ पष्ठे पष्ठऋतूणां च षण्मुखः स्वामिकार्तिकः।
षड्रसाः यत्र जायंते कार्तिकेयाश्च साक्षिणः।।

अर्थ- दाम्पत्य जीवन में संतान पैदा करना एक सात्विक कर्तव्य है। सहजीवन को वासनाओं से मुक्त रख, संयम का पालन स्वयं के तथा संतानों के हित में करें।

सातवां कदम-मित्रता के लिए

ॐ सप्तमे सागराश्चैव सप्तद्वीपाः सपर्वताः।
येषां सप्तषिपत्नीनां तेषामादर्श साक्षिणः।।

अर्थ- हम दोनों पति-पत्नी इस बात का ध्यान रखेंगे कि हमारे द्वारा एक-दूसरे के सखाभाव पर आघात न हो। सबके प्रति हम सद्भाव रखेंगे।

With Best Compliments

GANNON DUNKERLEY & CO., LTD.

An infrastructure Company established since 1924

Regd. office :
New Excelsior Building, (3Rd Floor),
A, K. Nayak Marg, Fort Mumbai-400 001
Tel : 022 2205 1231, Fax : 022-22051232

Office : Ahmedabad. Hyderabad, Kolkata, Mumbai & New Delhi

बहू और बेटी सामाजिक व्यवस्था के दो अहम रिश्ते हैं। बेटी अगर माता-पिता के दिल का टुकड़ा है तो बहू उनके सपनों का साकार स्वरूप। कुछ इन्हीं विचारों को पत्र शैली के अपनी कहानी साकार रूप दे रहे हैं, जोधपुर के ख्यात कहानीकार हरिप्रकाश राठी।

बहू-बेटी

प्रिय बहू,
सदा सुखी रहो!

सर्वप्रथम मैं मेरे पुत्र से तुम्हारी सगाई होने के उपलक्ष्य में तुम्हें बधाई देता हूँ। हमारे मित्र-रिश्तेदारों से भी हमें इन दिनों निरन्तर बधाइयाँ मिल रही हैं। घर-परिवार सभी के मन इन दिनों उमंग से भरे हैं। बच्चे-बूढ़े सभी अपने-अपने प्रोग्राम सेट करने में लगे हैं। कल ही मेरी बहन यानी तुम्हारी बुआ सास यहां होकर गई थी। कह रही थी, भाई साहब! वर्षों बाद हमारे घर में विवाह हो रहा है, खूब धूम मचेगी। उसके बेटे-पोतों तक सभी ने तीन माह बाद यहां आने की तैयारी कर ली है। मैंने भी सभी मित्र-रिश्तेदारों को आगाह कर दिया है, कोई बहाना नहीं चलेगा, सभी अग्रिम रिजर्वेशन एवं छुट्टियों की व्यवस्था कर लें।

तुम्हारी सगाई होने के बाद एकाएक मुझे लगने लगा है कि मैं अधिक जिम्मेदार हो गया हूँ। मेरा कद कुछ बढ़गया है। मेरी कुछ आदतों पर भी अंकुश लगाने का प्रयास कर रहा हूँ। कल सुबह दाढ़ी बनाते हुए एक गीत गुनगुना रहा था। आवाज कुछ तेज थी। तभी तुम्हारी सास ने रसोई से आकर टोका, सुधर जाओ, घर में बहू आ रही है। मैंने निबाह लिया लेकिन आगे ऐसा नहीं चलेगा। अब हर कार्य तोल-मोल कर किया करो-क्या बोलना है, क्या पहनना है, कैसे व्यवहार करना है आदि-आदि। अभी से समझ लो तो अच्छा है। खुद की इज्जत खुद के हाथ होती है। फिर बहू सामने बोले तो मुझे न कहना। यकायक मैं सहम गया हूँ। बहू! क्या उसकी बात उचित है? बेटी के होते हुए जब मैंने ऐसा नहीं सोचा तो बहू के आने पर ऐसा क्यों सोचूँ? मुझसे यह बनावटीपन न हो सकेगा। घर में भी क्या आदमी बंद होकर जी सकता है?

तुम्हें पता ही है तुम्हारी ननद का विवाह चार वर्ष पहले हुआ था। वो जब तक यहाँ थी, घर में रौनक थी। सारा दिन चिड़िया की तरह फुदकती रहती थी। मम्मी आज यह बनाना है, वह बनाना है आज यहाँ जाएंगे, वहां जाएंगे। भला किसकी जुर्रत थी कि उसे मना करे। मैं उसे कुछ अधिक शह देता था अतः मां को कम गांठती थी। उसकी मां का प्रशासन कुछ कठोर है। कहती है, हर काम परफेक्ट, सिस्टम से होना चाहिए। अनुशासनहीनता उसे जरा भी बर्दाश्त नहीं। लेकिन मैं तुम्हें राज की बात बताऊँ वह मात्र ऊपर से कठोर है, भीतर से मक्खन की तरह कोमल है। बस, थोड़ी-सी प्रशंसा कर दो यूं पिघल जाती है। वह अपनी मां की प्रशंसा कर उसे खूब मूर्ख बनाती थी। जब काम करने का मूड नहीं होता तो सिर दुखने का बहाना बना लेती अथवा मम्मी, तुम्हारे हाथ का खाना बहुत अच्छा बनता है आदि-आदि खुशामद भरी बातें कहकर काम से गोत मार लेती। बहू, जिस दिन तुम भी हमारे घर में ऐसी हरकतें करने का सहज साहस बटोर सकोगी, मैं समझूंगा घर में बेटी ही आई है। मैं तुम्हें वे सारे अधिकार, सारी माफियां देना चाहता हूँ जो मैं सहज ही मेरी पुत्री को दे दिया करता था। मुझे उन सासुओं से कोफ्त है जो अपनी बेटियों के तो बड़े से बड़े गुनाह माफ कर देती है लेकिन बहू की छोटी-मोटी गलतियों पर भी टोका-टोकी करती है। ताने मारने वाली सासुएं तो मुझे जरा भी नहीं सुहाती। ऐसी सासुएं खुद अपनी कब्र खोदती हैं। वे इतना भी नहीं समझती की जो बच्ची अपने पिता के घर से मात्र आपके विश्वास का अवलंब लिए सर्वस्व त्याग कर चली आती है, उसके प्रति कितना स्नेहिल व्यवहार होना चाहिए। लेकिन तुम निःसंकोच रहना। हमारे घर में ऐसा हरगिज नहीं होगा। तुम्हेंवही स्वायत्तता, सहजता एवं स्वाधीनता मिलेगी जो हमने हमारी पुत्री को दी थी।

मेरी पुत्री तुम्हारे आगमन की आतुरता से प्रतीक्षा कर रही है। इन दिनों जब भी आती है, घंटों मां से बतियाती है। मम्मी, भाभी के लिए इस डिजाइन का गहना ठीक रहेगा, उस डिजाइन का ठीक रहेगा, वो ड्रेस ठीक रहेगी, वो साड़ियाँ अच्छी लगेंगी और जाने क्या-क्या। अपने भैया को भी बार-बार छेड़ती रहती है, भाभी को हनीमून पर कहां ले जा रहे हो? कम से कम वहां खर्चे में कंजूसी मत करना। कमी पड़े तो मुझसे ले लेना। यह समय बार-बार नहीं आने वाला। उसे क्या पता है वह तो पहले ही चार कदम आगे है। सगाई के चार रोज बाद ही उसने श्रीनगर के हवाई टिकट बनवा लिए थे। पूरा घाघ है अंत तक अपनी बहन को नहीं बताएगा।

तुम्हारी सास का सारा समय इन दिनों विवाह की तैयारियों में व्यतीत होता है। कल ही कह रही थी लॉकर खोलकर मेरा सोना ले आओ, उसे तुड़वाकर यह बना लूंगी वह बना लूंगी और जाने क्या-क्या! मैंने जब कहा कि हमारी बहू पढ़ी-लिखी है, उसे गहनों से दरकार नहीं होगी तो पास आकर कहती है, बुद्धू! इस जगत में ऐसी कोई औरत पैदा नहीं हुई जो गहनों से प्यार नहीं करती। जेवर औरत की आंखों की चमक दोगुना कर देते हैं। क्या यह बात सही है? मैं तो सोचता हूँ बहू खुद गहना है। भला गहने पर कौन-सा गहना फबता है?

बहू! बेटी के विवाह के पश्चात इस घर में एक विचित्र खालीपन आ गया है। बड़े बुजुर्ग ठीक ही कह गए हैं कि घर की रौनक तो बेटियों से होती है। अब तो दीवारें भी काटने लगी हैं। सभी मानो बैरी हो गए हैं। सुबह-सुबह अखबार पढ़ता हूँ तो गिलहरी सामने सोफे के ऊपर तक चढ़आती है। पहले तो अपने दोनों दांत दिखाकर मुझे चिढ़ाती है, फिर रोष में भरकर कहती है, 'बेटी को ससुराल क्यों भेजा? अब मैं किसके साथ खेलूँ? वह थी तो मैं भी फुदकती रहती थी। कितनी बार उसके पाँवों से चढ़कर उसके कंधे पर बैठ जाती थी। तब वह कैसे प्रेम से मुझे रोटी का टुकड़ा देती थी। अब तो रोटी में स्वाद ही नहीं रहा। तुम आदम जात भी कमाल के हो, पहले तो बेटियों से लाड-प्यार करते हो फिर विदा कर देते हो।

ऐसा क्या खा लेती थी तुम्हारा? वो थी तो सखी-सहेलियों से घर भरा रहता था। तुम ऑफिस जाते तब सभी यहां तरह-तरह के नृत्य किया करती थी। कितनी चुहलबाजियाँ, कितनी खिलखिलाहटों से घर खनकता रहता था। अब तो तुम्हारा घर मरघट लगता है। तुम्ही बताओ बहू, अब भला मैं इस ताने मारती गिलहरी को क्या जवाब दूं? कैसे समझाऊं कि बेटियां पराया धन होती हैं! भला किसी बाप का दर्द वह क्या समझे कि वह अपने जिगर का टुकड़ा किसी को सौंपता है। मैं कर ही क्या सकता था, इस निष्ठुर समाज के यही नियम हैं। मैं भीड़ में अकेला तो नहीं खड़ा हो सकता।

सुबह कबूतरों को दाना डालने जाता हूँ तो कई कबूतर मेरे पांव पर चोंच मार देते हैं, मानो वे भी पूछ रहे हो, बिटिया को दूर क्यों भेज दिया? अब भुगतो सजा। वह थी तो कितना प्रेम से दाना डालती थी। दाना भी बीनकर लाती थी। तुम तो कुछ भी नहीं देखते। अब तो सावन भी आ गया, बुलाते क्यों नहीं उसे? तुम्हें याद नहीं आती क्या उसकी? तब तो बेटी-बेटी कहकर आगे पीछे डोलते रहते थे, अब क्या हो गया? जल्दी बुलाओ उसे। एक बार फिर हम उसके ऊपर उड़कर हमारे पंखों की हवा देना चाहते हैं। तुम्हें तो यह भी नहीं पता कि ऐसा करने से बच्चों को नजर नहीं लगती।

कबूतर ही नहीं घर का कुत्ता टॉमी भी उसके जाने के बाद पूंछ दबाये चुपचाप कोने में पड़ा रहता है। मैं जब उसकी प्लेट में ब्रेड रखता हूँ तो ऐसे देखता है जैसे फाड़ खाएगा। ब्रेड क्या खाता है मानो मुझ पर एहसान कर रहा हो। और इस गौरी गाय की सुनो। पहले दरवाजे पर रोटी खाने आती तो देर तक खड़ी रहती मानो बिटिया को जी भर देखना चाहती हो। वह भी तो उसकी गर्दन पर हाथ फेर-फेर जाने क्या बतियाती रहती थी। इन दिनों गौरी को रोटी देने मैं ही जाता हूँ। पहले तो कई देर तक रोटी ही नहीं लेती, बस गर्दन ऊपर कर खड़ी हो जाती है। मैं गर्दन सहलाता हूँ तब रोटी तो खा लेती है पर खाते-खाते अपनी बड़ी-बड़ी आंखों में रोष भर कर ऐसे देखती है मानो कह रही हो, हिम्मत हो तो बाहर आओ, सींग न घुसा दूं तो गौरी मत कहना। एक बिटिया थी उसे भी विदा कर दिया। इतना ही नहीं सुबह बगीचे में पानी देते हुए गुलाब की टहनी भी कई बार कांटों से मेरे वस्त्र पकड़ लेती है मानो वह भी उसकी अनुपस्थिति की शिकायत दर्ज करवाना चाहती हो। पहले बगीचे में पानी भी तो वही देती थी।

बहू! तुम्हें क्या बताऊं! पेड़ पर बैठी कोयल की आवाज भी अब उतनी मीठी नहीं लगती। उसके जैसी मीठी बोलने वाली तो उसे दिखती नहीं। वह किससे प्रतिस्पर्धा करे? बहू! तुम सोच सकती हो जब अबोले जानवरों एवम जड़ पेड़-पौधों का यह आलम है तो उसके बिना हमारी क्या दशा होगी? शायद तुम्हारे आने से इन सबका रोष दूर हो जाए।

बहू! तुम्हें एक राज की बात बताऊं! मेरा पुत्र इन दिनों अजीब-सी मनःस्थिति में रहता है। हर समय तुम्हारे ही फोन को तकता रहता है। परसों तुमने उसे फोन क्यों नहीं किया? मुझे पर चिड़चिड़ा रहा था। यह कैसी बात है फोन तुम न करो और कोफ्त मैं झेलूं। दूसरे दिन तुम्हारा फोन आया तो दिनभर चहकता रहा। आजकल वो अक्सर शून्य में ताकता रहता है। इतना दार्शनिक मैंने उसे पहले नहीं देखा।

बहू! तुम्हारे पिता को इन दिनों में अक्सर व्यस्त देखता हूँ। क्यों न हो उन्हें तुम्हारा ब्याह जो निपटाना है। तुम उन्हें समझाती क्यों नहीं कि हमें दहेज की जरा भी दरकार नहीं है। वे लोग कितने मूर्ख होते हैं जो दहेज मांगते हैं। मनुष्यता को लज्जित करते हुए क्या उन्हें जरा भी शर्म नहीं आती। अपने पिता को कहना कि वो तो पहले ही एक महान दान कन्यादान कर रहे हैं। मैं तो उनका याचक हूँ। याचक की आंखें तो वैसे ही नत होती हैं। वे दहेज देकर हमें और शर्मिंदा न करें।

बहू! मै तुम्हें बताना चाहता हूँ कि रिश्तों को निबाहना भी एक कला है। मैं हमारे ही सद्ग्रंथों का सारगर्भ तुम्हें बताना चाहता हूँ कि अच्छे-बुरे भाव हम सब के भीतर समान रूप में विद्यमान हैं हमारी महानता इसी में है कि हम हमारे एवं अन्यों के भीतर से कौन-सा भाव उकेर पाते हैं। मनुष्य का व्यवहार ही उसका शत्रु एवं मित्र है।

बहू! एक बात और मैं तुम्हें समझाना चाहता हूँ। मेरी जरा भी इच्छा नहीं है कि तुम्हें ऐसी बातें कहकर तुम्हारे मन में किंचित संदेह पैदा करूं। लेकिन जमाने की हवा मुझे ऐसा लिखने के लिए विवश कर रही है। बहू, हो सकता है कभी मैं अथवा तुम्हारी सास रोष में तुम्हें कटु शब्द कह दें। घर में रखे दो बर्तन आपस में खटक ही जाते हैं। तब तुम यही सोचकर हमारे शब्दों को बिसरा देना कि कभी-कभी तुम्हारी मां, तुम्हारे पापा अथवा पीहर के प्रियजन भी तो तुम्हें रोष में कुछ कह देते थे। उन्हें भी तो तुम कितने स्नेह से नजरअंदाज करती थी। ऐसा करके तुम दोनों कुलों की कीर्ति अक्षय कर दोगी। हम वादा करते हैं कि हम भी तुम्हारे रोष, कटु शब्द अथवा कभी-कभी हो जाने वाले बुरे मूड को वैसे ही नजरअंदाज करेंगे जैसे हम हमारी बेटी का कर दिया करते थे। बहू! यह थोड़ी-सी अप्रासंगिक बात इसलिए लिख रहा हूँ कि आजकल अनेक घरों में छोटी-छोटी बातों को लेकर, पारिवारिक कलह जड़ पकड़ते जा रहे हैं। हम इन कलहों को हमारे परिवार में प्रविष्ट ही नहीं होने देंगे। वे घर स्वर्ग हैं जहां सभी घरवाले अपने मतांतरों को मिल बैठकर सुलझा लेते हैं। वे घर उन चहकते हुए घरौंदों की तरह होते है जहां पक्षी लड़-झगड़कर शाम पुनः साथ रहने के लिए चले आते हैं।

बहू! मै तुम्हें बताना चाहता हूँ कि रिश्तों को निबाहना भी एक कला है। मैं हमारे ही सद्ग्रंथों का सारगर्भ तुम्हें बताना चाहता हूँ कि अच्छे-बुरे भाव हम सब के भीतर समान रूप में विद्यमान हैं हमारी महानता इसी में है कि हम हमारे एवं अन्यों के भीतर से कौन-सा भाव उकेर पाते हैं। मनुष्य का व्यवहार ही उसका शत्रु एवं मित्र है। कुछ स्त्रियां लगाई-बुझाई में, इधर की बात उधर करने में एवं एक दूसरे को नीचा दिखाने में पारंगत होती है, लेकिन अंततः वे अपना एवं अपने परिवारजनों का ही अनिष्ट करती हैं। ऐसी स्त्रियां प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या एवं डाह से भरी होती हैं। तुम ऐसे विध्वंसक तत्त्वों से सावधान रहना। संसार में हर प्राणी का सृजन एवं विध्वंस मूल्य होता है। तुम अपने सद्व्यवहार से सबके सृजन मूल्य को बलवती करना। इससे स्वयं तुम्हें तो सुख मिलेगा ही वे भी अंततः सुखी होकर तुम्हारी प्रशंसा करेंगे क्योंकि यह तो सर्वमान्य तथ्य है कि दुनिया में अधिसंख्य लोग इसलिए दुःखी हैं कि उनको सुख के समीकरणों का ज्ञान नहीं होता। वे दुःखी इसलिए होते है कि उनका सुख से परिचय नहीं होता। ऐसा करने में तुम्हें भी असीम धैर्य का परिचय देना होगा क्योंकि ऐसे लोग सन्मार्ग पर आने के पूर्व अनेक व्यवधान उपस्थित करते हैं। लेकिन तुम इससे किंचित् विचलित नहीं होना क्योंकि संसार के सत्पुरुष उस चन्द्रमा की तरह होते हैं जो ग्रहण लगाने वाले राहू को भी अमृतदान ही करते हैं।

बहू! दुनिया मे ऐसे लोगों की कमी नहीं हैं जो दूसरों के घर में सरफुटव्वल करवाने में माहिर होते हैं। वे इसी में अपने जीवन की इति समझते हैं। तुम ऐसे लोगों से दूर ही रहना क्योंकि असामंजस्य की एक चिंगारी घर के सम्पूर्ण सुख को दावानल की तरह जला देती है। इस बात को सदैव याद रखना कि स्त्रियां धरती होती हैं। क्षमा, सहनशीलता एवं सहिष्णुता के गुण उनमें सहज रूप से विद्यमान होते हैं। स्त्रियों में इसी गुण की प्रचुरता के कारण विद्वद्जनों ने नारी को नारायणी नाम दिया है। तुम बिखरे तिनकों को समेटने की कोशिश करना। तुम्हें वह कहावत तो याद ही होगी कि 'बंद मुट्ठी लाख की खुल गई तो फिर खाक की।' तुम्हारी दादी सास इस कहावत को इस प्रकार कहती थी- बंधी बुहारी लाख की, खुली बिखर जाय। बहू! इन कहावतों में जीवन

के गूढ़अनुभव एवं सारगर्भित अर्थ छिपे हैं।

बहू! हो सकता है कभी-कभी तुम्हारा मेरे पुत्र से भी मत-मतांतर हो जाए। ऐसा होना स्वाभाविक है। वे पति-पत्नी ही क्या जिनमें कभी मनमुटाव न हो। जैसे कोई भी भाजी छौंक से ही अच्छी बनती है, रिश्ते भी अंततः नोक-झोंक की छौंक से ही मधुर बनते हैं। समय के अंतराल में यह बातें वैसे ही समाप्त हो जाती हैं जैसे हवा बादलों को उड़ा ले जाती है। सद्भाव एवं आपसी विश्वास दाम्पत्य संबंधों का प्राण है। किसी भी रिश्ते को पूर्णता से गाह्य करने के लिए उस रिश्ते को समग्रता में जीना होता है। एक दूसरे के गुणों से प्रभावित होकर अगर हम पति-पत्नी बनते हैं फिर एक दूसरे की कमजोरियों के प्रति भी हम ग्राह्यता क्यों न पैदा करें। गुलाब पाने के लिए हमें उसके कांटों की चुभन भी झेलनी होगी। बहू! विनम्रता मनुष्य का सर्वोपरि गुण है। कहते है फल से लदी डाली नीचे की ओर झुकती है।

बहू! अनेक स्त्रियों को मैंने व्यंग्यपूर्ण वार्तालाप कर आग लगाते हुए भी देखा है। महाभारत का भीषण युद्ध द्रौपदी द्वारा दुर्योधन को कहे कटुवचनों की ही परिणति था। कहते हैं तलवार के घाव भर जाते है पर दुर्वचनों के घाव नहीं भरते। इंसान को सर्वथा तोल-मोल कर बोलना चाहिए। अनेक बार हंसी की खसी हो जाती है। मीठी वाणी रिश्तों में शहद का कार्य करती है। अगर कोई ऐसी परिस्थिति आ जाए जहां बोलने से विघ्न उपस्थित होने की संभावना बनती हो, वहां मौन का आश्रय लेना। तुम तो जानती हो एक चुप सौ को हराता है।

बहू! आजकल नई पीढ़ी पैसे की तरफ बेतहाशा भाग रही है। सभी रातों-रात धनपति बनना चाहते हैं। युवक हथेली पर सरसों उगाना चाहते हैं। तुम मेरे पुत्र को समझाना कि लोभ पाप का मूल है। सबका अंत होता है लेकिन इच्छाओं का अंत नहीं होता। संतों ने ठीक ही कहा है कि समस्त प्रकार की धन-सम्पदा मिलने के पश्चात् भी अगर संतोषरूपी धन न मिलें तो सारा धन धूल के समान व्यर्थ है। हम अर्थाजन करते हुए उन जीवन मूल्यों से समझौता न करें जो हमारी थाती है। हम धैर्य रखें अंततः सबको अपने हिस्से का धन मिल जाता है। सब्र की डाल पर मेवा लगता है। धर्नाजन करते हुए हम उन लक्ष्मण रेखाओं का अवश्य ध्यान रखें जो हमारी सभ्यताओं, संस्कृतियों एवं समाज ने समय-समय पर खींची है। पाप की कमाई से घर नहीं भरता। कहते हैं पाप का घड़ा अवश्य फूटता है। बदी का सर भला कब ऊंचा हुआ है? हमारे सद्विचार कस्तूरी की गंध की तरह स्वयं को तो सुख देते ही हैं दूसरों को भी सुगंध से आप्लावित कर देते हैं।

बहू! जीवन में ऐसे दिन भी आते हैं जब मनुष्य पूर्णतः असहाय हो जाता है। ऐसे समय में कोई रास्ता नहीं दिखाई देता, सर्वत्र अंधकार ही दृष्टिगत होता है। लेकिन मैं तुम्हें बताना चाहता हूँ कि दुःख परमात्मा की टेस्ट-मशीन है। दुःख की भट्टी में तपाकर ही वह हमें निखारता है। मनुष्य के ज्ञान, विज्ञान एवं अनुभव की तलवार दुःख की सान पर ही तेज होती है। ऐसे दुर्दिनों में हिम्मत, हौसला एवं प्रभुनाम का अवलम्ब बनाये रखना। अपने अनुभवों के आधार पर मैं निश्चय ही कहता हूँ कि सुःख दुःख के पीछे ही खड़ा होता है। उजाला अंधेरे के गर्भ से ही प्रकट होता है। तुम किंचित् भी विचलित नहीं होना क्योंकि घने काले बादलों से बाहर आने वाला सूर्य अधिक प्रकाशमान होता है।

बहू! 'अतिथि देवो भव' हमारा पुरातन उद्घोष है। कहते हैं जिस घर से अतिथि रूठकर चला जाता है वहां से सुख एवं लक्ष्मी भी प्रयाण कर लेती है। अतिथि ही नहीं हमारे वेदवाक्यों ने तो पड़ोसी की व्यथा को भी अपनी व्यथा कहा है। जो पड़ोसी के घर मे लगी आग को तमाशबीनों की तरह देखते हैं, उन्हीं लपटों से एक दिन उनका घर जलना भी तय है।

श्रम, संगति एवं सद्साहित्य के पठन एवं मनन आदि दिव्य गुणों का महत्त्व मैं तुम्हें बताना न भूल जाऊँ। कर्म का सि०द्धांत हमारा प्राण है। अनवरत एवं कठोर परिश्रम से असाध्य कार्य भी सिद्ध होते हैं। कहते हैं परमात्मा उनकी मदद करते हैं जो स्वयं अपनी मदद करते हैं। बिना कष्ट उठाये देव भी सहाय नहीं होते। स्मरण रखना कि परिश्रम की सूखी रोटी बेईमानी की चुपड़ी रोटी से सौ गुना सुखकर है।

बहू! सत्संगति सुःख एवं सौभाग्य की जड़ है। बुरी सोहबत हमारे सारे यश को धूमिल कर देती है। आजकल नशाखोरी, रिश्वतखोरी, यौनिक दुराचार आदि आदतें आम हो रही हैं। तुम अपने पति एवं संतति को इन आदतों एवं ऐसे लोगों की संगति से सर्वथा बचाये रखना। संगति मनुष्य को सर्वाधिक प्रभावित करती है। रास्ते की धूल भी पवन की उच्चतर संगति लेकर आसमान तक चढ़जाती है लेकिन वही धूल नीचे पड़े पानी की संगति लेकर कीचड़ ही बनती है। बहू! सत्संगति को साधने में सत्साहित्य का पठन एवं मनन अहम् भूमिका अदा करता है। साहित्य सभ्य समाज की आत्मा है। अगर हमें हमारी आत्मा को बल देना है तो पुस्तकों से अच्छा कोई मित्र नहीं हो सकता। बहू! जीवन मे बचत का भी परम महत्त्व है। तुम बुरे दिनों के लिए भी कुछ बचाकर अवश्य रखना क्योंकि नीति-निपुण लोग कह गए हैं कि बुरे दिनों में धन निकटस्थ मित्र होता है। तंगी में कोई संगी नहीं होता। अगर सौभाग्य एवं प्रभुकृपा से धन विपुल मात्रा मे आ जाए तो परोपकार एवं लोकोपयोगी कार्यो में भी उसका अवश्य विसर्जन करना क्योंकि तिजोरियों मे रखा धन उस घट-दीप की तरह होता है जिसका प्रकाश सर्वत्र नहीं फैलता। बहू! यह सब मेरे अनुभवों का निचोड़ है जिसे तुम्हें बताना मैं अपना परम धर्म समझता हूँ।

बहू! वृद्वावस्था में इंसान अक्सर लौटने लगता है। इसीलिए विद्वद्जन इसे बचपन की पुनरावृत्ति कहते हैं। मेरे मन में भी इन दिनों अजीब-सी भावनाएं अंकुरित होने लगी है। सोचता हूँ कुछ समय पश्चात् हमारे पोते-पोती हो जाएंगे। कितना आनंद आएगा जब वे मेरी पीठ पर सवारी कर वही शब्द दोहराएंगे जो कभी मैं अपने दादा की पीठ पर सवारी कर कहता था.....चल मेरे घोड़े टिक-टिक-टिक.....। तब तुम उन्हें जरा भी नहीं टोकना क्योंकि वृद्धों के लिए यह सुख स्वर्ग से भी बढ़कर होते हैं।

बहू! तुम्हारी सास भी अब बूढ़ी हो चली है। वह भी अब थकने लगी है। तुम्हें चाबियाँ सौंपकर मुक्त होना चाहती हैं। इस अवस्था में मनुष्य का भक्ति-भाव शिखर पर होता है। अब तक तो उसने नहीं कहा, कहती भी कैसे, गृहस्थी के जंजाल में उसे समय ही कब मिला, पर हाँ, इन दिनों अक्सर कहने लगी है - बहू के हनीमून से लौटने के बाद हम तीर्थाटन पर चलेंगे। शायद उसे कुछ मन्नतें मांगनी हैं।

अब और क्या लिखूँ एवं क्या कहूँ? बस, चली आओ बहू कि इन बूढ़ी हड्डियों से अब गृहस्थी का बोझ नहीं उठता। चली आओ कि तुम्हारी सास तीर्थाटन पर जाने को विकल है। मेरे पुत्र की विरहाग्नि बुझाने के लिए सावन की फुहार बनकर चली आओ। चली आओ कि घर-मोहल्ले के अबोले पशु-पक्षी-पौधे तुम्हारी वाट देख रहे है। सोन चिरैया! तुम्हारे इंतजार में सबकी नजरें बिछी हैं। बरखा रानी की तरह छम-छम करती, लक्ष्मी की तरह कुंकुम-पांव भरती, मेरे घर-आंगन में खुशियों की बहार बिखेरती अब चली ही आओ!

शुभाशीष।

पितृवत-तुम्हारा श्वसुर

बहू! अनेक स्त्रियों को मैंने व्यंग्यपूर्ण वार्तालाप कर आग लगाते हुए भी देखा है। महाभारत का भीषण युद्व द्रौपदी द्वारा दुयीधन को कहे कटुवचनों की ही परिणति था। कहते हैं तलवार के घाव भर जाते हैं पर दुर्वचनों के घाव नहीं भरते। इंसान को सर्वथा तोल-मोल कर बोलना चाहिए। अनेक बार हंसी की खसी हो जाती है।

With Best Compliments from

Company Identification No. U51100GJ1989PLC012428

SURYA GROUP

Surya Exim Limited

3040, Jash Textile & Yarn Market, Ring Road, SURAT (Guj.)-395 002, INDIA
Tel. : 0261-4083100/101/116
Fax : 0261-4083120, 2328842
E-mail : info@surya-exim.com, suryaexim@hotmail.com, jpsaboo@hotmail.com
Website : www.surya-exim.com

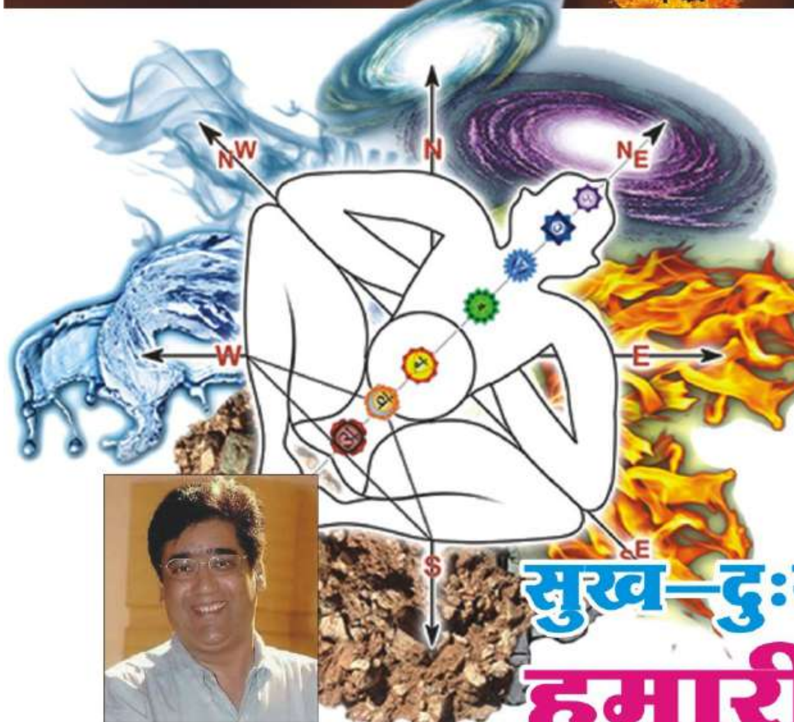

हम कई मामलों में परेशानियाँ महसूस करते हैं और तमाम चिंतन के बाद भी इनके कारणों तक नहीं पहुँच पाते। वास्तव में इनका कारण कहने के लिये तो अत्यंत छोटा है, प्रतिकूल दिनचर्या, लेकिन यदि इसे ही हम वास्तु अनुरूप कर दें तो हमारे जीवन में आमूल-चूल परिवर्तन आ सकता है। आईयें देखें क्या करें, क्या न करें हम?

सुख-दुःख का कारण है हमारी दिनचर्या

▸▸ के.सी. तोषनीवाल, मुंबई

कब व कैसे करें पूजा

पूजा हमेशा पूर्व या उत्तर में मुंह करके करनी चाहिए, हो सके तो सुबह 6 से 9 के बीच में करें। पूजा नीचे जमीन पर ऊनी आसन रखकर ही करनी चाहिये। पूजा ग्रह में सुबह एवं शाम दो दीपक एक शुद्ध घी का और एक सरसों के तेल का जलाएँ। पूजा अर्चना होने के बाद उसी जगह पर खड़े होकर तीन परिक्रमा करें। पूजा घर में मूर्तियाँ 1, 3, 5, 7, 9, 11 इंच तक ही होनी चाहिये, इससे बड़ी नहीं। खड़े हुए गणेशजी, लक्ष्मीजी, सरस्वतीजी की मूर्तियाँ घर में नहीं होनी चाहिये। पूजा स्थान के पास एक कलश तांबे या चांदी का जल भरकर रखें। इसके ऊपर नारियल रखें तथा जल हर पूर्णिमा को बदल दें।

शयन का तरीका

हमेशा पूर्व या दक्षिण में सिर रखकर सोना चाहिए। पत्नी को पति के बायें हाथ की तरफ सोना चाहिये। सोते समय पहले दस मिनट बायें हाथ की तरफ करवट लें तथा बाद में सुबह तक दाहिनी करवट सोयें। पलंग कमरे के कोने में नहीं हो। शयन कक्ष के ऊपर की छत सपाट हो, पलंग कमरे में इस तरह लगाये कि सिर की तरफ सपाट दीवार हो, आड़ी टेड़ी दीवार या खंभे एवं बीम न हो। शयन के लिए पलंग हमेशा सादा चार पांव वाला ही रखें, बॉक्स वाले पलंग नहीं रखें, कारण कि हवा का सर्केलशन चारों तरफ तथा ऊपर नीचे बना रहे। सोते तथा बैठते वक्त शरीर पर टांट या बीम्स नहीं आनी चाहिये। टांग के ऊपर टांग रखकर, दरवाजे की तरफ सिर रखकर तथा छत की तरफ मुंह रखकर शयन नहीं करें।

कब किधर रखें मुंह

बैठना, देखना, नहाना, खाना खाना, टेलीफोन, पढ़ाई आदि में हमेशा मुंह पूर्व या उत्तर की तरफ रखें। पढ़ाई करने वालों का मुंह पूर्व की तरफ हो, और पढ़ाने वाला का मुंह उत्तर की तरफ हो। खाना बनाते वक्त हमेशा मुंह केवल पूर्व की तरफ ही हो। शौच करते समय मुंह पश्चिम या उत्तर पश्चिम में ही हो। मुख्य तिजोरी पूर्व या उत्तराभिमुख करके रखें। उसके अंदर दो डिब्बे रखे एक में फिक्स रकम रखकर बंद कर देवें तथा दूसरे को खुला रखें, नियमित खर्चे के लिए रकम डालते रहें, निकालते रहें। मुख्य द्वार के ऊपर की दीवार पर घी और सिंदूर मिलाकर स्वच्छ एवं साफ स्वस्तिक बनावें। रसोई गृह में गैस भी प्लेटफॉर्म के अग्निकोण में रखें। यदि रसोईगृह में खिड़की हो तो उसके सामने गैस रखें। इस बात का खास ध्यान रखें कि गैस (चूल्हे) के ऊपर कोई भी कैबिनेट तथ टांड नहीं हो, कारण गैस की लो सीधे छत तक बिना रुकावट के साफ जाती है।

कब क्या करें क्या न करें

ऑफिस या घर से बाहर जाते वक्त या तो पूजा घर से या अपने शयन कक्ष से सीधे बाहर निकलें। निकलते समय यदि कोई फोन आये तो बात नहीं करें तथा निकलते समय घर का कोई सदस्य आपको किसी कार्य के लिए टोके नहीं, इसका भी खास ध्यान रखें। घर से निकलते कार, स्कूटर उलटे नहीं निकाले, रात को ही उलटा खड़ा करें ताकि सुबह सीधा निकाला जा सके। और उसका मुंह पूर्व या उत्तर की तरफ हो। सुबह पलंग से उठते समय और घर से बाहर निकलते समय पहला पैर दाहिना ही रखें। घर से बाहर निकलते वक्त पहले पचास कदम तक पूर्व या उत्तर की रोड तरफ ही जायें, ये नियम जाने के लिये ही है, आने के लिये नहीं।

इनका रखें ध्यान

घर के अंदर कांटे वाले, दूध वाले, फल वाले पेड़ पौधे नहीं लगाएं। तुलसी के पवित्र पौधे चाहें जितने लगाएं। नहाते वक्त या सोते वक्त उलटे वस्त्र कर ना छोड़े तथा नहाते व सोते समय निर्वस्त्र न रहें। रात को सोते समय दस

हरिप्रकाश राठी का कथा-संसार

कथा-संग्रह	मूल्य रुपये
अगोचर	100
साँप-सीढी	100
आधार	100
पीढियाँ	100
पहली बरसात	100
माटी के दीये	100
नेति–नेति	100
प्रतिनिधि कहानियाँ	200
हरिप्रकाश राठी की कहानियाँ भाग 1 एवं 2 (समग्र संग्रह)	800
आन द विंग्स आफ कुरजां (कतिपय कहानियों का अंग्रेजी अनुवाद)	200

हरिप्रकाश राठी
सी-136, प्रथम विस्तार, कमला नेहरू नगर
जोधपुर (राज.)
मो. 094141-32483
e-mail : info@sigmaminerals.com

With Best Compliments from

Shrikant G. Mantri

Member : The Stock Exchange, Bombay

Surya Mahal, 2nd Floor, Nagindas Master Road,
Fort, Mumbai-400 001, INDIA

Tel : 022-2261 8384, 2267 2526,
6635 9003, 6635 9004, Fax : 022-2262 3198

E-mail : sgmantri@usa.net

Res. 022-2618 4126, 2614 4933,
M. 98210-26725

Rajendra Chandak 9960343399
Krishna Chandak 9404546514

Chandak Plywood

Dealers in - Plywood, Laminates, Kitchen Trolley,
Fancy Hardware, Fancy Doors, Glass & Aluminium Fitting's

Timber Market, Paratwada
Ph. : 07223-220670 (R) 220671

Nandkishor S. Ladha 94229 16163
Sachin R. Ladha 94221 55691

NANDGOPAL DAL MILL

New Town, Badnera, Amravati (M.S.)-444701
Ph. 0721-2681511, 2684361, Fac : 07221-227061

Sister Concern :
» Siyaram Udyog » Nandkishor Shriballabhdas Laddha
Grain Merchant & Commission Agent
Badnera, Amravati (M.S.)

सुख–समृद्धि के आधार हैं यज्ञ

आगामी माह में इंदौर में अनंत श्री विभूषित जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी श्री कांताचार्यजी के सान्निध्य में 108वें श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। इस पावन बेला में शास्त्रों के आईने में देखें क्या हैं, यज्ञ और हमारे देश में क्यों रहे हैं, महत्वपूर्ण?

▸▸ पं. अखिलेश शर्मा, उज्जैन

यज्ञ सनातन संस्कृति की परंपरा में आदिकाल से ही शामिल हैं। यज्ञ से अदृश्य आकाश में जो आध्यात्मिक विद्युत तरंगें फैलती हैं, वे लोगों के मन द्वेष, पाप, अनीति, वासना, स्वार्थपरकता, कुटिलता आदि बुराइयों को हटाती हैं। फलस्वरूप उससे अनेक समस्याएँ हल होती हैं। अनेक उलझनें, गुत्थियाँ, पेचीदगियाँ, चिंताएँ, भय, आशंकाएँ तथा बुरी आशंकाएँ समूल नष्ट हो जाती हैं। राजा, धनी, संपन्न लोग, ऋषि-मुनि आदि प्राचीनकाल में बड़े-बड़े यज्ञ कराते थे, जिससे दूर-दूर का वातावरण निर्मल हो जाता था और देशव्यापी, विश्वव्यापी बुराइयाँ तथा उलझनें सुलझती थीं। आज उसी परंपरा के पुनजार्गरण की आवश्यकता है। संस्कृति में धर्मानुष्ठानों के रूप में सामूहिक यज्ञायोजनों की महत्ता है। यज्ञ का अर्थ दान, देवपूजन के अतिरिक्त संगतिकरण भी है। संगतिकरण अर्थात एक उद्देश्य के लिए, एक विचारधारा वाले व्यक्तियों का सोद्देश्य मिलन। यज्ञ में प्रक्रिया भले ही अग्निहोत्र-कर्मकांड के रूप में हो, पर उनके उद्देश्य के अनुरूप उनके स्वरूप में अंतर होता है। सामूहिक संयोजन, जन साधारण का संयुक्तीकरण हमेशा श्रेष्ठ परिणतियाँ अपने साथ लेकर आता है। विधाता की भी सदैव यही इच्छा रही है कि मनुष्य मात्र मिल-जुलकर श्रेष्ठ पथ पर अग्रसर हों।

क्या होता है यज्ञ का प्रभाव

वस्तुतः यज्ञ का वेदोक्त आयोजन, शक्तिशाली मंत्रों का विधिवत, विधिपूर्वक बनाए हुए कुंड, शास्त्रोक्त तथा सामग्रियों जब ठीक विधानपूर्वक हवन की जाती हैं, तब एक दिव्य प्रभाव विस्तृत आकाशमंडल में फैल जाता है। इसके फलस्वरूप प्रजा के अंतःकरण में प्रेम, एकता, सहयोग, सद्भाव, उदारता, ईमानदारी, संयम, सदाचार, आस्तिकता आदि सद्भावों एवं सद्विचारों का स्वयमेव आविर्भाव होने लगता है। मंत्रों से आच्छादित दिव्य आध्यात्मिक वातावरण के स्थान में जो संतान पैदा होती हैं, वे स्वयं सद्गुणी एवं उच्च विचारधाराओं से परिपूर्ण होती हैं। पूर्वकाल में पुत्र प्राप्ति के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ कराते थे। जिनके यहां संतान होती थी, वे भी सतोगुणी एवं प्रतिभावान संतान प्राप्त करने के लिए पुत्रेष्टि यज्ञ कराते थे। गर्भाधान, सीमंत, पुंसवन, जातकर्म, नामकरण आदि संस्कार बालक के जन्म लेते-लेते अबोध अवस्था में ही हो जाते थे। इनमें से प्रत्येक में हवन होता था, ताकि बालक के मन पर दिव्य प्रभाव पड़े और वह बड़ा होने पर पुरुष सिंह एवं महापुरुष बने। प्राचीनकाल का इतिहास साक्षी है, जिन दिनों इस देश में यज्ञ की प्रतिष्ठा थी, उन दिनों यहाँ महापुरुषों की कमी नहीं थी। आज यज्ञ का तिरस्कार करके अनेक दुर्गुणों, रोगों, कुसंस्कारों और बुरी आदतों से ग्रसित बालकों से ही हमारे घर भरे हुए हैं।

24 अवतारों में से एक है यज्ञ

स्कंद पुराण में यज्ञ भगवान के अवतार का वर्णन है। जिस प्रकार भगवान ने राम, कृष्ण, नरसिंह, बाराहा, कच्छ, मच्छ आदि के अवतार लिए हैं, उसी प्रकार एक अवतार यज्ञ पुरुष का भी लिया है। स्वयंभुव मन्वन्तर में जब देवताओं की शक्ति क्षीण हो गई और संसार में सर्वत्र घोर अव्यवस्था फैल गई, उस अव्यवस्था के फलस्वरूप सब लोग नाना प्रकार के कष्ट पाने लगे, तो इस विपन्नता को दूर करने के लिए भगवान ने यज्ञ पुरुष के रूप में अवतार लेने का निश्चय किया, क्योंकि देवताओं की शक्ति वृद्धि करने के लिए यज्ञ के अतिरिक्त और कोई उपाय या मार्ग नहीं था। महर्षि रुचि की पत्नी आकृति के गर्भ से भगवान ने जन्म लिया और उन्होंने संसार भर में अग्निहोत्र की लुप्तप्राय प्रथा को पुनर्जीवित किया। सर्वत्र यज्ञ होने लगे। फलस्वरूप देवताओं की शक्ति बढ़ी और संसार का समस्त संकट निवारण हो गया।

कलयुग में श्रोता यज्ञ निषिद्ध

जगद्गुरु रामानुजाचार्य श्री कांताचार्यजी महाराज का कहना है कि यज्ञ दो प्रकार के होते हैं, श्रोत व स्मार्त। श्रोत यज्ञ में सोम, नरबलि, अश्वमेघ आदि विभिन्न प्रकार के विशिष्ट यज्ञ शामिल हैं। ये ऐसे कठिन यज्ञ थे, जो कलियुग में पूर्णतः निषिद्ध हैं। इस युग में स्मार्त यज्ञ में जनकल्याणर्थ होने वाले यज्ञ ही शामिल हैं। इनमें से ही एक श्री लक्ष्मीनारायण महायज्ञ भी है। यज्ञ की महत्ता को स्वयं भगवान श्रीकृष्ण ने गीता में भी उल्लेख किया है-''यज्ञात भवति पर्जन्यः इसका अर्थ है यज्ञ से कल्याण होता है। अतः कभी-भी यज्ञ निरर्थक नहीं होते।

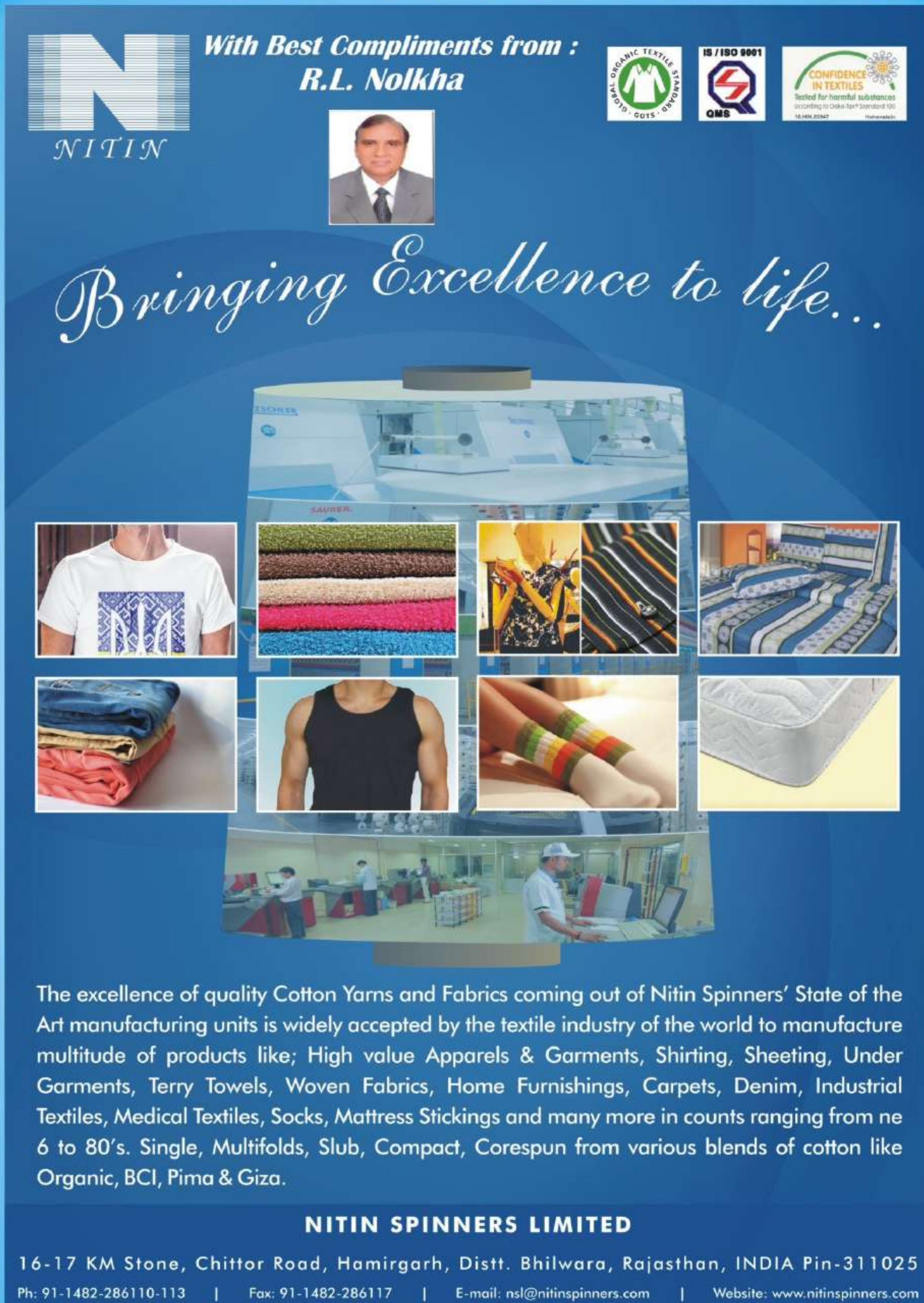
NITIN
With Best Compliments from :
R.L. Nolkha
IS / ISO 9001
QMS
CONFIDENCE IN TEXTILES
Tested for harmful substances
Bringing Excellence to life...
The excellence of quality Cotton Yarns and Fabrics coming out of Nitin Spinners' State of the Art manufacturing units is widely accepted by the textile industry of the world to manufacture multitude of products like; High value Apparels & Garments, Shirting, Sheeting, Under Garments, Terry Towels, Woven Fabrics, Home Furnishings, Carpets, Denim, Industrial Textiles, Medical Textiles, Socks, Mattress Stickings and many more in counts ranging from ne 6 to 80's. Single, Multifolds, Slub, Compact, Corespun from various blends of cotton like Organic, BCI, Pima & Giza.
NITIN SPINNERS LIMITED
16-17 KM Stone, Chittor Road, Hamirgarh, Distt. Bhilwara, Rajasthan, INDIA Pin-311025
Ph: 91-1482-286110-113 | Fax: 91-1482-286117 | E-mail: nsl@nitinspinners.com | Website: www.nitinspinners.com

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ

ओमप्रकाश कुंजी लाल भैय्या

Govt. Contractor & Building Material Supply

Ph. : 0721-2660046
Mo. : 9822200631

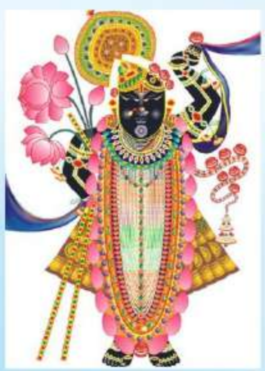

श्रीनाथ दाल मिल

A-35, Near Aanand Marbles, MIDC, Amravati
Ph. : 0721-2520013, 2520699

पियुष ओ. भैय्या
9822731007

अखिलेश अ.भैय्या
9823231276

BANSWARA

PRODUCT PORTFOLIO

Yarns

Blends of -

- Polyester
- Wool
- Viscose
- Acrylic
- Cotton
- Lycra
- Fire Retardant

Finishes

- Stain Repellant
- Anti Fungal
- Moisture Management
- Anti Wrinkle
- Aroma

Fabrics

- Poly Viscose and Lycra Blends
- Wool, Polyester & Lycra Blends
- Cotton and Linen Shirting
- Jacquards for Home & Automotive
- Uniforms

Garment

- Suits
- Formal Trousers

BANSWARA SYNTEX LIMITED

CORPORATE OFFICE

5th Floor, Gopal Bhawan 199, Princess Street, Mumbai - 400 002

Tel : +91 22 66336571-76 Fax : +91 22 22064486 Email : info@banswarafabrics.com

REGISTERED OFFICE & MILLS
Industrial Area, Dohad Road,
Banswara - 327 001 (Rajasthan)
Tel : +91 2962 240690-93, 257679-68
Fax : +91 2962 240692
Email : info@banswarafabrics.com

BANSWARA SYNTEC LIMITED
UNIT SURAT
Plot No. 5 & 6, Surat Apparel Park
SEZ Sachin, Surat - 394 230
Tel : +91 261 2390352 - 53, 2390363
Fax : +91 261 2390364
Email : info@banswaraapparels.com

BANSWARA GARMENTS
A Unit of Banswara Syntex Limited
Survey No. 713/1, 2, 3 & 725/1,2 - 722/9
Sangita Dham & Complex,
Near savita Farm, Somnath
Nani Daman, Daman & Diu - 396210
Tel : + 91 260 2240967 - 68
Fax : + 91 260 2240969
Email : info@banswaragarments.com

BANSWARA GARMENTS
A Unit of Banswara Syntex Limited
Survey No. 98/3-85/3 & 4, 86/2
Kadaiya Industrial Estate
Village Kadaiya, Nani Daman
Daman & Diu - 396210
Tel : + 91 260 2240967-68
Fax : + 91 260 2240969
Email : info@banswaragarments.com

Contact us - pkrishnan@banswarafabrics.com www.banswarasyntex.com

माहेश्वरी बन्धुओं को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं

अश्वीन डांगरा
निलेश डांगरा

महाकाली

सिल्वर एंड गोल्ड प्रा.लि.

पीवर चाँदी के बर्तन

916, हॉल मार्कट ज्वेलरी
सोना, चाँदी खरीदने का
एकमात्र स्थान

सुन्दर बाग, मराठा मीच कॉर्नर, इचलकरंजी (महा.)
मो. 094211-00273, 098909-40963

माहेश्वरी वूलेन्स

कारपेट वूलेन यार्न व्यवसायी

35–36 रिंग मार्केट, प्रथम तल, रजपुरा,
भदोही – 221401 उ.प्र.

गलीचा हाउस प्रा.लि.

कार्पेट मैन्युफैक्चरर्स एण्ड कार्पेट इम्पोर्टर
खसरा नं. 426, प्रथम तल
पिलर नं. 133-134, घटोरनी, एम.जी. रोड,
नई दिल्ली – 110030

अजय काबरा

संगठन मंत्री
अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी महासभा
09839049109
Email : ajaykabrabhadohi@gmail.com

अखिल काबरा

91-7376467309
Web : www.victoriacarpet.in
Email : info@victoriacarpet.in

With Best Compliments from:

ECOVIS®

RKCA ADVISORS LIMITED

(An Affiliation with ECOVIS International having Offices in 60 Countries)

Service Offerings

- **Growth & Tax Advisory**
- **Accounting & Legal Service**
- **Risk & Financial Consulting**
- **Management & Marketing**

- **BM Trada RKCA Certifications Pvt. Ltd.**
  (A Joint Venture with UK)
- **Gold Berries Consulting Pvt. Ltd.**
  (A management consulting vertical)

"We are presently Mumbai based Consulting Firm and are interested to acquire Mid-Size Firms for Expansion & Merger in Western, Central & North India. Those who want to join us may also contact us".

- **RKCA-XAT Advisors Pvt. Ltd.**
  (A Joint Venture with Japan)
- **RKCA Middle East (FZE)**
  (Middle East Growth Consulting Venture)

515, TULSIANI CHAMBERS, NARIMAN POINT, MUMBAI-400 021 (India).
TEL: +91-22-22044737, E-mail:- enquiry@rkabra.net

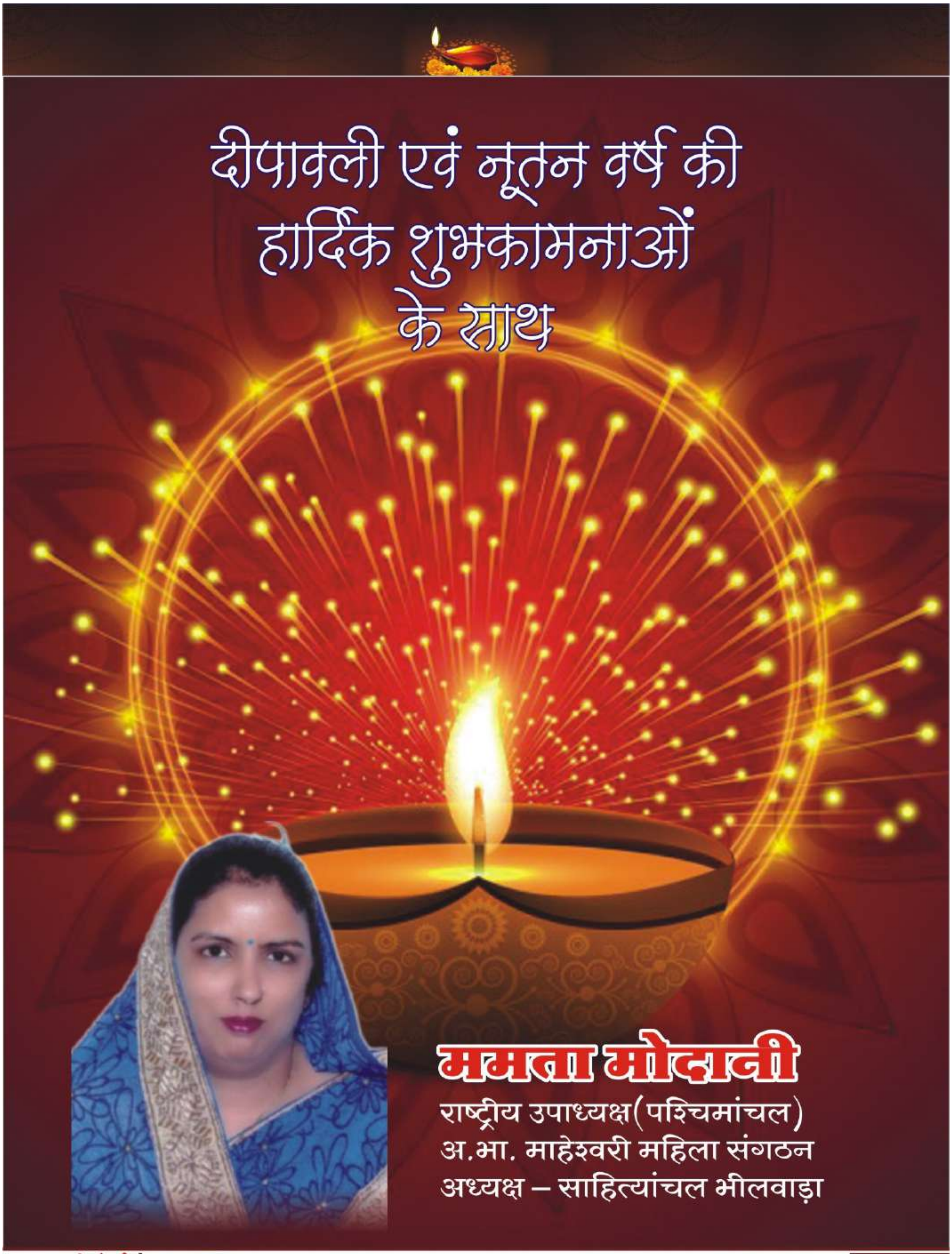
दीपावली एवं नूतन वर्ष की
हार्दिक शुभकामनाओं
के साथ
ममता मोदानी
राष्ट्रीय उपाध्यक्ष(पश्चिमांचल)
अ.भा. माहेश्वरी महिला संगठन
अध्यक्ष – साहित्यांचल भीलवाड़ा

महेश नवमी पर्व की हार्दिक बधाई

महेश एजुकेशनल एण्ड चेरिटेबल ट्रस्ट

(अ.भा. माहेश्वरी महासभा के अन्तर्गत)
96-97, प्रथम तल, आकाशगंगा, भिलाई (छ.ग.)

सेठ मीठालाल राठी छात्रावास एवं सेठ श्री किशन रामप्यारीबाई डागा कन्या छात्रावास

सड़क-2, नरसिंह विहार, कातुलबोड, दुर्ग भिलाई (छ.ग.)

मोहन राठी (अध्यक्ष) | डी.डी. भूतड़ा (उपाध्यक्ष) | बृजकिशोर सुरजन (मानद मंत्री) | जे.पी. मोहता (कोषाध्यक्ष) | श्याम सोमानी (सहमंत्री) | मनोज डागा (सहमंत्री)

एवं समस्त न्यासी गण

With Best Compliments From

Sacchidanand L. Malani

Kelkar Wadi
MURTIZAPUR - 444107
Distt - Akola-Maharashtra
Phone : 07256-243513
Mobile : 9422162213 / 8600047213
e-mail : iddice.slmalani@gmail.com

SPECIALITY IN ASPHALTING OF ROADS & EARTHEN DAMS

बुलडाणा अर्बन को-ऑप.क्रेडीट सोसायटी मर्यादित, बुलडाणा, र.नं. 267 (मल्टीस्टेट)

(संस्था का कार्यक्षेत्र : महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, गुजरात, अंदमान-निकोबार)

मुख्य कार्यालय : सहकार सेतू, हुतात्मा गोरे पथ, बुलडाणा - 443001 (महाराष्ट्र)

भारत की पहिली
ISO-9001 : 2000 व
SA 8000 - 2002 मानांकित

।। संस्था की वर्तमान स्थिती ।।

कुल जमाराशी: ५४२४ करोड कुल ऋण : ४१९५ करोड

कुल सदस्य : ७५१५९० कुल शाखा : ४०७

कुल गोदाम : ३२५

गोल्ड लोन ११९५ करोड

कार्यक्षेत्र : महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ, गुजराथ, अदमान निकोबार, गोवा, आंध्रप्रदेश

।। संस्थेचे प्रकल्प ।।

* पुणे येथे सभासदांच्या पाल्यांसाठी वसतिगृह
* उच्च शिक्षण घेऊ इच्छिणाऱ्या विद्यार्थ्यांसाठी विशेष कर्ज योजना
* तिरुपती (आंध्रप्रदेश), शिर्डी,माहुर (महाराष्ट्र) भक्तनिवास
* बुलडाणा येथे १२५ मुलींकरीता छात्रानिकेतन सुविधा
* ३२५ वेअर हाऊस (ग्रेन बँक)
* बुलडाणा व मोर्शी येथे गोरक्षणधाम
* बुलडाणा येथे वेदविद्यालय व जिवनसंध्या स्वर्गाश्रम
* ओंकारेश्वर (म.प्र.) येथे धर्मशाळा

फोन नं. (०७२६२)२४२७०५, २४३७०५ www.buldanaurban.in को मिलो Email : buldanaurban@rediffmail.com

वैद्यकीय शिक्षा लेनेवाले छात्रो और वैद्यकीय व्यावसायिकों के लिए ऋण सुविधा

बुलडाणा अर्बन चॅरिटेबल द्वारा संचालित, विदर्भ में पहीला निवासी स्कुल,

सहकार विद्या मंदिर एवंम कनिष्ठ विज्ञान, वाणीज्य महाविद्यालय,

विद्यानगरी, चिखली रोड, बुलडाणा

कक्षा १ ली से १२ वी (विज्ञान शाखा)

ISO 9001 - 2000 Registered

विशेषताए

- बुलडाणा शहर से ५ कि.मी के अंतर पर प्रदुषण रहीत वातावरण मे ३० एकर विशाल परिसर मे आनोखी स्कुल
- अत्याधुनिक उपकरणों के साथ विशाल पुस्तकालय, पाठशाला, विशाल भोजन कक्ष, इंडोअर और आऊटडोअर स्टेडीअम और सुविधाओं से परिपुर्ण कॉम्प्युटर लॅब.
- पौष्टीक भोजन तथा स्वास्थ रक्षा
- शिक्षा भ्रमण, आश्वारोहण,पर्वतरोहण, निशानेबाजी,स्विमिंग, कराटे, संगीत, तलवारबाजी, और भी बहोत कुछ......
- भारतीय संस्कृतीपे आधारित एक परिपूर्ण शिक्षण,जहाँ आपका पाल्य शिक्षा एवम् नैतिक मुल्यका खुदका विकास कर एक आदर्श नागरीक बने
- छात्रावास :- छात्र एवम् छात्राओ के लिए स्वतंत्र व्यवस्था

फोन नं. (०७२६२)२४२७०५, २४३७०५

www. sahakarvidyamandir.in

सौ. कोमल झँवर
अध्यक्षा,
बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

राधेश्याम चाण्डक
संस्थापक,
बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

डॉ. सुकेश झँवर
चीफ मैनेजिंग डायरेक्टर,
बुलडाणा अर्बन, बुलडाणा

हार्दिक
शुभकामनाओं
के साथ

कृष्णगोपाल गट्टानी
श्रीमती कौशल्या गट्टानी

Oriental Palace Resorts

DESTINATION WEDDINGS | RESORT | RESTAURANT | LUXURY ROOMS

Subhash Nagar, Opp. B.N. College, UDAIPUR (Raj.)
Ph. : +91 294 2412360
E-Mail : bookings@orientalpalaceresort.com
Website : orientalpalaceresort.com

खुश रहें... खुश रखें...

शांति का अच्छा साधन है मौन

मौन के वृक्ष पर शांति के फल लगते हैं। परिवार में मौन शांति के साथ ही स्नेह व सम्मान की भावना भी पैदा करता है। गुरु-शिष्य की ही बात की जाए तो आज भी कई गुरु दीक्षा देते समय अपने शिष्यों से कहते हैं हमारे और तुम्हारे बीच मौन घटना चाहिए। इसका सीधा सा अर्थ है कि आप अपने गुरु से कम से कम बात करें। गुरु से जितना मौन होगा, शिष्य को शांति की उपलब्धि उतनी अधिक होगी।

पं. विजयशंकर मेहता
(जीवन प्रबन्धन गुरु)

गौतम बुद्ध मौन पर बहुत जोर देते थे। एक दिन अपने शिष्यों के बीच एक फूल लेकर बैठ गए और एक शब्द नहीं बोले नही। सारे शिष्य बेचैन हो गए। शिष्यों की मांग रहती है कि गुरु बोलें फिर हम बोलें। कई बार तो शिष्य लोग गुरु के नहीं बोलने को उनका अहंकार बता देते हैं। यह मान लेते हैं कि हमारे गुरु हमसे दूर हो गए। दरअसल, गुरु बोलकर शब्द खर्च नहीं करते बल्कि मौन रहकर अपने शिष्य का मन पढ़ते हैं। बुद्ध का एक शिष्य महाकश्यप जब हँसने लगा तो बुद्ध ने वह फूल उसको दे दिया और अन्य शिष्यों से कहने लगे, "मुझे जो कहना था मैंने इसे कह दिया, अब आप लोग इसी से पूछ लो।" सब महाकश्यप की ओर मुड़े तो उनका जवाब था, "जब उन्होंने कहा ही नहीं तो मैं कैसे बोलूं।" सारी बात आपसी समझ की है। मौन की वाणी इसी को कहते हैं। इसे मौन का हस्तांतरण भी माना गया है। इसका यह मतलब नहीं है कि गुरु से जो ज्ञान प्राप्त हो वह मौन के बाद नाम पर पचा लिया जाए। गुरु के मौन से शिष्य को जो बोध होता है उसे समय आने पर वाणी दी जा सकती है। पर वह वाणी तभी प्रभावशाली होगी जब गुरु और शिष्य के बीच गहरा मौन घटा हो।

यह बात परिवार पर भी लागू होती है। मौन का हस्तांतरण पति-पत्नी के बची, बाप-बेटे के बीच भी बिल्कुल ऐसे ही हो सकता है। इससे परिवार में शांति के साथ परस्पर संबंधों में सम्मान, गरिमा व प्रेम प्रकट होगा। मौन की भाषा बोलना चाहें तो एक काम करें-जरा मुस्कराइए...।

रोस्टेड काजू मसाला

सामग्री- 2 काजू, 12 से 15 साबुत कालीमिर्च, 2 बड़ा चम्मच जीरा, 1 बड़ा चम्मत साबुत धनिया, 1 छोटा चम्मच सौंफ 1 से 2 लोंग, 3 से 4 सूखी लाल मिर्च, तलने के लिए तेल, 1 छोटा चम्मच चाट मसाला पाउडर, स्वादानुसार काला नमक, 1 छोटा चम्मच चीनी

विधि- मध्यम आंच पर एक पैन में सभी खड़े मसाले डालकर सुनहरा होने तक भून लें। गरम मसालों को प्लेट में निकालकर ठंडा होने दें। अब एक 1 कड़ाही में तेल डालकर गर्म होने के लिए तेज आंच पर रखें। जब तक तेल गर्म हो रहा है भूने साबुत मसालों को मिक्सर में पीसकर पाउडर बना लें। तेल में काजू को डालकर हल्का सुनहरा होने तक तल लें। काजू को किचन पेपर में निकाल लें ताकि अतिरिक्त तेल निकल जाए। काजू को एक बोल में डालें फिर इसमें तैयार किया गर्म मसाला, चाट मसाला, काला नमक और चीनी डालकर अच्छी तरह मिक्स कर लें। आच चाहें तो बोल को कवर करके अच्छी तरह हिला लें। तैयार मसालेदार काजू को सर्व करें या फिर एयरटाइट कंटेनर में डालकर हफ्ते 10 दिन तक रख सकते हैं।

Ajay Bang
9422165520

Rakhi Bang
9923280030

Hiralal Motilal
Exclusive Gold Showroom

Main Road, Digras - 445 203 Dist. Yavatmal
Tel : 07234-222014
E-mail : rakhibang1972@gmail.com

Net Protector
NPAV
Total Security
PC, Laptop Tablet, Mobile सुरक्षा
PC Kaa Doctor Net Protector AntiVirus
Internationally Tested & Certified
ISO 9001:2008
WhatsApp
92.72.70.70.50
98.22.88.25.66

Computerised Horoscope
Most Advanced Mathematical Software in India
Windows based Software
- Accurate Calculations
- Accurate Charts
- Full Screen VIEW Facility
- Use any printer - Dot Matrix or Inkjet or Laser.

Choice of 6 Languages
English
Marathi
Hindi
Gujarati
Kannada
Telugu

Call: 922.566.48.17
98.22.88.25.66

Kundali 2018
www.kundalisoftware.com

आपणी बोली

- स्वाति जैसलमेरिया, जोधपुर

नेताओं री प्रहार भूख री मार

खम्मा घणी सा हुक्म आपने ध्यान है हुक्म भारत देश आज विश्व मे भूखों रो देश और गरीबी रो देश कहलावे... यों भारत जो एक जमाने मे सोने रो देश, किसानों, ऋषियों, वेदों ज्ञानियों री खान, कहलातों थो। इतिहास बतावें जण अमेरिका, यूरोप में लोग भोजन वास्ते जंगला में घूमता भारत देश मे धन-धान्य और विद्या रा भंडार था पर हाय ! देखते देखते सब अरमां खाक में मिळ गया आज दूसरा देशों रे सामने भारत सिर्फ गरीबी रो देश गिणीजै ... हुक्म भलेई कोंग्रेस हो या भाजपा.... लाख विकास रा ढोल पिटे पर वास्तविकता तो याँ ही है कि गरीबी में आज भारत दुनियां रे नोवें नंबर पर आवे । हुक्म आपाणे देश मे दो तरह रा लोग है एक तो वे जो खा - खा ने मोटा हूं रिया है दूजा वे जिने कने पेट भर खावण ने नही है ... तो जाहिर है भूखों री संख्या करोड़ो में है तो ज्यादा खावण वाळो रो आंकड़ो भी कम नही ...

अगर आपा इने यूँ समझा कि ज्यों ज्यों देश मे भ्रष्टाचार बढ़ रियो है खावण की प्रवर्ति भी बढ़ रही है । एक तरफ तो ख़ाणे वालों री कमी नही तो दूजी तरफ आत्महत्या करण वाळा मजबूर किसान । हुक्म कोई विकास रा भाषण दे रिया है तो कोई भूख सुं मर रिया है हुक्म इण नेतागिरी रे विकास रा लच्छेदार भाषणों में कोई फंस रियो है तो वो जो सच मे भूखों है, जरूरतमंद है ।

हुक्म समझ नही आवे नेताओं ने जो भूखे इंसान री तरफ तो आंखियां मूंद ने बैठा है और नया नया हवाई अड्डा बणा रिया है । भूखों री बस्ती ने साफ नही करावे और बुलेट ट्रेन चलावण री योजना बणा रियाँ है। हुक्म काळजा मुंह ने आवे कि जद चुनाव हुवे नेतागण गरीबो री बस्ती में हाथ जोड़ ने विकास रा वादा करे और जीतण बाद पलट ने नही देखे । सच तो याँ ही है हुक्म 'गरीब आदमी' और 'गरीब लफ्ज़' आज रे नेताओं रे वास्ते सिर्फ 'वोट बैंक' रे सिवा कुछ नही ... हुक्म या सब देखने एक भजन री पंक्ति दिमाग मे आवे-

धनवालों का मान है जग में निर्धन का कोई मान नही ए मेरे भगवान बता दे निर्धन क्या इंसान नही

मुलाहिज़ा फरमाइये

दबी है आवाज़ दोनों के दरमियां तो क्या'?
'बातें तो, ख़ामोश ख़्वाहिशें भी करती है'?....

बुलन्द रखो हौसला उडान से पहले
मंजिल मिलेगी तुझको हुनर से पहले

'तुफ़ाँ में कहां दम था...कि क़श्ती मेरी डुबोता...,
मैंने डुबो के अपनी क़श्ती...तूफ़ाँ की लाज रख ली...!'

फितरत किसी की ना आजमाया कर ऐ जिंदगी,
हर शख्स अपनी हद में बेहद लाजवाब होता है।

किसने कहा वो मुजसे दूर रहकर खुश है...,
उसके सामने मेरा नाम लेकर तुम देखो तो जरा!

अश्क़ तेरे नाम के छलकें तो इसमें हैरत भी क्या है
यूँ भी तो हम हर महफिल में तुझे ही ढूंढते है

साथ अगर दोगे तो मुस्कुराएंगे ज़रूर;
प्यार अगर दिल से करोगे तो निभाएंगे ज़रूर;
कितने भी काँटे क्यों ना हों राहों में;
आवाज़ अगर दिल से दोगे तो आएंगे ज़रूर।

▶▶ ज्योत्सना कोठारी, मेरठ

संकेत सितारों के

पं. विनोद रावल
(ज्योतिर्विद)
फोन : 0734-2515326

मेष- इस माह में सफलता मिलेगी। मान-सम्मान, यश बढ़ेगा। परिवार में मांगलिक उत्सव होगा। संतान की ओर से सारी परेशानियां दूर होगी। नौकरी में सफलता मिलेगी, किंतु अपनो के व्यवहार से दुःख होगा। प्रेम प्रसंग के कारण जीवन साथी से तनाव बना रहेगा। खर्च की अधिकता बनी रहेगी। व्यापार में भी उतार-चढ़ाव बना रहेगा। किसी की जमानत देना हानिकारक सिद्ध होगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

वृषभ- इस माह आपके अधुरे बिगड़े काम बन जाएंगे। पशुधन से विशेष लाभ होगा। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। संतान को आपकी मदद की आवश्यकता पड़ेगी। मेहमानों का आगमन बना रहेगा। यात्रा होगी। मकान बदलेंगे, व्यापार में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग कम प्राप्त होगा। विद्यार्थी वर्ग को लाभ होगा। खोया या चोरी गया हुआ धन मिलेगा। जीवन साथी के स्वास्थ्य की चिंता बनी रहेगी। मित्र सहायक रहेंगे।

मिथुन- यह माह आपके लिये मिश्रित फलदायक रहेगा। काम में उन्नति मिलेगी। भाग्योदय के अवसर प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में मान-सम्मान बढ़ेगा। किंतु माता के स्वास्थ्य की चिंता, मानसिक तनाव, किसी से विवाद होगा। मन में अनहोनी के कारण परेशानी, प्रेम प्रसंग में बाधा उत्पन्न होगी। जीवन साथी से वैचारिक मतान्तर बने रहेंगे। वाहन से सावधानी रखे। गुप्त शत्रु से सावधानी रखें। संतान की ओर से परेशानी बनी रहेगी। घर में मनोरंजन के साधन खरीदेंगे। अचानक धन मिलेगा।

कर्क- इस माह आप नये कार्य आरंभ करने का सोचेंगे, बिगड़े काम बनेंगे। आकस्मिक धन प्राप्ति के योग, प्रमोशन में रुकावट आऐगी। पैतृक सम्पत्ति में विवाद से मन बैचेन रहेगा। किसी पर भी ज्यादा विश्वास न करें। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य की ओर विशेष ध्यान दें। विरोधी सक्रिय होंगे। महिला वर्ग से आपको सहायता प्राप्त होगी।

सिंह- यह माह आपके लिये सामान्य व्यतीत होगा। खर्च अधिक होगा। व्यवसाय में यथावत स्थिति बनी रहेगी। किस पुराने रोग से राहत, वाणिज्य-व्यवसाय में लाभ के अवसर, भूमि-सम्पत्ति-जायदाद में विवाद की स्थिति बनी रहेगी। आमदनी सामान्य रहेगी। लॉटरी आदि से लाभ हो सकता है। मनोरंजन आदि पर व्यय करेंगे। अपनों से मन मुटाव बना रहेगा। नौकरी में सफलता मिलेगी। आय की तुलना में व्यय अधिक होगा। प्रेम प्रसंग में धोखा मिलेगा।

कन्या- यह माह आपको कला के क्षेत्र में विशेष लाभ एवं ऊंचाइयां प्रदान करने वाला होगा। पुराना रुका हुआ कार्य होगा। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। मित्रों से सहयोग प्राप्त होगा। विरोधी परास्त होंगे। प्रेम के क्षेत्र में सफलता मिलेगी। विवाह संबंध होगा। प्रभावशाली व्यक्ति के प्रभाव परिचय का लाभ मिलेगा। स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थी को सफलता मिलेगी। अप्रिय समाचार मिलेगा। अचानक धन प्राप्ति होगी, संतान के कार्य पूर्ण होंगे।

तुला- यह माह आपको पाचनतंत्र से परेशानी देने वाला होगा। मध्यम श्रेणी की आय रहेगी। अचानक धन प्राप्ति के योग भी रहेंगे। साथ ही उसी अनुपात में व्यय भी कर देंगे। भूमि, भवन, सम्पत्ति से संबंधित कार्यों में अनुकूलता रहेगी। शौक-मौज-मस्ती का लुत्फ उठाएंगे एवं व्यय भी करेंगे। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। परिवार से वैचारिक मतान्तर होंगे। लंबी यात्रा के योग बनेंगे। नवीन कार्य योजना बनाएंगे। पूर्व में किये गये प्रयासों का लाभ प्राप्त होगा। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक- यह माह आपके लिये खुशियां प्रदान करने वाला होगा। घर-परिवार में शुभ कार्य, मांगलिक कार्य एवं विवाह संबंध होने के योग प्रबल रहेंगे। विद्यार्थी वर्ग के लिये शुभ समाचार मिलेंगे। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। कार्य की अधिकता बनी रहेगी। लंबी यात्रा एवं स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। मित्रों एवं संबंधितों से सहयोग मिलेगा। माता-पिता तथा परिवार की चिंता रहेगी। दुःखद समाचार की प्राप्ति होगी।

धनु- यह माह आपके लिये अचानक धन प्राप्ति देने वाला होगा। राजकीय पक्ष की अनुकूलता रहेगी। आय के नवीन स्त्रोत की प्राप्ति होगी। लंबी यात्रा एवं स्थान परिवर्तन के योग रहेंगे। मानसिक तनाव, अनिर्णय की स्थिति निर्मित होगी एवं पैरों में कष्ट अनुभव करेंगे। नवीन कार्य व्यवसाय प्रारंभ करेंगे। किसी कार्य में जल्दबाजी परेशानी खड़ी कर सकती है। विद्यार्थियों के लिये समय अनुकूल रहेगा। किसी की जमानत देना हानिकारक सिद्ध होगा। विवाद से दूर रहें, स्थायी सम्पत्ति से संबंधित प्रकरणों में सफलता मिलेगी।

मकर- यह माह आपके लिये लंबी यात्रा एवं भाग्यवर्धक रहेगा। भौतिक सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। नौकरी में पद उन्नति तथा व्यापार में अच्छी सफलता के साथ लाभ प्राप्ति के योग रहेंगे। समाज में मान-सम्मान एवं प्रतिष्ठा प्राप्त होगी। प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली व्यक्तियों से भेंट होगी एवं उनका लाभ मिलेगा। जरूरी कार्यों में शीघ्र निर्णय लेना लाभकारी रहेगा। विद्यार्थियों के लिये कड़ी मेहनत के उपरांत सफलता मिलेगी। प्रेम प्रसंग में सफलता मिलेगी, विवाह संबंध तय होगा।

कुंभ- यह माह आपके लिये अति उत्तम फलदायी होगा। किंतु मानसिक तनाव भरा भी रहेगा। पाचन तंत्र की परेशानी के योग रहेंगे। अचानक धन प्राप्ति के योग प्रबल रहेंगे। मनोरंजन मौज-मस्ती पर खर्च करेंगे। कुटुम्ब एवं नजदीकी लोगों से वैचारिक मतान्तर उभरेंगे। नवीन कार्य व्यवसाय में सफलता अर्जित होगी। स्थायी सम्पत्ति से चल रहे प्रकरणों में सफलता अर्जित होगी। विवाह संबंध तय होने के योग प्रबल रहेंगे। अप्रिय समाचार की प्राप्ति होगी। व्यय की अधिकता बनी रहेगी। धार्मिक यात्रा मांगलिक एवं शुभ कार्यों में सम्मिलित होंगे। संतान के रुके कार्यों में सफलता। प्रबंधकीय कार्य में सफलता प्राप्त होगी।

मीन- यह माह आपके लिये अचानक धन प्राप्ति वाला होगा। किंतु मानसिक तनाव एवं पाचन तंत्र से कष्ट के भी योग रहेंगे। पुराना रुका हुआ पैसा प्राप्त होगा। लंबी यात्रा के योग रहेंगे। वाहन सुख मकान-सुख में वृद्धि के योग रहेंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी एवं खर्च बढ़ेगी। भाई, बांधु, मित्रों से भेंट के योग रहेंगे। संतान से संबंधित कार्यों में रुकावटों के बाद सफलता मिलेगी। पैतृक सम्पत्ति मिलने के योग रहेंगे। प्रेम प्रसंग प्रकरणों में सफलता मिलेगी। विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में अनुकूलता रहेगी। जीवन साथी के साथ हर्ष-उल्लास का वातावरण निर्मित होगा।

श्रीमती शकुंतला मोहता

जबलपुर. श्री सेठ बालकृष्णदास, गोवर्धनदास, मधुसूदन एवं स्व. त्रिभुवनदास मालपाणी की बड़ी बहन श्रीमती शकुंतला-ब्रजमोहन मोहता का 94 वर्ष की अवस्था में देहावसान हो गया। आप अपने पीछे तीन पुत्रियों कोकिला मालानी मुंबई, निर्मला मूंदड़ा मुंबई व सरला बांगड़ी का नाती-नातिन आदि का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। माहेश्वरी मंडल जबलपुर के पूर्व सचिव राधेश्याम मालानी की भी आप सासू माँ थीं।

देहदानी श्रीमती गंगा सोमानी

हैदाराबाद. 75 वर्षीय ख्यात वरिष्ठ समाजसेवी गंगा सोमानी का गत दिनों हृदयाघात के कारण देहावसान हो गया। उनकी अंतिम इच्छा के अनुसार उनका दाह संस्कार न कर देह को मेडिकल कॉलेज को शोध हेतु परिजनों द्वारा सौंप दिया गया। आप स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री रामकिशन धूत की पुत्री थीं। छोटी उम्र में पिता की मृत्यु, उसके बाद पति वियोग तथा पुत्री की मृत्यु का दुःख सहकर भी उन्होंने कभी धैर्य और साहस नहीं छोड़ा और अपनी पुत्रियों का आदर्श ढंग से लालन-पालन किया।

श्रीमती कमलादेवी भूतड़ा

अमरावती. समाज के वरिष्ठ सदस्य तथा महा नगरपालिका अमरावती के सेवानिवृत्त शहर अभियंता छगनलाल भूतड़ा की पत्नी श्रीमती कमलादेवी भूतड़ा का निधन गत दिनों हो गया। आप अपने पीछे पति सहित 4 विवाहित पुत्रियों का भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं।

श्रीमती राधादेवी जाजू

भीलवाड़ा. वरिष्ठ समाज सदस्य रामप्रसाद जाजू की पत्नी और बाबूलाल जाजू एव सुरेश जाजू की भाभी श्रीमती राधादेवी जाजू का स्वर्गवास गत 23 अक्टूबर हो गया। आप अपने पीछे पुत्र गोपाललाल जाजू, श्याम जाजू, कैलाश जाजू सहित भरापूरा परिवार छोड़ गई हैं। अंतिम यात्रा में सैकड़ों समाजजनों ने शामिल होकर श्रीमती जाजू को श्रद्धांजलि दी।

With Best Compliments From

Aditya Group

36, 1st Floor, Reshamwala Market, Ring Road, Surat - 2
Ph : (A/C) 3325060 (R/G) 3325061 (O) 3343888-77

Web - www.adityagroupindia.com
E-mail : adityagroups@yahoo.com

Hotel Royal Inn

Mr. Manoj Sabu
9960551777

Enjoying with

|| विविधम् ||

Multi Cusine Restaurant
Pure Veg

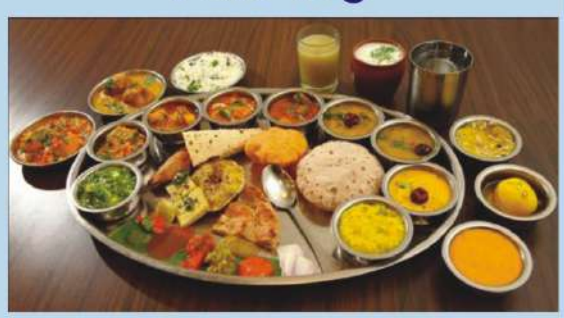

Navathe Chowk, Badnera Road,
Amravati, Maharashtra - 444601
Ph. : 0721-2510873/74 Mo. : 9763877930
E-mail : royalinnamravati2017@gmail.com

ASHOK SOMANY

SOMANY IMPEX
Stone that stuns

ASHOK SOMANY

AAKASH SOMANY

M/s. ASHOK SOMANY & Co.

Mining of Natural Stone & TIles

Khol House, Circular Road, Rewari - 123401 (Hry) Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel. : 01274-225385, Mob. : 981245677, Res. : 01274-260088, 260048
Email : accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

SOMANY NATURAL STONES (I) Pvt. Ltd.

All Kind of Natural Stone & Tiles

Plot No.5, Delhi Rewari Road, Rewari-12340 1 (Hry)
Mobile : 9812345677, 9812028488
Email : mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY IMPEX

Exporter of All Kind of Natural Stoen &Tiles

Khol House, Circular Road, Rewari-123401 (Hry), Unit-Khol Road, Vill-Kund, Distt. - Rewari (Hry)
Tel.: 01274-225385, Mob. : 9812028488, 9215689102
Email: accounts@sonanyimpex.ind.in
factory@somanyimpex.ind.in, somanyimpex@gmail.com

DEVVRAT OVERSEASE

All Kind of Natural Stone & Tiles

Vil. Mehtawas, Mehtawas Road (Raj), Mobile : 9812345677, 9812025385
Email: mines@sonanyimpex.ind.in I somanyimpex@gmail.com

SOMANY (P.G) INSTITUTE OF TECHNOLOGY & MANAGEMENT

Running B.Tech & M.Techinfidderent Discilines of Engineering

Near Delhi-Jaiur Highway No. 8, Beside 3 km, From Rwawri City, Rewari (Hry) Tel. 01274-261239, 261781
Fax: 01274-261239, Mob. 9541069998
Email : Info@sitmrewari.com I admin@sitmrewari.com I accounts@sitmrewari.com

✲ शुभकामनाएं ✲

RituRaj
INFRATECLTD.
SURAT

RITURAJ TEXTILE HUB
RITURAJ UNIQUE TEXTILE MARKET
RITURAJ MUMBAI FANCY MARKET
SAKET TEXTILE MARKET
CALIXTO TEXTILE MARKET
CALIXTO 9
MANGALAM 63

Rajendra Chandak (Rajubhai) : +91 93747 23455
Badal Chandak : +91 78786 12345

RITURAJ INFRATEC LTD

HEAD OFFICE :
C-3122-3123-3124, 1st Floor,
Millennium Textile Market
Ring Road, Surat - 395002
Ph. : (O) 0261 2353772
www.riturajinfratec.com

RNI-MPHIN/2005/14721
Po.-Malwa Division/244/2017-2019
Despatch Date - 02 November 2017

If Undelivered Please Return To
SRI MAHESHWARI TIMES
90, Vidya Nagar (Behind Tedi Khajur Dargah),
Sanwer Road, UJJAIN (M.P.) - 456010
Ph. 0734-2526561, 2526761, Mo. : 94250 91161
E-mail : smt4news@gmail.com

FREE REGISTRATION AT www.srimaheshwarimelapak.com